राष्ट्रीय राजधानी को प्रदूषण से नहीं मिली राहत, एक्यूआई बेहद खराब-14

केंद्रीय उद्योग मंत्री बोले- आयातकों और निर्यातकों को नई सूचना देगा टीआईई-14

ट्रंप पर बढ़ा यौन अपराधी एपस्टीन से संबंधित फाइलें जारी करने का दबाव-15

विस्फोटक रिंकू सिंह ने खेली करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी, उत्तर प्रदेश ने तमिलनाडु पर बढ़त बनाई -16

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष अमावस्या 12:17 उपरांत प्रतिपदा विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 20 नवंबर 2025, वर्ष 6, अंक 361, पृष्ठ 16 ■ मूल्य 6 रुपये

छह साल का साथ, अटूट विश्वास

सादर प्रणाम।

आज अमृत विचार केवल एक समाचार पत्र नहीं, बल्कि सच और सकारात्मकता की उस यात्रा का प्रतीक है, जिसने आप सभी के अटूट विश्वास के सहारे अपने छह वर्ष सफलतापूर्वक पूरे किए हैं। इस महत्वपूर्ण पड़ाव पर, हम आप सभी का हृदयतल से आभार व्यक्त करते हैं और कोटिश: बधाई देते हैं।

वर्ष 2019 में बरेली की पावन धरा से जब हमने अपनी यात्रा शुरू की थी, तब बाजार में अनेक चुनौतियां थीं, लेकिन हमारे पास एक संकल्प था – पत्रकारिता के उच्चतम मूल्यों को पुन: स्थापित करने का। हमने तय किया था कि हम केवल खबरें नहीं छापेंगे, बल्कि उन खबरों के पीछे का सच सामने लाएंगे, जो समाज को प्रभावित करती हैं। इन छह वर्षों में हमने निष्पक्षता को अपना धर्म बनाया। चाहे वह स्थानीय स्तर की समस्याएं हों या राष्ट्रीय मुद्दे, अमृत विचार ने हमेशा बेबाकी से अपनी बात रखी है। नियमित खबरों के साथ साथ पाठकों को अपडेट रखने के लिए सप्ताह में सातों दिन अलग –अलग विषय पर विशेष फीचर पेजों का संयोजन भी किया जा रहा है।

इस यात्रा में कई उतार–चढ़ाव आए, लेकिन आपके समर्थन ने हमें हर चुनौती का डटकर सामना करने की शक्ति दी। आज, बरेली से शुरू हुआ यह कारवां लखनऊ, कानपुर, मुरादाबाद, हल्द्वानी और अयोध्या तक पहुंच चुका है, और यह विस्तार आपके भरोसे का सीधा प्रमाण है। जल्द ही हम अमृत विचार के दिल्ली, देहरादून और मेरठ संस्करण की शुरुआत की दिशा में भी काम कर रहे हैं।

हमारा मानना है कि पत्रकारिता केवल समस्याओं को उजागर करने तक सीमित नहीं है। हमारा उद्देश्य समाधान–उन्मुख पत्रकारिता करना और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना है। अमृत विचार आगे भी इसी पथ पर चलता रहेगा। हम सनसनीखेज पत्रकारिता से बचते हुए, तथ्यों पर आधारित और चिंतन पूर्ण सामग्री अपने पाठकों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा हर शब्द समाज के निर्माण में एक सकारात्मक भूमिका निभाए, यही हमारा लक्ष्य है।

इन छह वर्षों की सफलता ने हमारे हौसलों को और मजबूत किया है। इस अवसर पर, हम यह संकल्प लेते हैं कि अमृत विचार समाचार पत्र को हम पत्रकारिता के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों पर लेकर जाएंगे। तकनीकी रूप से उन्नत होते हुए, हम डिजिटल माध्यमों पर भी अपनी पकड़ मजबूत करेंगे, ताकि हर वर्ग के पाठक तक पहुंच बनाई जा सके।

हम एक बार फिर अपने पाठकों का, जिन्होंने हमें अपना दैनिक साथी बनाया... अपने विज्ञापनदाताओं का, जिन्होंने हमारे मूल्यों पर भरोसा किया... अपने वितरकों का, जिन्होंने घर–घर तक हमें पहुंचाया और अपने मेहनती कर्मचारियों का, जिन्होंने इस सपने को हकीकत में बदला, हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। आपका विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। हम आपके आभारी हैं और भविष्य में भी इसी जोश और ईमानदारी के साथ आपकी सेवा में तत्पर रहेंगे।

डॉ. केशव अग्रवाल
चेयरमैन

डॉ. अशोक अग्रवाल
प्रेसिडेंट

डॉ. वरुण अग्रवाल
डायरेक्टर

डॉ. अर्जुन अग्रवाल
डायरेक्टर

अमृत विचार समूह

संसद हमारे फैसले नहीं पलट सकती : सुप्रीम कोर्ट

न्यायाधिकरण सुधार अधिनियम के अहम प्रावधानों को रद्द किया, कानून के रूप में पेश करने पर केंद्र पर की तीखी टिप्पणी

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने केंद्र सरकार को बड़ा झटका देते हुए बुधवार को न्यायाधिकरणों के सदस्यों और पीठासीन अधिकारियों की नियुक्ति, कार्यकाल और सेवा शर्तों से संबंधित 2021 न्यायाधिकरण सुधार कानून के प्रमुख प्रावधानों को रद्द कर दिया और कहा कि संसद मामूली बदलावों के साथ इन्हें फिर से लागू करके न्यायिक फैसले को दरकिनार नहीं कर सकती। शीर्ष अदालत ने अध्यादेश के समान प्रावधानों को कानून के रूप में पेश करने के लिए केंद्र के खिलाफ टिप्पणी की।

प्रधान न्यायाधीश बीआर. गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने 137 पृष्ठ के अपने फैसले में कहा कि हम उन मुद्दों पर इस अदालत के निर्देशों को बार-बार अस्वीकार करने के भारत सरकार के रवैये से असहमति जताते हैं, जिन्हें पहले ही कई निर्णयों के माध्यम से सुलझा लिया गया है। पीठ ने कहा कि यह सचमुच दुर्भाग्यपूर्ण है कि न्यायाधिकरणों की स्वतंत्रता और कामकाज को लेकर इस न्यायालय की ओर से तय किए गए स्पष्ट सिद्धांतों को लागू करने के बजाय, विधायिका ने ऐसे प्रावधान फिर से पेश किए, जिनकी वजह से अलग-अलग कानूनों और नियमों के जरिए वही संवैधानिक वाद-विवाद फिर शुरू हो गए हैं।

रद्द प्रावधानों को लागू करना अवहेलना

पीठ ने कहा कि विवादित प्रावधान शक्तियों के पृथक्करण और न्यायिक स्वतंत्रता के सिद्धांतों का उल्लंघन करते हैं और उन्हें वापस नहीं लाया जाना चाहिए। पीठ ने कहा कि संसद ने पहले से ही न्यायालय द्वारा रद्द किए गए प्रावधानों को पुन: लागू करके बाध्यकारी न्यायिक मिसालों की विधायी रूप से अवहेलना का प्रयास किया। प्रधान न्यायाधीश ने फैसले में कहा कि हमने अध्यादेश और 2021 के अधिनियम के प्रावधानों की तुलना की है और यह दर्शाता है कि पहले ही खारिज किए जा चुके सभी प्रावधानों को मामूली बदलाव के साथ फिर से लागू किया गया है।

2021 के प्रावधान बरकार नहीं रख सकते

पीठ ने कहा कि हमारा मानना है कि 2021 अधिनियम के प्रावधानों को बरकरार नहीं रखा जा सकता क्योंकि यह शक्तियों के पृथक्करण और न्यायिक स्वतंत्रता का उल्लंघन करता है। यह किसी भी खामी को दूर किए बिना और बाध्यकारी निर्णय के विपरीत जाकर विधायी अतिक्रमण के समान है, यह संविधान के अनुरूप नहीं है। इसलिए, इसे असंवैधानिक घोषित करके रद्द किया जाता है। शीर्ष अदालत ने न्यायाधिकरण सुधार अधिनियम, 2021 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 11 नवंबर को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

राज्यपाल की मंजूरी की अवधि मुद्दे पर आज निर्णय

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय गुरुवार को राष्ट्रपति संदर्भ पर फैसला सुनाएगा, जिसमें पूछा गया था कि क्या संवैधानिक न्यायालय राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने के लिए राज्यपालों और राष्ट्रपति के लिए समय–सीमा निर्धारित कर सकता है। प्रधान न्यायाधीश बी.आर. गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति ए.एस. चंदुरकर की संविधान पीठ ने 10 दिनों तक दलीलें सुनने के बाद 11 सितंबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था।

रियल एस्टेट धोखाधड़ी में लालू का करीबी गिरफ्तार

- जमीन के बदले नौकरी देने के मामले में भी पकड़ा गया था

नई दिल्ली, एजेंसी

ईडी ने बुधवार को गुरुग्राम में घर खरीदारों के साथ धोखाधड़ी से जुड़े 500 करोड़ के धन शोधन के एक मामले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद के परिवार के करीबी माने जाने वाले रियल एस्टेट कारोबारी अमित कात्याल को गिरफ्तार किया है।

कात्याल को एजेंसी के गुरुग्राम क्षेत्रीय कार्यालय ने हिरासत में लिया। बाद में, गुरुग्राम की एक विशेष अदालत ने कात्याल को छह दिन की ईडी हिरासत में भेज दिया। यह जांच गुरुग्राम के सेक्टर-70 में 14 एकड़ में बने क्रिश फ्लोरेंस एस्टेट में फ्लैट नहीं सौंपने के आरोपों से संबंधित है। कात्याल को ईडी ने 2023 में कथित तौर पर जमीन के बदले रेलवे नौकरी घोटाले से संबंधित एक अन्य धन शोधन मामले में भी गिरफ्तार किया था।

ईडी का असम-दिल्ली में छह स्थानों पर छापा

- फर्जी खरीद ऑर्डर मामले में संघीय जांच एजेंसी ने की कार्रवाई
- 14.5 लाख रुपये और दो लक्जरी कारें बरामद कीं, दस्तावेज जब्त

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने असम में दो स्वायत्त परिषदों के लिए जारी किए गए कथित फर्जी खरीद ऑर्डर के संबंध में असम और नई दिल्ली में छह स्थानों पर छापेमारी की और 14.5 लाख रुपये नकद और दो लक्जरी कारें बरामद कीं। संघीय एजेंसी की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि ईडी के गुवाहाटी क्षेत्रीय कार्यालय ने मंगलवार को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत असम के गुवाहाटी, कोकराझार और तेजपुर और नई दिल्ली में छह स्थानों पर तलाशी ली गई।

ईडी ने बताया कि दीमा हसाओ और मिसिंग की स्वायत्त परिषदों द्वारा जारी कथित फर्जी खरीद ऑर्डर के तहत माल की आपूर्ति के लिए तीन व्यक्तियों- ऋषिराज कौंडिन्य, बीजू दास और मुकेश जैन- के खिलाफ जांच चल रही है। बयान के मुताबिक, ईडी ने छापेमारी के दौरान 14.5 लाख रुपये नकद जब्त किये तथा 13.68 लाख रुपये की शेष राशि वाले बैंक खातों को फ्रीज करने के आदेश जारी किए। ईडी ने बताया कि इसके अलावा, दो लग्जरी कार, 65 लाख रुपये के मूल्यांकन के साथ भूमि बिक्री समझौते का एक दस्तावेज जब्त किये। इसके अपराध की आय (पीओसी) से जुड़ा होने का संदेह है। इसने बताया कि मुख्य आरोपी के स्वामित्व एवं नियंत्रण वाली कई अन्य संपत्तियों का विवरण, विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य भी छापेमारी के दौरान जब्त किए गए हैं। ईडी ने दावा किया कि कौंडिन्य ने अपने सहयोगियों जैन और दास तथा अन्य के साथ मिलकर सुनियोजित आपराधिक साजिश रची। वह फर्जी आपूर्ति ऑर्डर, जाली हस्ताक्षर, नकली चेक और झूठे भुगतान जैसे सरकारी दस्तावेज तैयार करने में संलिप्त है।

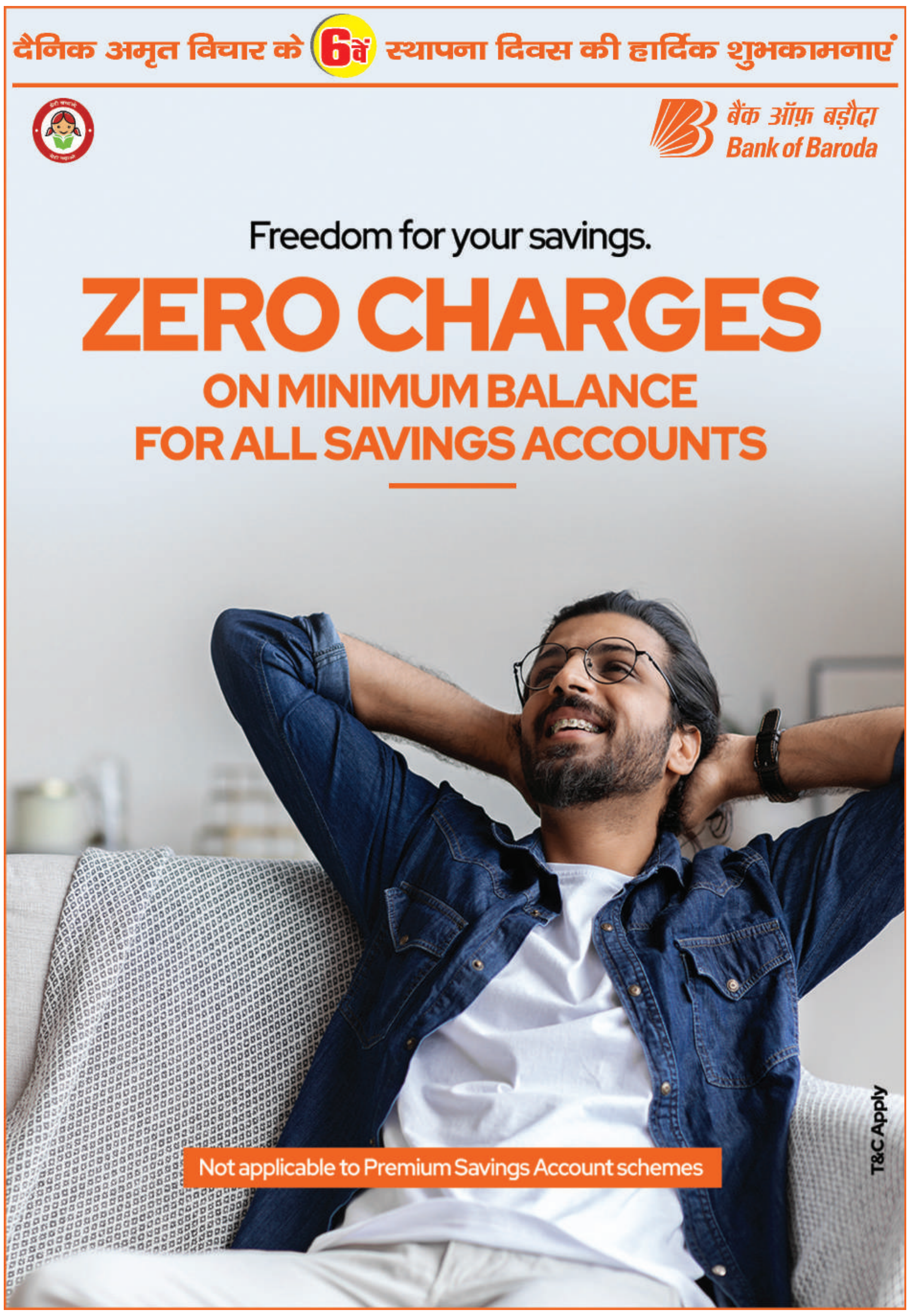

बदायूं के विकास की दिशा में भाजपा की भूमिका और अमृत विचार का साथ

जनसेवा से जनविकास तक भाजपा के संकल्प से बदलता बदायूं

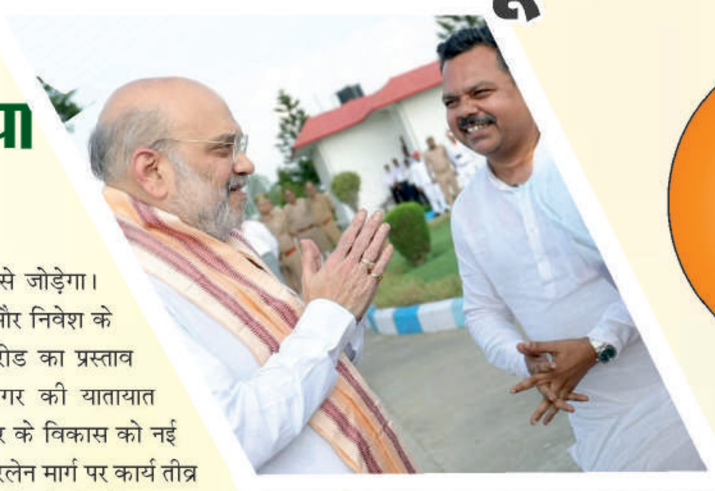

बदायूं की धरती ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से गौरवशाली रही है। यह वह भूमि है जहां परंपरा, परिश्रम और प्रगति का संगम दिखाई देता है। भारतीय जनता पार्टी ने इस जनपद के सर्वांगीण विकास को अपने संकल्पों में सर्वोपरि रखा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बदायूं विकास की नई दिशा और पहचान की ओर अग्रसर है। डबल इंजन की सरकार ने बदायूं को आधुनिक संपर्क व्यवस्था से जोड़ने के लिए अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। जिसमें सबसे महत्वपूर्ण परियोजना गंगा एक्सप्रेसवे है, जो बदायूं को सीधे दिल्ली और प्रयागराज से जोड़ेगा। इसके निर्माण से व्यापार, उद्योग और निवेश के नए अवसर खुलेंगे। बदायूं रिंग रोड का प्रस्ताव स्वीकृत हो चुका है। जिससे नगर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाते हुए शहर के विकास को नई दिशा मिलेगी। बरेली से मथुरा फोरलेन मार्ग पर कार्य तीव्र गति से चल रहा है। जो क्षेत्रीय संपर्क को और सशक्त बनाएगा। साथ ही दातागंज-बदायूं मार्ग के चौड़ीकरण की स्वीकृति मिल चुकी है। जिससे ग्रामीण और नगरीय आवागमन में अभूतपूर्व सुधार होगा।

राजीव कुमार गुप्ता
जिलाध्यक्ष
भारतीय जनता पार्टी बदायूं

बदायूं मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग ट्रेनिंग सेन्टर प्रगति पर

इसके अलावा भाजपा सरकार ने बदायूं के हर क्षेत्र में ठोस विकास की आधारशिला रखी है। दातागंज सैजनी एचपीसीएल परियोजना से औद्योगिक निवेश और रोजगार के नए द्वार खुल रहे हैं। पीएसी महिला बटालियन का अनावासीय भवन बन चुका है तथा आवासीय परिसर का कार्य प्रगति पर है। शिक्षा के क्षेत्र में नए विद्यालयों, इंटर कॉलेजों और स्मार्ट कक्षाओं की स्थापना से बच्चों को आधुनिक

शिक्षा मिल रही है। उसावां में स्व. रामपाल सिंह डिग्री कॉलेज का निर्माण पूरा हो चुका है, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को उच्च शिक्षा के अवसर मिल रहे हैं। दातागंज में ऑडिटोरियम की स्वीकृति हो चुकी है, जिससे क्षेत्र में सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रमों को नया मंच मिलेगा। बदायूं नगर में नेकपुर एस.टी.पी. सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का कार्य प्रगति पर है, जिससे स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को बल मिलेगा। केंद्रीय सरकार की ग्रामीण एवं नगरीय पाइप पेयजल योजना के तहत हर घर नल से जल की सुविधा सुनिश्चित की जा रही है। बदायूं मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग ट्रेनिंग कॉलेज सेंटर का कार्य प्रगति पर है, जो स्वास्थ्य सेवाओं में प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार करेगा। बदायूं स्टेडियम का नवीनीकरण और नई खेल अवसंरचनाओं का निर्माण खेल प्रतिभाओं के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। बदायूं की पहचान कृषि प्रधान जनपद के रूप में रही है। भाजपा सरकार ने किसानों के हित में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री सिंचाई योजना और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा जैसे कई कदम उठाए हैं। इन योजनाओं ने किसानों की आय दोगुनी करने की दिशा में ठोस परिणाम दिए हैं। स्वास्थ्य सेवाओं में प्राथमिक के साथ-साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों का विस्तार किया गया है। नर्सिंग ट्रेनिंग कॉलेज सेंटर के माध्यम से युवाओं को मेडिकल क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। भाजपा सरकार ने महिला सशक्तिकरण को अपने विकास मॉडल का केंद्र बनाया है। उज्ज्वला योजना, स्वनिधि योजना, और स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से लाखों बहनों को आत्मनिर्भर बनाया गया है। युवाओं के लिए रोजगार मेले, कौशल विकास मिशन और स्टार्टअप योजनाएं नए अवसर प्रदान कर रही हैं। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की भावना पर कार्य करते हुए भाजपा सरकार ने प्रशासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन की नई परंपरा स्थापित की है। अब विकास योजनाएं सीधे जनता तक पहुंच रही हैं और हर वर्ग को समान अवसर मिल रहा है।

भाजपा का संकल्प- बदायूं विकसित जनपदों में शामिल

भाजपा का संकल्प है कि बदायूं को उत्तर प्रदेश के प्रमुख विकसित जनपदों में स्थान दिलाया जाए। जिसके लिए गंगा एक्सप्रेस वे, स्वीकृत रिंग रोड, बरेली-मथुरा फोरलेन, दातागंज-बदायूं चौड़ीकरण, एचपीसीएल परियोजना, मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग सेंटर और नई खेल अवसंरचनाएँ, ये सभी योजनाएँ बदायूं को एक आधुनिक, समृद्ध और सशक्त जनपद के रूप में स्थापित करेंगी। बदायूं का यह परिवर्तन भाजपा के सेवा, समर्पण और सुशासन के संकल्प का परिणाम है। संगठन का हर कार्यकर्ता इस विकास यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य कर रहा है।

ADVT

राष्ट्रीय राजधानी को प्रदूषण से नहीं मिली राहत, एक्यूआई बेहद खराब -14

केंद्रीय उद्योग मंत्री बोले- आयातकों और निर्यातकों को नई सूचना देगा टीआईए -14

ट्रंप पर बढ़ा यौन अपराधी एपस्टीन से संबंधित फाइलें जारी करने का दबाव -15

विस्फोटक रिकू सिंह ने खेली करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी, उत्तर प्रदेश ने तमिलनाडु पर बढ़त बनाई -16

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष अमावस्या 12:17 उपरांत प्रतिपदा विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 20 नवंबर 2025, वर्ष 6, अंक 361, पृष्ठ 16 ■ मूल्य 6 रुपये

आरएसएस के बारे में पूर्वाग्रहों के आधार पर राय न बनाएं युवा

गुवाहाटी, एजेंसी

- असम में युवा नेतृत्व सम्मेलन में बोले आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत
- कहा-डिजिटल स्रोतों पर संघ के बारे में 50 प्रतिशत जानकारी गलत

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को असम और पूर्वोत्तर भारत के युवाओं से अपील की कि वे संगठन के बारे में पूर्वाग्रहों या दुष्प्रचार के आधार पर अपनी राय न बनाएं। भागवत ने अपनी तीन दिवसीय असम यात्रा के अंतिम दिन युवा नेतृत्व सम्मेलन को संबोधित करते हुए आरएसएस के सिद्धांतों, आदर्शों व कार्यप्रणाली पर प्रकाश डाला, साथ ही संगठन के बारे में चल रहे वाद-विवाद और चर्चाओं का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि आरएसएस अब सार्वजनिक चर्चाओं का विषय बन गया है, लेकिन ये चर्चाएं तथ्यों पर आधारित होनी चाहिए। भागवत ने दावा किया कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों और डिजिटल स्रोतों पर संघ के बारे में 50 प्रतिशत से अधिक जानकारी या तो गलत है या अधूरी है।

उन्होंने विभिन्न मीडिया संस्थानों पर आरएसएस के बारे में जानबूझकर गलत सूचना फैलाने का अभियान चलाने का आरोप लगाया। आरएसएस के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के दृष्टिकोण का जिक्र करते हुए भागवत ने कहा कि संघ का मुख्य उद्देश्य भारत को ''विश्वगुरु'' बनाना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र का उत्थान तभी हो सकता है जब समाज का उत्थान हो। एकजुट समाज ही एक प्रगतिशील राष्ट्र का नेतृत्व कर सकता है। उन्होंने युवाओं से विकसित देशों के इतिहास का अध्ययन करने का आग्रह किया और कहा कि अध्ययन के दौरान वे पाएंगे कि उन्होंने विकास के पहले सौ वर्ष के दौरान समाजों में एकता और गुणात्मक शक्ति कायम करने पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय समाज को भी इसी तरह विकसित होने की आवश्यकता है और यह विचार आरएसएस के सामाजिक परिवर्तन के पांच प्रमुख सिद्धांतों में परिलक्षित होता है, जो इसके शताब्दी वर्ष के अवसर पर अपनाए गए हैं।

भागवत ने कहा कि एक राष्ट्र के रूप में भारत की महानता भाषाई, क्षेत्रीय व आस्था-आधारित विविधताओं का सम्मान करने और उन्हें स्वीकार करने की उसकी दीर्घकालिक परंपरा में निहित है। विविधता के महत्व पर बात करते हुए उन्होंने कहा पाकिस्तान समेत भारत से अलग होने वालों ने अंततः इन परंपराओं को खो दिया। उन्होंने दावा किया कि हिंदू विविधता का सम्मान करते हैं और ऐसे समाज का निर्माण करना आरएसएस का प्राथमिक उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि जब तक भारतीय समाज संगठित और गुणवान नहीं होगा, तब तक देश का भाग्य नहीं बदलेगा। भागवत ने कहा कि गुरु नानक और श्रीमंत शंकरदेव जैसे महान आध्यात्मिक गुरू देश की विविधता का पूरा सम्मान करते थे।

मनमोहक...

पुट्टपर्थी में दिवंगत आध्यात्मिक गुरु श्री सत्य साईं बाबा की जन्म शताब्दी समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान युवा कलाकारों ने मनमोहक प्रस्तुति देकर बाबा को नमन किया। प्रधानमंत्री मोदी भी समारोह में उपस्थित रहे, उन्होंने अपनी श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि बाबा की शिक्षाएं और सेवा दुनियाभर में लाखों अनुयायियों का मार्गदर्शन करती रहेंगी।

अल फलाह ग्रुप का अध्यक्ष 13 दिन की ईडी हिरासत में

नई दिल्ली, एजेंसी

- एजेंसी ने कहा-सिद्दीकी के पास विदेश भागने के कई कारण

दिल्ली की एक अदालत ने बुधवार को अल फलाह समूह के अध्यक्ष जवाद अहमद सिद्दीकी को 13 दिनों के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में भेज दिया। वहीं, एजेंसी ने अदालत को बताया कि सिद्दीकी के पास भारत से भागने के कई कारण हैं क्योंकि उसके परिवार के करीबी सदस्य खाड़ी देशों में बसे हुए हैं।

सिद्दीकी को संघीय जांच एजेंसी ने मंगलवार रात फरीदाबाद स्थित अल फलाह विश्वविद्यालय समूह के खिलाफ दिनभर की छापेमारी के बाद गिरफ्तार किया था। यह विश्वविद्यालय 10 नवंबर को लाल किले के निकट हुए विस्फोट की जांच के केंद्र में है, जिसमें 15 लोग मारे गए थे और कई अन्य घायल हुए थे। ईडी ने अदालत को बताया कि सिद्दीकी ने अपने ट्रस्ट द्वारा संचालित शैक्षणिक संस्थानों के छात्रों के साथ बेईमानी से 415 करोड़ रुपये की आय अर्जित की। सिद्दीकी को मंगलवार-बुधवार की मध्यरात्रि अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शीतल चौधरी प्रधान के आवास पर पेश किया गया।

भारत जैविक खेती का वैश्विक केंद्र बनने की राह पर अग्रसर : प्रधानमंत्री

मोदी ने किया दक्षिण भारत प्राकृतिक कृषि शिखर सम्मेलन का उद्घाटन

कोयंबटूर, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत जैविक खेती का वैश्विक केन्द्र बनने की राह पर है और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह देश की स्वदेशी और पारंपरिक पद्धति है। बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की शानदार जीत के बाद मोदी ने अपने यहां आगमन पर लोगों द्वारा गमछा लहराने का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसा लग रहा था कि बिहार की हवा उनसे पहले ही तमिलनाडु में आ गई हो। तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाला राजग अगले साल विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाले गठबंधन से मुकाबला करेगा। विपक्षी गठबंधन एम के स्टालिन के नेतृत्व वाली सरकार को सत्ता से हटाने के लिए भरसक प्रयास कर रहा है।

दक्षिण भारत प्राकृतिक कृषि शिखर सम्मेलन 2025 और एक प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने नौ करोड़ किसानों को सहायता देने के लिए पीएम-किसान योजना की 21वीं किस्त जारी की। इस किस्त की कुल राशि 18,000 करोड़ रुपये से अधिक है। सम्मेलन को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक इस्तेमाल से मिट्टी की उर्वरता में कमी आई है और जैविक खेती को पूरी तरह से समर्थन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि फसल विविधीकरण और जैविक खेती मृदा संबंधी समस्याओं का समाधान है।

कोयंबटूर में दक्षिण भारत प्राकृतिक कृषि सम्मेलन का शुभारंभ करते पीएम मोदी। ● एजेंसी

- 18,000 करोड़ रुपये की पीएम-किसान योजना की 21वीं किस्त जारी
- फसल विविधीकरण और जैविक खेती मृदा संबंधी समस्याओं का समाधान

जलवायु परिवर्तन से निपटने में मददगार

प्रधानमंत्री ने कहा कि साथ ही जैविक खेती जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में भी मदद करती है। प्रधानमंत्री ने जब दो छात्राओं को राष्ट्र के आर्थिक परिवर्तन के लिए उनके दृष्टिकोण की सराहना करते हुए तख्तियां लहराते देखा तो उन्होंने सुरक्षाकर्मियों से इन तख्तियों को लाने को कहा और छात्राओं की सराहना की। इससे पहले प्रधानमंत्री ने हवाई अड्डे से कोयंबटूर जिला लघु उद्योग संघ मैदान तक लगभग दो किलोमीटर की दूरी तक रोड शो किया तथा आम नागरिक एवं पार्टी कार्यकर्ता उनके स्वागत के लिए सड़क के दोनों ओर खड़े थे। उनके स्वागत में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये और लोगों ने प्रधानमंत्री के वाहन पर फूल बरसाए जबकि प्रधानमंत्री ने हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में वांछित अनमोल कोर्ट में पेश

- एनआईए ने मांगी 15 दिन की हिरासत

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के आरोपी एवं गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई को बुधवार को यहां एक अदालत में पेश किया गया। एनआईए ने अमेरिका से प्रत्यर्पण के उपरांत गिरफ्तार किए गए अनमोल को शाम करीब पांच बजे पटियाला हाउस अदालत में पेश किया। संघीय एजेंसी ने अनमोल को विशेष न्यायाधीश प्रशांत शर्मा के समक्ष पेश करने के बाद उसे 15 दिन की हिरासत में भेजने का अनुरोध किया। अदालत परिसर और उसके आसपास कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। मीडियाकर्मियों को अदालती कार्यवाही में शामिल होने की अनुमति नहीं थी। राकांपा के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या, अप्रैल 2024 में बॉलीवुड स्टार सलमान खान के घर पर गोलीबारी, पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या समेत कई अन्य अपराधों में वांछित अनमोल को मंगलवार को अमेरिका से प्रत्यर्पित किया गया। उसे पिछले साल नवंबर में अमेरिका में हिरासत में लिया गया था।

न्यूज ब्रीफ

मिशेल बैचलेट को इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार

नई दिल्ली। चिली की पूर्व राष्ट्रपति मिशेल बैचलेट को बुधवार को वर्ष 2024 का इंदिरा गांधी शांति, निरस्त्रीकरण और विकास पुरस्कार प्रदान किया गया। इंदिरा गांधी स्मारक न्यास की प्रमुख सोनिया गांधी ने मिशेल को यह पुरस्कार प्रदान किया। उन्हें शांति, लैंगिक समानता, मानवाधिकार और विकास में उनके योगदान के लिए यह पुरस्कार दिया गया है। इंदिरा गांधी स्मारक न्यास द्वारा इंदिरा गांधी शांति, निरस्त्रीकरण और विकास पुरस्कार प्रति वर्ष विश्व के किसी ऐसे व्यक्ति या संस्था को प्रदान किया जाता है जिसने समाज सेवा, निरस्त्रीकरण या विकास के कार्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया हो।

एयरोस्पेस मेडिसिन का वार्षिक सम्मेलन आज

नई दिल्ली। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह गुरुवार को इंडियन सोसाइटी ऑफ एयरोस्पेस मेडिसिन (आईएसएएम) के दो दिन के 64वें वार्षिक सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। सम्मेलन का आयोजन बेंगलुरु स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ एयरोस्पेस मेडिसिन (आईएएम) में किया जा रहा है। इसमें देश-विदेश से लगभग 300 प्रतिनिधि भाग लेंगे। प्रतिभागियों में डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं और इसरो के प्रमुख वैज्ञानिकों सहित संबद्ध संस्थानों के शोधकर्ता भी शामिल होंगे।

मुकदमेबाजी से बचने को अकेली महिलाएं बनाएं अपनी वसीयत

- परिवार में संपत्ति विवाद को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट की अपील

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को उन सभी महिलाओं से अपील की जिनकी संतान या पति नहीं हैं, कि वे अपने माता-पिता और ससुराल वालों के बीच संभावित मुकदमेबाजी से बचने के लिए वसीयत बनाएं। शीर्ष अदालत ने हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम-1956 का हवाला देते हुए कहा कि उस समय संसद ने यह मान लिया होगा कि महिलाओं के पास स्व-अर्जित संपत्ति नहीं होगी, लेकिन इन दशकों में महिलाओं की प्रगति को कम करके नहीं आंका जा सकता।

पीठ ने कहा कि इस देश में हिंदू महिलाओं सहित महिलाओं की शिक्षा, रोजगार और उद्यमिता ने उन्हें स्व-अर्जित संपत्ति बनाने के लिए प्रेरित किया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि यदि किसी हिंदू महिला की मृत्यु बिना वसीयत के और उसके पुत्र, पुत्री और पति के अभाव में हो जाती है, तो ऐसी स्व-अर्जित संपत्ति केवल उसके पति के उत्तराधिकारियों को ही मिलेगी, तो संभवतः जहां तक मायके वालों का सवाल है, यह उनके लिए परेशानी का कारण बन सकता है। हम इस संबंध में भी कोई टिप्पणी नहीं करते हैं।

न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की धारा 15(1)(बी) को चुनौती देने के लिए एक महिला वकील द्वारा दायर जनहित याचिका का निस्तारण करते हुए यह सुझाव दिया।

हिडमा के बाद खूंखार नक्सली मेटरू भी ढेर

- आंध्र प्रदेश में मुठभेड़ के दौरान सात माओवादी मारे गए

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मारेडुमिल्ली में छह माओवादियों के मारे जाने के एक दिन बाद बुधवार को आसपास के क्षेत्र में हुई एक अन्य मुठभेड़ में सात और माओवादी मारे गए हैं। जिनमें खूंखार नक्सली कमांडर मेरूू जोखा राव भी शामिल है।

खुफिया एडीजी महेश चंद्र लड्ढा ने कहा कि मृतकों में तीन महिला माओवादी भी शामिल हैं, और उनकी पहचान की जा रही है। लड्ढा ने कहा कि आज की कार्रवाई मंगलवार को हुई पहली मुठभेड़ की जगह से सात किलोमीटर दूर हुई। एक की पहचान श्रीकाकुलम निवासी मेटरू जोखा राव उर्फ शंकर के रूप में हुई है, जो आंध्र ओडिशा सीमा (एओबी) का प्रभारी (एसीएम) था और तकनीकी चीजों, हथियार निर्माण, संचार में विशेषज्ञता रखता था।

राज्यपाल से मिले नीतीश, सरकार बनाने का दावा

पटना, एजेंसी

- आज शपथ ग्रहण समारोह, 10वीं बार संभालेंगे बिहार सीएम का पद

जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रमुख नीतीश कुमार ने बुधवार को राज्यपाल को मुख्यमंत्री पद से अपना इस्तीफा सौंपा। साथ ही उन्होंने राजग के विधायकों का समर्थन पत्र देकर सरकार बनाने का दावा पेश किया।

राजभवन सूत्रों के अनुसार, राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने नीतीश कुमार का इस्तीफा स्वीकार करते हुए नई सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू की और उनसे कार्यकारी मुख्यमंत्री के रूप में पद पर बने रहने का अनुरोध किया। गठबंधन नेताओं ने राज्यपाल से आग्रह किया कि राजग के पास बहुमत का समर्थन है, इसलिए उन्हें सरकार बनाने का अवसर दिया जाए। राज्यपाल ने समर्थन पत्र स्वीकार कर आवश्यक प्रक्रिया शुरू कर दी है। इससे पहले राजग विधायक दल की बैठक में जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार को सर्वसम्मति से नेता चुना गया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि शपथ ग्रहण समारोह गुरुवार को आयोजित किया जाएगा, जिसमें 75 वर्षीय नीतीश कुमार 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। इससे पहले राजग के प्रमुख घटक दलों ने बुधवार को अपने-अपने विधायक दल के नेताओं को चुना।

सम्राट चुने गए भाजपा विधायक दल के नेता

भाजपा के विधायक दल की बैठक में नव-निर्वाचित विधायकों ने सम्राट चौधरी को नेता चुना। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और भाजपा के केंद्रीय पर्यवेक्षक केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि भाजपा के विधायकों ने सर्वसम्मति से सम्राट चौधरी को विधायक दल का नेता और विजय सिन्हा को उपनेता चुना है। बैठक में केंद्रीय विधि मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और पूर्व केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति सह-पर्यवेक्षक के रूप में मौजूद थे। भाजपा के एक नेता ने बताया कि कुल 10 नवनिर्वाचित विधायकों ने सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा के नाम क्रमशः नेता और उपनेता के रूप में प्रस्तावित किए, जिन्हें सभी विधायकों ने सर्वसम्मति से समर्थन दिया।

वैश्विक निवेशकों की पसंद बना यूपी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एलओसी से बढ़ी विकास की रफ्तार, स्टार्टअप इकोसिस्टम भी हुआ मजबूत
- सरकार की नीतियों से तेजी से बढ़ रहे उद्योग, लाखों युवाओं को मिला रोजगार

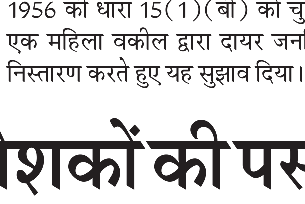

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश वैश्विक निवेशकों की पहली पसंद बनता जा रहा है। न केवल उद्योगों की रफ्तार बढ़ रही है बल्कि स्टार्टअप इकोसिस्टम भी मजबूत हुआ है। दरअसल, 6.77 लाख करोड़ के एलओसी (लेटर ऑफ कंफर्ट) से भी विकास की गति तेज हुई है। इसे राज्य सरकार की ही नीतियों का प्रभाव माना जा रहा कि यूपी में तेजी से बढ़ रहे उद्योगों के कारण लाखों युवाओं को रोजगार भी मिला।

योगी सरकार ने निवेश बढ़ाने के लिए 33 से अधिक क्षेत्र विशिष्ट नीतियां लागू की हैं, जो उभरते औद्योगिक क्षेत्रों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार की गई हैं। राज्य की फ्लैगशिप, औद्योगिक निवेश और रोजगार प्रोत्साहन नीति 2022, एफडीआई व एफसीआई नीति-2023 के साथ ही सेमीकंडक्टर, रक्षा उत्पादन, इलेक्ट्रिक वाहन, ऊर्जा और डेटा सेंटर जैसे क्षेत्रों की नीतियों ने उत्तर प्रदेश को वैश्विक निवेशकों के लिए विश्वसनीय और संभावनाओं से भरपूर गंतव्य बना दिया है। निवेश के बाद प्रोत्साहनों को सरल और तेज बनाने के लिए प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण किया गया है। वहीं एक उच्च-स्तरीय अधिकार प्राप्त समिति (एचएलईसी) से हर महीने औसतन 10 लेटर ऑफ कम्फर्ट (एलओसी) भी जारी किये जा रहे हैं। वर्ष 2025 में ही औद्योगिक निवेश और रोजगार प्रोत्साहन नीति 2022 के तहत 6.77 लाख करोड़ रुपये मूल्य के 70 से अधिक एलओसी स्वीकृत किए गए हैं। साथ ही एफडीआई व एफसीआई नीति 2023 के अंतर्गत 12 हजार करोड़ रुपये से अधिक के एलओसी जारी किए जा चुके हैं।

समीक्षा

मुख्यमंत्री ने मेरठ, कानपुर और मथुरा-वृंदावन की विकास कार्ययोजना को परखा

जनहित के लिए धन की कमी नहीं, जरूरत पर और मिलेगा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

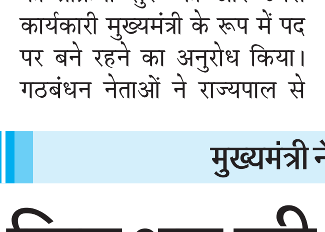

- योगी बोले, सरकार पर निर्भरता कम करें, प्रोजेक्ट बनाते वक्त आय सृजन की भी सोचें
- तीनों शहरों में 478 विकास परियोजनाओं की रूपरेखा तैयार, मेरठ में बनेगा बाईपास

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनहित के कार्यों में धन की कमी न होने की जानकारी साझा करते हुए आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त बजट देने का भरोसा जताया है।

बुधवार को मेरठ, कानपुर और मथुरा-वृंदावन के नगरीय विकास की कार्ययोजना की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इन नगरों का विकास केवल सड़कों और इमारतों के निर्माण तक सीमित न हो, बल्कि उनका स्वरूप ऐसा बने जिसमें स्थानीय पहचान, इतिहास, संस्कृति और आधुनिक सुविधाओं का संतुलन दिखे।

योगी ने निर्देश दिया कि योजनाएं समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरी की जाएं। मुख्यमंत्री ने मेरठ में प्रस्तावित बिजली बम्बा बाईपास को लखनऊ ग्रीन कॉरिडोर की तर्ज पर पीपीपी मोड में विकसित करने की संभावना तलाशने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि पहले चरण की कार्ययोजना के रूप में वर्ष 2025-26 में मेरठ में 11, कानपुर में 13 और मथुरा-वृंदावन में 14 परियोजनाओं पर कार्य किया जाए। इन परियोजनाओं में यातायात सुधार, चौराहों का पुनर्विकास, मल्टीलेवल पार्किंग, हरित क्षेत्र, सड़क और पेवमेंट सुधार, बिजली लाइनों का भूमिगतकरण, जल प्रबंधन, पर्यटन सुविधाओं का उन्नयन और शहरी सौंदर्यकरण जैसी जरूरतों को प्राथमिकता दी गई है। योगी ने अधिकारियों को रेवेन्यू शेयरिंग मॉडल पर निजी क्षेत्र का सहयोग लेने और जहां संभव हो वहां पीपीपी मोड अपनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास का उद्देश्य ऐसा शहरी ढांचा तैयार करना है जो यातायात को सुगम बनाएं, पैदल यात्रियों और सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता दे, हरे-भरे शहरों की दिशा में आगे बढ़ें।

विरासत और पर्यटन आधारित मॉडल

बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से तीनों मंडलों के मंडलायुक्तों ने कार्ययोजना से अवगत कराया। बताया गया कि अयोध्या, वाराणसी, गोरखपुर और प्रयागराज की तर्ज पर अब मेरठ, कानपुर और मथुरा-वृंदावन के लिए भी विकास मॉडल अपनाया जा रहा है। जनप्रतिनिधियों से विमर्श और विभागों के बीच समन्वय कर इन शहरों में कुल 478 परियोजनाओं की रूपरेखा तैयार है। इनमें मेरठ में 111, कानपुर में 109 और मथुरा-वृंदावन में 258 परियोजनाओं का विकास प्रस्तावित है।

आज का मौसम
26.0° अधिकतम तापमान
12.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.38
सूर्यास्त 05.17

यातायात माह: नियम पालन कराने पर नहीं जिम्मेदारों का ध्यान

ओवरलोडिंग और ओवरहाइट ही नहीं, गन्ना वाहनों में रिफ्लेक्टर और लाल कपड़ा भी नहीं, धरातल पर नहीं दिखा पेराई सत्र से पहले किए दावों का असर

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: इन दिनों यातायात माह नवंबर चल रहा है। जिसमें नियमों के प्रति वाहन चालकों को जागरूक करने के साथ ही नियम उल्लंघन पर कार्रवाई के दावे किए जा रहे हैं। मगर, गन्ना वाहनों में नियमों का पालन कराने में जिम्मेदार फेल साबित नजर आ रहे हैं। ओवरलोडिंग, ओवरहाइट ही नहीं, रेडियम रिफ्लेक्टर और लाल कपड़ा भी अधिकांश वाहनों पर नहीं लगाया जा रहा है। ऐसे में रात्रि के वक्त सड़कों पर दौड़ रहे गन्ना वाहन से हादसे का डर बना हुआ है। पेराई सत्र की शुरुआत से पहले तो दावे खूब किए गए और नियम पालन को लेकर निर्देशित किया गया लेकिन उसका असर अब धरातल पर नहीं दिख रहा है।

जनपद में गन्ने की पैदावार अधिक होती है। वर्तमान में करीब पौने दो लाख से अधिक किसान गन्ने की खेती कर रहे हैं। जिसका रकबा एक लाख 73 हजार हेक्टेयर के आसपास बताया जाता है। इस गन्ने की सप्लाई शहर के एलएच शुगर फैक्ट्री, बरखेड़ा चीनी मिल, बीसलपुर सहकारी चीनी मिल, पूरनपुर चीनी मिल के अलावा शाहजहांपुर की मकसूदापुर चीनी मिल आदि पर होती है। एलएच चीनी मिल का पेराई सत्र शुरू हो चुका है। हर साल गन्ना वाहनों से होने वाले हादसों को देखते हुए इस बार भी पूर्व में ही बैठकें हुई और नियम पालन कराने पर जोर दिया गया।

कोहरे की दस्तक के बीच रात्रि में वाहनों पर रेडियम रिफ्लेक्टर और पीछे की तरफ लाल कपड़ा आदि लगाने के भी निर्देश दिए जा चुके हैं। मगर, अधिकांश गन्ना वाहनों पर ये नदारद हैं। ओवरलोड और ओवरहाइट वाहनों पर कार्रवाई के नाम पर भी अभी महज औपचारिकता निभाई जा रही है। ट्रकों और ट्रैक्टर ट्रॉलियों में गन्ने की ओवरलोडिंग/ओवरहाइट पर रोकथाम नहीं है। कई बार तो गन्ना वाहनों से रामलीला रेलवे क्रासिंग के पास गन्ने की फांदिया भी गिरती दिखती हैं, जिससे राहगीरों को हादसे का डर सताया रहता है। जबकि अभी तो शुरुआत ही हुई है। आगे कोहरा और बढ़ेग, वाहनों की आवाजाही भी।ऐसे में अभी से सख्ती नहीं की गई तो हालात और बदतार होना तय है।

माधौटांडा रोड पर रात्रि के वक्त लगी गन्ना वाहनों की कतार। ● अमृत विचार

रेलवे क्रासिंग के पास गिरती गन्ने की फांदियां।

गौहनिया चौराहा के पास खड़े गन्ना वाहनों में न रेडियम रिफ्लेक्टर टेप न कोई लाल कपड़ा।

● रात्रि के वक्त मुख्य मार्गों पर लगी रहती है कतार, हादसे का सता रहा डर

"गन्ना वाहनों में नियमों का पालन कराने को लेकर पूर्व में ही निर्देशित किया जा चुका है। ओवरहाइट, ओवलोडिंग मिलने पर कार्रवाई की जा रही है। सुरक्षात्मक उपाय करने को लेकर भी संबंधित को निर्देश दिए गए थे। जिसका सख्ती से पालन कराया जाएगा।
–वीरेंद्र सिंह, एआरटीओ

हादसों के बाद फूटा गुस्सा, आश्वासन पर दबती गई आवाज

गन्ना वाहनों की बेतरतीब आवाजाही जाम का सबब बनने के साथ ही जानलेवा भी साबित होती रही है। एलएच चीनी मिल आबादी के बीच है। आसपास कई स्कूल, अस्पताल, सरकारी व निजी कार्यालय भी है। गन्ना वाहनों की आवाजाही टनकपुर रोड पर छतरी चौराहा, नकटादाना चौराहा और माधोटांडा रोड की तरफ से होती है। ऐसे में आबादी के बीच से गुजरते गन्ना वाहन कईबार जान भी ले चुके हैं। विरोध प्रदर्शन भी खूब हुए और कार्रवाईयां चली। मगर, समस्या के स्थायी समाधान पर कोई खास ध्यान नहीं दिया गया। अभी भी पेराई सत्र की शुरुआत पर वाहनों की आवाजाही शुरू हो चुकी है। मगर, इसमें नियम पालन कराने की सुध नहीं ली गई है। मानों, किसी हादसे का इंतजार किया जा रहा हो। जबकि बीते सालों में गौहनिया चौराहा के आसपास ही कई जानें गन्ना वाहन की चपेट में आकर जा चुकी हैं। एक बालक की मौत के बाद तो आक्रोशित भीड़ ने घंटों हाईवे जाम रखा था। फिलहाल इस बार दावे किए गए हैं, दिक्कत नहीं आएगी। मगर, शुरुआती सयम में ही सवाल उठने लगे हैं।

न्यूज ब्रीफ

दहेज के लिए विवाहिता को घर से निकाला

बरखेड़ा, अमृत विचार: सदर कोतवाली क्षेत्र के गांव बिलगवा निवासी हर प्रसाद वर्मा ने थाने में दी तहरीर में बताया कि उनकी पुत्री उषा देवी की शादी दो माह पूर्व गांव काजरबोझी निवासी भूपराम उर्फ टिंकू के साथ हुई थी। पति, ससुर गनेश प्रसाद, सास, देवर अमित, राजपाल, कुंवरसेन दिए गए दान दहेज से खुश नहीं थे। एक लाख रुपये की मांग को लेकर आए दिन मारपीट कर प्रताड़ित कर रहे थे। काफी समझाया लेकिन नहीं माने। 10 नवंबर सुबह मारपीट कर पुत्री को घर से निकाल दिया। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

बरखेड़ा में 21 नवंबर से होंगी प्रतियोगिताएं

बरखेड़ा, अमृत विचार: युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल के तत्वाधान में उत्तर प्रदेश ग्रामीण लीग के तहत विधायक खेल स्पर्धा का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें विभिन्न आयु वर्ग में महिला-पुरुष वर्ग की खेल प्रतियोगिता होगी। एथलेटिक्स, वॉलीबॉल, फुटबॉल, कुश्ती, कबड्डी, जूडो, बैडमिंटन के साथ ही वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता होगी। बरखेड़ा के उच्चतर प्राथमिक विद्यालय में 21 व 22 नवंबर, सेंट जोसेफ सीनियर सेकेंडरी स्कूल पूरनपुर में 25 व 26 नवंबर, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बीसलपुर डाइट में 4 व 5 दिसंबर को आयोजन कराया जाएगा।

हनुमान ने जलाई लंका लगे जयघोष

बिलसंडा, अमृत विचार: बमरौली में आयोजित रामलीला में कलाकारों ने बुधवार को लंका दहन लीला का मंचन किया। इसमें दिखाया कि हनुमान माता सीता की खोज में लंका पहुंचते हैं। भगवान राम की दी हुई मुद्रिका सीता को देते हैं। अशोक वाटिका में लगे फलों को खाते समय रावण के दूत रोकने का प्रयास करते हैं। जिस पर हनुमान और रावण दल के राक्षसों में भीषण युद्ध होता है। हनुमान रावण के पुत्र अक्षय कुमार का वध करते हैं। मेघनाद द्वारा हनुमान को बंदी बनाकर रावण के दरबार में ले जाया जाता है। जहां रावण के आदेश पर हनुमान की पूंछ में आग लगा दी जाती है। हनुमान जलती पूंछ से रावण की लंका में आग लगा देते हैं। परिसर में जय श्री राम के जयघोष गूंजते रहे।

भैंस रास्ते में बांधने को लेकर हुई मारपीट

बीसलपुर, अमृत विचार: रास्ते में भैंस बांधने पर कहासुनी के बाद मारपीट हो गई। क्षेत्र के ग्राम परासी रामकिशन निवासी कपिल कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि आठ नवंबर की सुबह 10 बजे गांव के रोहित, उसके भाई मोहित ने रास्ते में भैंस बांध ली थी। इसको लेकर मारपीट की गई। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

किसान दिवस में एडीएम न्यायिक ने सुनी समस्याएं

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: एडीएम न्यायिक की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें किसानों ने अपनी-अपनी समस्याएं रखीं। शिकायतों को सुनने के बाद एडीएम न्यायिक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। इस दौरान किसानों को कृषि विभाग द्वारा संचालित की जा रही विभिन्न योजनाओं की भी जानकारी दी गई।

विकास भवन स्थित गोमती सभागार में एडीएम न्यायिक रोशनी यादव की अध्यक्षता में बुधवार को किसान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान वर्तमान में एग्रीस्टैक योजना के अंतर्गत फार्मर रजिस्ट्री, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, कृषि यंत्र एवं पीएम कुसुम (सोलर) पर देय अनुदान आदि के बारे में जानकारी दी गई। किसानों ने बताया कि इन दिनों गेहूं की बुवाई चल रही है। इसके लिए किसानों को डीएपी खाद पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराई जाए।

जिला कृषि अधिकारी ने अवगत कराया कि जनपद में डीएपी खाद की पर्याप्त उपलब्धता है। किसान अपनी जोत के अनुसार खाद खरीद सकते हैं। भारतीय किसान यूनियन टिकैत के मंडल अध्यक्ष सतविंदर सिंह काहलो ने बताया कि पीलीभीत बाईपास के सभी उपरिगामी पुलों का निर्माण हो चुका है लेकिन बाईपास अभी चालू नहीं किया गया है। जिससे शहर में गन्ना लदे वाहनों की भीड़ लग जाती है।

बाईपास को तत्काल चालू कराया जाये। साथ ही यह भी कहा गया कि वर्तमान में गन्ना सेंटरों पर घटतौली की जांच कराई जाए।

एडीएम न्यायिक ने किसान दिवस में प्राप्त शिकायतों के त्वरित निस्तारण को लेकर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये। प्रधानमंत्री द्वारा कोयम्बटूर में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त के हस्तान्तरण का लाइव प्रसारण भी दिखाया गया। इस मौके पर उप कृषि निदेशक राम मिलन सिंह परिहार, डीपीआरओ रोहित भारती, अधिशासी अभियंता विद्युत पंकज कुमार भारती, जिला कृषि अधिकारी नरेंद्र पाल, जिला गन्ना अधिकारी खुशी राम भार्गव, सीवीओ डॉ. पीके त्यागी आदि मौजूद रहे।

गोमती सभागार में किसान दिवस के दौरान समस्याएं सुनती एडीएम न्यायिक रोशनी यादव।

● शिकायतों को सुनने के बाद संबंधित अधिकारियों को किया निर्देशित

उत्कृष्ट प्रदर्शन पर एसडीएम ने किया पुरस्कृत

एसडीएम के साथ पुरस्कृत किए गए विद्यार्थी। ● अमृत विचार

संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में प्रतियोगिताएं आयोजित की गई थी। 31 अक्टूबर को जिला प्रशासन द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं में छात्र छात्राओं ने उत्साह के साथ प्रतिभाग किया था।

माध्यमिक शिक्षा के जिला नोडल अधिकारी इंतजार ख़ान की देखरेख में स्लोगन, भाषण, निबंध, क्विज प्रतियोगिता कराई गई। जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को बुधवार को एसडीएम सदर श्रद्धा सिंह ने मेडल पहनाकर पुरस्कृत किया। सम्मानित होने वालों में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की माहेनूर, ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज के नितिन वर्मा, आर्य कन्या इंटर कॉलेज की तान्या, नैना, रिया कश्यप, खुशी, एसएन इंटर कॉलेज के अलीना नाज, दिलकश शामिल रहे। इस मौके पर शिक्षिका गुंजन पांडेय भी मौजूद रहीं।

सड़क हादसे में बाइक सवार घायल

बरखेड़ा, अमृत विचार: थाना क्षेत्र के गांव पिपराखास निवासी मुकेश कुमार ने बताया कि बुधवार को वह पिता नन्हे लाल के साथ बाइक से रिश्तेदारी में गांव पतरासा कुंवरपुर में दावत में जा रहे थे। पिता पीछे बैठे थे। बरखेड़ा बीसलपुर मार्ग पर गांव भैसहा ग्वालपुर मोड़ के पास एक बाइक ने टक्कर मार दी। पुलिस मौके पर पहुंच गई। तभी बाइक छोड़कर वह भाग गया। घायल को सीएचसी में भर्ती कराया है।

बाबा के भजनों पर जमकर झूमे भक्त

खाटू श्याम के संकीर्तन में मौजूद श्रद्धालु। ● अमृत विचार

संवाददाता, घुंघचिहाई

अमृत विचार: दुग्धाधारी मंदिर पर खाटू श्याम परिवार द्वारा तृतीय महोत्सव एवं संकीर्तन उत्सव का आयोजन किया गया। दूर दराज से पहुंचे गायक एवं कलाकारों ने मनमोहक प्रस्तुतियां दीर।

बाबा का भव्य दरबार सजाया गया, जिसमें बाबा श्याम का अलौकिक श्रृंगार कर छप्पन भोग लगाया। अखंड ज्योति प्रज्वलित की गई। भक्त इत्र और पुष्प वर्षा करते रहे। वृंदावन से आए दीपू, विपिन, श्याम दीवाना, लखीमपुर खीरी से आए संकेत, पूरनपुर से कुनाल गुप्ता ने भजन गाए। बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और बाबा का गुणगान किया।

राज्य स्तरीय कार्यक्रम में ग्राम पंचायत पिपरिया अगरु पुरस्कृत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: पंचायती राज निदेशालय लखनऊ में बुधवार को हुए राज्य स्तरीय कार्यक्रम में कम्युनिटी सेनेट्री काम्प्लेक्स श्रेणी में पीलीभीत की ग्राम पंचायत पिपरिया अगरु को पुरस्कृत किया गया है। यह पुरस्कार पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर के हाथों पीलीभीत से गई छह सदस्यीय टीम को दिया गया।

विश्व शौचालय दिवस के उपलक्ष्य में लखनऊ के पंचायती राज निदेशालय में पंचायत राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर की अध्यक्षता में बुधवार को राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश भर से चयनित ग्राम पंचायतों, प्रधानों और जनपदों को स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान पर पुरस्कृत किया गया। साथ ही सामुदायिक शौचालयों के संचालन, व्यवहार परिवर्तन गतिविधियों और जन जागरूकता में बेहतर कार्य करने वाली पंचायतों की सराहना भी की गई।

कार्यक्रम में कम्युनिटी सेनेट्री कॉम्प्लेक्स श्रेणी में जनपद पीलीभीत की ग्राम पंचायत पिपरिया अगरु को पुरस्कृत किया गया। यह पुरस्कार पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर द्वारा जनपद की ओर से गई छह सदस्यीय टीम को सौंपा गया। टीम में एडीओ पंचायत हरीश भारती, स्वच्छ भारत मिशन की जिला समन्वयक नेहा सिंह, हेमेंद्र पाल, ब्लॉक समन्वयक अनुदित, क्षितिज और सोमपाल शामिल रहे। कार्यक्रम में प्रमुख सचिव अनिल कुमार सिंह, निदेशक पंचायती राज अमित कुमार सिंह भी मौजूद रहे। बता दें कि ग्राम पंचायत पिपरिया अगरु में वर्ष 2021-22 में चार यूनिट महिला सामुदायिक शौचालय का निर्माण कराया गया था।

ग्राम प्रधान भगवान दास, पंचायत सचिव राकेश शर्मा और केयरटेकर पुष्पा देवी ने सामुदायिक शौचालय की बेहतर देखभाल के साथ नियमित संचालन कराया। साथ ही यूजर चार्ज के माध्यम से अर्जित धनराशि को खाते में किया। इन्हीं सबके चलते यह शौचालय ओडीएफ स्थिरता रखने में मील का पत्थर साबित हुआ। डीपीआरओ रोहित भारती ने इस उपलब्धि पर ग्राम प्रधान समेत संबंधित कर्मचारियों को बधाई दी।

लखनऊ में पीलीभीत की टीम को सम्मानित करते मंत्री ओमप्रकाश राजभर। ● अमृत विचार

● लखनऊ में पंचायती राजमंत्री राजभर ने जिले की टीम को किया सम्मानित

डीएम ने गणना प्रपत्र भरने में आ रही जटिलताओं को सरलता से बताया

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: निर्वाचन आयोग के निर्देश पर जनपद में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) चलाया जा रहा हैं। इसके तहत जनपद की चारों विधानसभाओं में बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं को गणना प्रपत्रों का वितरण एवं गणना प्रपत्र वापस प्राप्त किए जाने का कार्य चल रहा है। बुधवार को जिला निर्वाचन अधिकारी/डीएम की अध्यक्षता में एसआईआर से संबंधित कार्यशाला संपन्न हुई। जिसमें जनपद में चल एसआईआर की जानकारी देने के साथ गणना प्रपत्र भरने में आ रही जटिलताओं को सरल तरीके से बताया गया।

गांधी सभागार में जिला निर्वाचन अधिकारी/डीएम ज्ञानेंद्र सिंह की अध्यक्षता में हुई कार्यशाला में उप जिला निर्वाचन अधिकारी/एडीएम वित्त प्रसून द्विवेदी ने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जनपद की चारों विधानसभाओं में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान बीते 04 नवंबर से चलाया जा रहा है। गणना प्रपत्रों को बीएलओ के माध्यम से डिजिटाईजेशन कराने के लिए जनपद में 1522 बीएलओ एवं 172 सुपरवाईजर तैनात किए गए है। इस कार्य के पर्यवेक्षण के लिए संबंधित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के एसडीएम/निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के अतिरिक्त 52 जनपदस्तरीय अधिकारियों को तैनात किया गया है। इन सभी को आयोग के निर्देशानुसार पूर्व में ही प्रशिक्षित किया गया था।

कार्यशाला में ऑनलाइन गणना प्रपत्रों को भरने एवं बीएलओ द्वारा किये जा रहे वितरण एवं गणना प्रपत्रों को भरे जाने के बाद फार्मों को डिजिटाइजेशन कार्य के बारे में जानकारी दी गई। बताया गया कि इस कार्य की जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी की ओर से रोजाना समीक्षा भी की जा रही है। बुधवार तक जनपद के कुल मतदाताओं 14,67,988 में से 14,67,703 गणना प्रपत्रों का वितरण हुआ है। जिसमें 97,528 मतदाताओं के गणना प्रपत्रों भरकर वापस प्राप्त भी हो चुके हैं। इन सभी को डिजिटाइजेशन किया जा चुका है। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने गणना प्रपत्रों को भरने में आ रही जटिलताओं को सरल तरीके से बताया गया।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण वर्ष 2003 की मतदाता सूची को आधार मानकर किया जा रहा है। इससे पहले जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष, सचिव समेत अन्य उपभोक्ताओं के साथ बैठक कर गणना प्रपत्रों की पूरी प्रक्रिया से अवगत कराया गया। इसके साथ ही व्यापार मंडल के पदाधिकारियों, नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के चेयरमैन, राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों के साथ बैठकों का आयोजन कर एसआईआर कार्य की जानकारी दी जा चुकी है।

● एसआईआर को लेकर गांधी सभागार में हुई कार्यशाला

गांधी सभागार में एसआईआर से संबंधित जानकारी देते डीएम ज्ञानेंद्र सिंह। ● अमृत विचार

अधिकारियों को पीपीटी के माध्यम से किया प्रशिक्षित

बीते मंगलवार सायं जिला निर्वाचन अधिकारी/डीएम ज्ञानेंद्र सिंह की अध्यक्षता में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण में पर्यवेक्षण के लिए तैनात किये गये जनपदस्तरीय अधिकारियों को पीपीटी के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया। बैठक में गणना प्रपत्रों के वितरण एवं गणना प्रपत्रों को भरे जाने के बाद मतदाताओं से उसे वापस लेकर उन्हें डिजिटाइज्ड किये जाने की प्रक्रिया के साथ हीं व्यक्तियों द्वारा ऑनलाइन गणना प्रपत्रों को भरे जाने की प्रक्रिया से भी अवगत कराया गया। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि ग्रामों एवं नगरीय क्षेत्र में इसका व्यापक प्रचार-प्रसार कराते हुये उक्त कार्य संपादित किया जाये। प्रशिक्षण के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी/एडीएम वित्त प्रसून द्विवेदी समेत सभी जिलास्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 98978382286

न्यूज ब्रीफ

बाइकों की टक्कर में घायल महिला की मौत

बरखेड़ा, अमृत विचार : तीन दिन पूर्व सड़क हादसे में घायल हुई महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद परिजन ने गमगीन माहौल में शव का अंतिम संस्कार कर दिया है। परिवार में चीखपुकार मची रही। थाना क्षेत्र के गांव करोड़ के रहने वाले भागीरथ उर्फ राजू ने बताया कि उनकी 45 वर्षीय चाची हीराकली पत्नी स्वर्गीय सुम्मेरलाल 16 नवंबर को भतीजे सूरजपाल के साथ बाइक से अपने मायके बरेली जनपद के गांव असमेलापुर से घर आ रही थी। पौटा-करोड़ मार्ग पर गांव के नजदीक पहुंचते ही दूसरी बाइक से टक्कर हो गई। गंभीर हालत में हीराकली को बरेली के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां से रेफर किए जाने पर परिजन उन्हें दूसरे अस्पताल जे जा रहे थे कि महिला की मौत हो गई। परिजन शव लेकर गांव आ गए। इसकी सूचना बरखेड़ा पुलिस को दी गई। जिसके बाद बरखेड़ा पुलिस ने मंगलवार को शव का पोस्टमार्टम कराया। अभी मामले में कोई तहरीर नहीं दी गई है।

दो गोमांस तस्कर और हुए गिरफ्तार

घुंघचिहाई, अमृत विचार : मुठभेड़ के बाद एक दिन पूर्व घुंघचिहाई थाना पुलिस ने गोमांस तस्कर को गिरफ्तार किया था। इसके बाद अन्य तस्करों पर भी शिकंजा कसा जा रहा है। इसी बीच पुलिस ने शेरपुरकलां गांव के नदीम पुत्र सलीम उर्फ बाबा और मोहल्ला कुरैशियान निवासी अकील मास्टर पुत्र इब्राहिम को सिमराया तिराहा से गिरफ्तार किया। दोनों आरोपियों से तमंचा और कारतूस बरामद हुए। इंस्पेक्टर प्रकाश सिंह ने बताया कि आरोपी नदीम और अकील दोनों पर गोकशी के पुराने मुदकमे हैं।

रंजिशन घर में घुसकर की मारपीट

बीसलपुर, अमृत विचार : कोतवाली में दी गई तहरीर में मोहल्ला ग्यासपुर निवासी खालिद ने बताया कि 17 नवंबर की शाम छह बजे उसका पड़ोसी अनीस, शमशुल और शकील पुरानी रंजिश के चलते गाली गलौज करते हुए घर में घुस आए। विरोध करने पर आरोपियों ने हमला कर पिटाई कर दी। इस दौरान बचाने पहुंची पत्नी नाजिया, उसकी जेठानी रिजवाना की भी पिटाई की गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मृत मिले तेंदुए का एक पंजा था गायब

शिकारी के फंदे में फंसकर घायल होने का अंदेशा, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण नहीं हुआ स्पष्ट

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : बरखेड़ा क्षेत्र के गांव में मृत मिले तेंदुए की मौत की वजह भले ही पोस्टमार्टम होने के बाद भी पता नहीं चल सकी, लेकिन तेंदुए के शरीर में मिले घाव और गायब पंजा कहीं न कहीं शिकार की घटना की ओर इशारा कर रहा है। माना जा रहा है कि तेंदुआ शिकारी द्वारा लगाए गए फंदे में फंसा होगा और खुद को फंदे से निकालने की जद्दोजहद में अपने पंजे को बुरी तरह जख्मी कर बैठा। हालांकि जिम्मेदार इस मामले में कुछ भी बोलने से कतरा रहे हैं। उनका कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में तेंदुए की मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व में बाघों समेत अन्य वन्यजीवों के साथ तेंदुओं की संख्या तेजी से बढ़ी। कहने को तो तेंदुए कहीं अधिक फुर्तीला वन्यजीव बताया जाता है, मगर बाघों के बादशाहत वाले जंगल में तेंदुआ अकसर वर्चस्व की जंग हारकर जंगल छोड़ आबादी की ओर रुख रहे हैं। वन्यजीव विशेषज्ञों की मानें तो

तालाब किनारे पड़ा तेंदुआ (फाइल फोटो) • अमृत विचार

- पिपराखास में तालाब किनारे मृत मिले तेंदुए का मामला

जंगल छोड़ने वाले अधिकांश तेंदुए जंगल और आबादी के बीच रहना पसंद करते हैं। मगर, इन सबके बीच बेघर हुए इन तेंदुओं की जान को खतरा तेजी से बढ़ता जा रहा है। बीते साल से अब तक के आंकड़ों पर नजर डाले तो अब तक चार तेंदुओं की मौत सड़क हादसों में हो चुकी है। वहीं पिछले करीब दो माह से तेंदुओं के फंदे में फंसने की घटनाओं में तेजी आई है। बीते 26 सितंबर को कलीनगर तहसील क्षेत्र में नगरिया कट के पास फंदे में फंसे तेंदुए को जैसे-तैसे रेस्क्यू किया गया था, मगर रात में ही तेंदुए की मौत हो गई। इस तेंदुए की मौत इंफेक्शन से होना बताया गया। बीते 01 नवंबर तो शहर से लदपुरा के पास से एक तेंदुआ रेस्क्यू किया गया। यह तेंदुआ भी शिकारियों द्वारा लगाए गए फंदे में फंसा पाया गया था। इधर एक दिन पूर्व बरखेड़ा क्षेत्र के गांव पिपरा खास में तालाब के किनारे एक बेसुध तेंदुआ मिला। ग्रामीणों की मानें तो तेंदुआ कुछ देर पहले छिपने के बजाए चकरोड पर डेरा डाले हुए था। ग्रामीणों द्वारा भगाने पर तालाब में जा घुसा, इसके बाद वहीं पड़ा रहा। ग्रामीणों की सूचना पर प्रभारी डीएफओ रमेश चौहान मौके पर पहुंचे थे। तेंदुआ रेस्क्यू किया जाता, मगर इससे पूर्व ही उसने दम तोड़ दिया। मृत तेंदुए का पोस्टमार्टम सामाजिक वानिकी प्रभाग मुख्यालय पर तीन पशु चिकित्सकों के पैनल द्वारा किया गया था।

> मृत मिले तेंदुए का पोस्टमार्टम उच्चाधिकारियों के निर्देश पर तीन सदस्यीय पशु चिकित्सकों के पैनल द्वारा किया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। बिसरा प्रिजर्व किया गया है।
> – रमेश चौहान, प्रभारी डीएफओ, सामाजिक वानिकी प्रभाग

जबड़े में फ्रैक्चर भी कर रहा इशारा

वन महकमा बेसुध तेंदुए को नहीं बचा सका और पोस्टमार्टम होने के बाद भी उसकी मौत की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। मगर, तेंदुए के शरीर पर मिले घाव व अन्य चोटों के निशान ने कई सवाल खड़े कर दिए। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में तेंदुए के गले से लेकर शरीर के कई हिस्से में पुराने गहरे घाव पाए गए। जबकि उसके शरीर के अंदरुनी हिस्से सुरक्षित पाए गए। मौत का कारण स्पष्ट न होने पर उसका बिसरा सुरक्षित किया गया। हालांकि पोस्टमार्टम करने वाले पैनल ने तेंदुए की मौत सेप्टीसीमिया से होने की आशंका जताई है। इन सबके बीच पोस्टमार्टम के दौरान तेंदुए का अगला पंजा बुरी तरह जख्मी पाया गया। जिससे उसके पंजे की हड्डियां तक साफ दिख रहीं थी। वहीं उसका जबड़ा भी फ्रैक्चर पाया गया। गायब पंजा और जबड़े में फ्रैक्चर कहीं न कहीं तेंदुए के शिकारियों द्वारा लगाए गए फंदे में फंसने और फिर उससे खुद को मुक्त करने की ओर इशारा कर रहे हैं। माना जा रहा है कि तेंदुआ फंदे में फंसा होगा और फिर फंदे से निकलने की जुगत में ही पंजा गंवा बैठा होगा। जबड़े में मिला फ्रैक्चर भी तेंदुए के साथ हुई शिकार की घटना से जोड़कर देखा जा रहा है। फिलहाल जिम्मेदार इस मामले में कुछ भी कहने से कतरा रहे हैं। उनका कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है।

पूरनपुर के सुपर ग्रिल हाउस पर एसआईबी की कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : पूरनपुर के चर्चित सुपर ग्रिल हाउस पर बुधवार देर शाम एसआईबी की टीम ने सर्च वारंट के आधार पर छापेमारी की। शुरुआती जांच में 25 लाख रुपये से अधिक की टैक्स चोरी, लोहे का अवैध भंडारण और फर्जी बिलों के सहारे किए गए कागजी कारोबार पकड़ा। कार्रवाई की भनक लगते ही नगर के व्यापारियों में खलबली मच गई।

पूरनपुर के एलआइसी तिराहा के पास स्थित सुपर ग्रिल हाउस (मुन्ना भाई) के खिलाफ व्यापार मंडल के ही एक सदस्य ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर अवैध स्टॉक और टैक्स चोरी की शिकायत की थी। इस पर बरेली डिप्टी कमिश्नर एसआईबी अनिरुद्ध सिंह के नेतृत्व में टीम ने दुकान और संबंधित गोदाम की गहन जांच की। टीम को मौके पर लोहे का भारी स्टॉक मिला, जबकि दुकानदार ने खरीद-बिक्री के बेहद कम अभिलेख पेश किए। बिल और स्टॉक का मिलान न होने पर करीब 25 लाख की टैक्स चोरी सामने आई है। अभी पड़ताल चल रही है।

अधिकारियों ने बताया कि 15 दिन के सर्च वारंट के तहत सभी अभिलेखों और स्टॉक की बारीकी से पड़ताल जारी रहेगी। जरूरत पड़ने पर दुकान सीज करने और प्राथमिकी दर्ज कराने की भी तैयारी है। उधर, छापेमारी की सूचना मिलते ही यूपी उद्योग व्यापार मंडल के प्रांतीय उपाध्यक्ष हंसराज गुलाटी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने बिना व्यापार मंडल को सूचित किए की गई कार्रवाई पर कड़ा विरोध जताया, जिससे वहां तनाव की स्थिति बन गई। देर रात तक एसआईबी की टीम दुकान और गोदाम में रिकार्ड खंगालती रही, जबकि व्यापारी वर्ग में इस कार्रवाई को लेकर खलबली बनी रही। प्रांतीय व्यापारी नेता हंसराज गुलाटी ने बताया कि छापामारी की जानकारी मिलने पर मौके पर गए थे। इस तरह से बिना सूचना रात में कार्रवाई को लेकर नाराजगी जताई गई। व्यापारी कोई चोर नहीं होता है। मैने रात में चेकिंग करने का विरोध किया।

काम रुकवाकर भूले जिम्मेदार, रातोंरात डलवा दिया लिंटर

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- खकरा-नकटादाना मार्ग पर एक बरात घर के पास का मामला
- सिटी मजिस्ट्रेट ने लिया संज्ञान जेई को तलब कर मांगी जानकारी

अमृत विचार: खकरा-नकटादाना मार्ग पर एक बरात घर के पास चल रहे निर्माण कार्य को जमीन की वास्तविकता का पता लगाने के लिए रुकवाया गया। जिम्मेदार अपनी पड़ताल पूरी नहीं कर सके थे। इधर, रुकवाए गए काम को रातोंरात गति दे दी गई। निर्माणाधीन स्थल पर लिंटर भी डलवा दिया गया। मामला संज्ञान में आने पर अब सिटी मजिस्ट्रेट सख्त हुए हैं। उन्होंने विनियमित क्षेत्र के जेई को तलब कर जानकारी मांगी है। वहीं, नक्शे को लेकर भी निर्णय लेने की तैयारी की जा रही है।

खकरा पुलिस चौकी से नकटादाना चौराहा की तरफ जाने वाले मार्ग पर एक बरात घर के पास भूमि पर निर्माण कार्य बीते दिनों शुरू कराया गया था। कुछ समय बाद ही आरोप लगा कि शत्रु संपत्ति को निजी संपत्ति के रुप में दर्ज कराकर अवैध तरीके से कब्जा किया जा रहा है। पूर्व में इस मामले में तत्कालीन एडीएम की ओर से जांच समिति का गठन किया गया। समिति ने जांच की थी और विनियमित क्षेत्र ने मामले को संदिग्ध मानते हुए भवन निर्माण के नक्शे को अस्थायी रुप से स्थगित कर दिया था। इसके बाद भी काम कराया जाने लगा तो गत दिनों दोबारा टीम भेजकर रुकवाया गया था।

बताते हैं कि तीन दिन पूर्व रातोंरात रुकवाए गए काम को दोबारा शुरू कराते हुए लिंटर भी डाल दिया गया। इसकी जिम्मेदारों को भनक तक नहीं लगी। बाद में मामला चर्चा में आया तो सिटी मजिस्ट्रेट ने संज्ञान लिया है। जेई को तलब कर जानकारी मांगी है।

खकरा-नकटादाना मार्ग पर स्थित निर्माणाधीन भवन। • अमृत विचार

> पूर्व में रुकवाए गए निर्माण कार्य के बावजूद लिंटर डालने की जानकारी मिली है। इसे लेकर विनियमित क्षेत्र के जेई को तलब किया गया है। जानकारी मांगी गई है। नक्शा निरस्त करने को लेकर भी मंथन चल रहा है।
> –विजय वर्धन तोमर, सिटी मजिस्ट्रेट

तो कुछ ने ले लिया बचाने का जिम्मा

इधर, कराए जा रहे निर्माण कार्य को लेकर प्रशासनिक स्तर पर खलबली मची हुई है। वहीं, एक चर्चा और जिम्मेदारों तक पहुंची है कि कुछ लोगों ने सब कुछ ओके कराने का जिम्मा भी ले लिया। कुछ सफेदपोशों के नाम भी चर्चा में हैं। इसके अलावा एक जिम्मेदार की भूमिका को लेकर भी चर्चाएं कुछ दिनों से तेज हो गई है। फिलहाल सिटी मजिस्ट्रेट के स्तर से सख्त एक्शन लेने की तैयारी की जा रही है।

करोड़ों की ठगी कर भागा आढ़ती

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- सुनगढ़ी थाने में रिपोर्ट दर्ज, पुलिस जुटा रही पीड़ितों से साक्ष्य

अमृत विचार: किसानों से ली गई फसल की कीमत चुकाए बिना करोड़ों की धोखाधड़ी कर परिवार समेत भागने वाले आढ़ती तक पुलिस नहीं पहुंच सकी है। एफआईआर दर्ज कर पुलिस साक्ष्य जुटाने में लगी हुई है, लेकिन एक माह बाद भी गुत्थी पूरी तरह से नहीं सुलझ सकी है। आढ़ती कितनी रकम लेकर फरार हुआ है, उसकी किसने मदद की, वहीं, ठगी गई रकम कितनी रही।

भारतीय किसान यूनियन टिकैत के पदाधिकारियों संग पहुंचे किसानों ने डीएम ज्ञानेंद्र सिंह से शिकायत की थी। जिसमें मंडी समिति पीलीभीत के आढ़ती प्रियांशु अग्रवाल पर करोड़ों की ठगी कर परिवार के साथ लकहीं भागने का मामला उजागर किया था। आरोपी ने किसानों से धान एवं गेहूं की खरीद की और उसकी रकम हड़प ली।

अधिक मुनाफे का लालच देकर किसानों को रोके रखा और फिर दिवाली से पहले परिवार समेत भाग गया था। इधर, मंडी सचिव प्रवीण कुमार अवस्थी ने मंडी सहायक जहीर अहमद से मिली आंख्या के आधार पर फर्म मैसर्स बालमुकुंद राममूर्ति लाल आढ़त का लाइसेंस निलंबित कर दिया था।

खाद्यान्न आढ़ती कल्याण समिति ने भी इस कृत्य की निंदा की थी। ये भी बताया गया था कि अन्य आढ़तियों का भी करीब 75 लाख आरोपी हड़प कर भागा है। इधर, सुनगढ़ी थाने में शाहजहांपुर जनपद के थाना निगोही क्षेत्र के ग्राम संडा खास के रहने वाले किसान संदीप कुमार पुत्र अनिल कुमार की ओर से सुनगढ़ी थाने में बालमुकुंद राममूर्ति आढ़त के प्रोपराइटर प्रियांशु अग्रवाल पुत्र सुरेंद्र कुमार अग्रवाल और उसके मुनीम अरुण कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। इसमें भी पीड़ित किसान ने किसानों से करीब आठ करोड़ से अधिक रकम की धोखाधड़ी की आशंका जताई थी। मामला करोड़ों की ठगी से जुड़ा तो चर्चा का विषय बन गया। बताते हैं कि आरोपी का एक रिश्तेदार पूर्व में इसी तरह से ठगी कर भागा था। एफआईआर दर्ज हुए भी कई दिन बीत चुके हैं, लेकिन भी तक आढ़ती का पता नहीं चल सका है। इस पूरे खेल में कई पहलुओं से पर्दा नहीं उठ सका है।

> इस मामले की विवेचना कराई जा रही है। जिन-जिन लोगों से ठगी हुई है, उनसे साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। आरोपी मुनीम से भी पूछताछ की जाएगी। गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई चल रही है।
> –नरेश त्यागी, इंस्पेक्टर सुनगढ़ी।

रेस्क्यू तेंदुए को पीटीआर में मिलेगी पनाह

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : सीतापुर में 22 दिन से आंतक का पर्याय बने तेंदुआ को बुधवार सुबह रेस्क्यू कर लिया गया। शासन ने रेस्क्यू किए गए तेंदुआ को पीलीभीत टाइगर रिजर्व में छोड़ने के निर्देश दिए हैं। ऐसे में पीलीभीत टाइगर रिजर्व में तेंदुओं के कुनबे में एक और तेंदुआ की बढ़ोत्तरी होने जा रही है। टाइगर रिजर्व प्रशासन ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है।

सीतापुर के मिश्रिख वन रेंज के अंतर्गत गोंदलामऊ ब्लाक के गांवों एक तेंदुआ पिछले 22 दिनों से देखा जा रहा था। बताते हैं कि तेंदुआ की चहलकदमी के चलते संबंधित ब्लाक के 30 गांवों में दहशत फैली हुई थी। तेंदुआ को पकड़ने के लिए वन अफसरों के निर्देश पर ब्लॉक क्षेत्र के गांव रामपुर खेवटा में बीते 06 नवंबर को पिंजड़ा भी लगाया गया था। वन महकमे की टीमें भी लगातार निगरानी में जुटी रहीं। मगर, तेंदुआ लगातार चकमा देता रहा। खेतों में तेंदुआ के चहलकदमी करते कई वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुए। बताते हैं कि मंगलवार देर शाम पिंजड़े में तेंदुआ को शिकार का प्रलोभन देने के लिए बकरी बांधी गई थी। इधर बुधवार सुबह निगरानी टीम ने आतंक का पर्याय बने तेंदुआ को पिंजड़े में कैद देखा। इधर तेंदुआ को पकड़े जाने की जानकारी शासन को दी गई। इस पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्यजीव ने रेस्क्यू किए गए तेंदुआ को पीलीभीत टाइगर रिजर्व में छोड़ने के निर्देश दिए हैं। टाइगर रिजर्व प्रशासन को इसकी सूचना भी प्राप्त हो चुकी है।

सीतापुर में रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान पिंजड़े में कैद तेंदुआ। • अमृत विचार

- पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ ने वन अफसरों को दिए निर्देश

> सीतापुर जिले में एक तेंदुआ को रेस्क्यू किया गया है। उच्चाधिकारियों की ओर से तेंदुआ को पीलीभीत टाइगर रिजर्व में रिलीज किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। तेंदुआ के आने पर उसे सुरक्षित स्थान पर छोड़ा जाएगा।
> – मनीष सिंह, डिप्टी डायरेक्टर, पीलीभीत टाइगर रिजर्व

गुड टच और बैड टच के बीच अंतर बताया

पीलीभीत, अमृत विचार: स्प्रिंगडेल कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज में मिशन शक्ति अभियान के तहत गुड टच बैड टच जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। निदेशिका सरोज जगोता ने शुरुआत कराई। कहा कि गुड टच एक प्रकार का शारीरिक सम्पर्क है जो किसी को सुरक्षित व सहज महसूस कराता है और बैड टच किसी को डरा हुआ असहज महसूस कराता है। परिवार बात करने में संकोच करते हैं। जिससे बच्चे लिंग शोषण के शिकार होते हैं। समाज के विकसित होने के साथ ही मनुष्य में आपराधिक भावना भी बढ़ रही है। आज 10 में से एक बच्चा लिंग शोषण का शिकार हो रहा है, इसलिए शिक्षक का अभिभावक के रूप में फर्ज है कि बच्चों को ऐसे किसी तरह के शोषण का शिकार होने से बचाएं। इस मौके पर संगीता गंगवार, अंग्रेज कौर, सोनिया सिंगला, कुसुम लता, कविशा कनौजिया, महक तब्बसुम, अतीबा आरिफ, नैना सक्सेना मौजूद रहे।

मस्टरोल में महिला श्रमिकों की हाजिरी, फोटो से नदारद

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- मनरेगा लोकपाल द्वारा जांच आख्या मंगाने पर भेज दी गोलमोल रिपोर्ट

अमृत विचार : जनपद में संचालित मनरेगा में हाजिरी से जुड़े फर्जीवाड़ों की फेहरिस्त लंबी होती जा रही है। लेकिन, जिम्मेदार सब कुछ जानते हुए अंजान बने बैठे हैं। अब मनरेगा में फर्जीवाड़े का नया मामला पूरनपुर ब्लाक की ग्राम पंचायत सिद्ध नगर का सामने आया है। मामला संज्ञान में आने पर लोकपाल मनरेगा ने रिपोर्ट तलब की, लेकिन उन्हें गोलमोल रिपोर्ट थमा दी गई। जांच में फर्जी हाजिरी का मामला सही पाए जाने पर लोकपाल मनरेगा ने 23306 रुपये की धनराशि की रिकवरी प्रधान, सचिव और तकनीकी सहायक से करने की संस्तुति की है। इतना ही नहीं मनरेगा कार्यों में उल्लंघन पर कार्यक्रम अधिकारी समेत पांच पर एक-एक हजार रुपये जुर्माना और दोषी रोजगार सेवक के विरुद्ध विधिक कार्रवाई करने की भी संस्तुति की है।

जनपद में संचालित की जा रही मनरेगा योजना में बीते कुछ माह से लगातार फर्जीवाड़े से जुड़े मामले प्रकाश में आ रहे हैं। कुछ दिन पूर्व पूरनपुर ब्लॉक की ग्राम पंचायत सेहरामऊ उत्तरी में फर्जी हाजिरी मामले में लोकपाल मनरेगा की ओर से कार्रवाई की जा चुकी है। इधर, अब पूरनपुर ब्लॉक के ग्राम पंचायत सिद्धनगर से जुड़ा मामला सामने आया है। लोकपाल मनरेगा जीएल वर्मा को शिकायत मिली कि ग्राम पंचायत सिद्धनगर में बीते 11-12 मई को मनरेगा के तहत हुए पुलिया निर्माण कार्य में फर्जी हाजिरी लगाकर धनराशि हड़पी गई है। इस पर उन्होंने जारी मस्टरोल 1977, 1978, 1981, 1982, 1985, 1986 एवं 1987 का परीक्षण किया। परीक्षण के दौरान एक मस्टरोल के श्रमिक अन्य मस्टरोलों में भी पाए गए। वहीं कुछ मस्टरोल में नियोजित महिलाएं श्रमिक हैं, मगर एनएमएमएस पोर्टल पर उनके फोटो नहीं मिले। इस पर उन्होंने तत्कालीन कार्यक्रम अधिकारी-बीडीओ पूरनपुर को संबंधित अनियमितता की जांच कर सात कार्य दिवसों में आख्या उपलब्ध कराने को निर्देशित किया।

कार्यक्रम अधिकारी के अनुसार उक्त प्रकरण की जांच एडीओ पंचायत अजय देवल को सौंपी गई। लोकपाल मनरेगा के मुताबिक जांचकर्ता उक्त प्रकरण की जांच देरी से की गई। साथ ही जांच में फर्जी एनएमएमएस से संबंधित कोई तथ्य नहीं दर्शाया गया, जबकि एनएमएमएस से संबंधित सभी मस्टरोल की प्रतियों को विकासखंड भेजा गया था। जांचकर्ता ने गोलमोल जांच रिपोर्ट तैयार कर भेज दी। रिपोर्ट में कहा कि पुलिया बनी हुई है और मनरेगा में कोई गलत कार्य नहीं हुआ।

मनरेगा कर्मी अपना पक्ष रखने नहीं पहुंचे

इस पर लोकपाल मनरेगा ने जांच आख्या को भ्रांतिमान मानते हुए ब्लॉक एवं पंचायत स्तर के सभी मनरेगा कर्मियों और जांचकर्ता को बीते 1 नवंबर को कार्यालय पर उपस्थित होकर अपना-अपना पक्ष रखने को कहा। इसके बावजूद भी कोई भी मनरेगा कर्मी अपना पक्ष रखने नहीं पहुंचा। इस पर लोकपाल मनरेगा ने मनरेगा कर्मियों द्वारा उक्त प्रकरण में कुछ न कहना मानते हुए निस्तारण किया गया। उन्होंने प्रकरण में मनरेगा कार्यो की दुरुपयोगित धनराशि 23306 रुपए को ग्राम प्रधान, पंचायत सचिव तथा तकनीकी सहायक से समानुपातिक रुप से रिकवरी करने की संस्तुति की। इसके साथ ही उन्होंने मनरेगा अधिनियम की धारा 25 के तहत मनरेगा कार्यो के उल्लंघन पर तत्कालीन कार्यक्रम अधिकारी सीरीश वर्मा, प्रधान, सचिव, तकनीकी सहायक और रोजगार सेवक पर एक-एक हजार रुपये जुर्माना भी डाला है। लोकपाल मनरेगा जीएल वर्मा ने बताया कि उक्त प्रकरण में ही जिलाधिकारी से दोषी रोजगार सेवक के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की भी संस्तुति की गई है।

गोरखपुर-पीलीभीत एक्सप्रेस का इज्जतनगर तक होगा विस्तार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: जिले के व्यापारी समेत अन्य नागरिकों को पीलीभीत से बरेली तक आवागमन में और सुगमता मिलेगी। केंद्रीय राज्यमंत्री एवं पीलीभीत सांसद जितिन प्रसाद ने स्थानीय लोगों की मांग का संज्ञान लेकर प्रयास किए और अब राहत भरी खबर सामने आई है। गोरखपुर से चलकर पीलीभीत पूरनपुर तक आने वाली गोरखपुर पीलीभीत एक्सप्रेस का विस्तार अब इज्जतनगर रेलवे स्टेशन तक किया गया है। रेल मंत्रालय द्वारा इसे स्वीकृत कर दिया गया है।

स्थानीय लोगों के द्वारा लंबे समय से पूरनपुर /पीलीभीत से बरेली तक सफर के लिए अतिरिक्त ट्रेनों की मांग की जा रही थी। इसे लेकर कई बार संसदीय क्षेत्र के दौरे पर आए केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद से ज्ञापन देकर मांग रखी गई। समस्या को गंभीरता से लेते हुए केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने रेलमंत्री से गोरखपुर से पीलीभीत के बीच चल रही गोरखपुर -पीलीभीतएक्सप्रेस के विस्तारीकरण की स्वीकृति प्रदान करने को आग्रह किया था। इसे लेकर लगातार प्रयास किए जाते रहे।

बताते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशन में रेल मंत्रालय ने 19 नवंबर को गोरखपुर -पीलीभीत एक्सप्रेस के इज्जतनगर रेलवे स्टेशन तक विस्तारीकरण की स्वीकृति प्रदान की है। केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने इस फैसले को लेकर प्रधानमंत्री, रेल मंत्री का आभार जताया है। कहा कि इसके अलावा अभी अन्य ट्रेनों के संचालन के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं।

कॉलेज प्रबंधन ने शुरू की विद्यार्थियों की जांच

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- एटीएस को भेजी सूची, संदिग्ध गतिविधियों पर भी नजर

अमृत विचार : दिल्ली ब्लास्ट मामले की पड़ताल जब पीलीभीत तक पहुंची, तो जांच एजेंसियों की नजरें जिले के मेडिकल कॉलेज में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं पर भी टिक गई हैं। संदिग्ध गतिविधियों की हर कड़ी को टटोलने के लिए कॉलेज प्रबंधन से लेकर खुफिया एजेंसियां भी सक्रिय हैं। एटीएस ने कॉलेज से छात्रों की विस्तृत सूची मांगी है, जबकि प्रबंधन भी अपने स्तर पर सभी विभागों और हॉस्टलों में सतर्कता बढ़ाकर गहन जांच शुरू कर दी है। खास तौर पर जम्मू-कश्मीर के मूल निवासी या वहां अध्ययन कर चुके छात्र-छात्राओं की पृष्ठभूमि की जांच चल रही है। हालांकि जिम्मेदार स्पष्ट रुप से बोलने को तैयार नहीं है कि उनके कॉलेज में कितने छात्र-छात्राएं जम्मू-कश्मीर के रहने वाले या वहां पढ़ाई कर चुके हैं।

बता दें कि 10 नवंबर को दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास व्यस्ततम इलाके में कार धमाके में तमाम सुरक्षा एजेंसियां पड़ताल में जुटी हुई है। दिल्ली, हरियाण के बाद उत्तर प्रदेश में भी टीमें तेजी से छानबीन करते हुए पीलीभीत तक पहुंच गई। तीन दिन पहले एटीएस ने मेडिकल कॉलेज, आयुर्वेदिक कॉलेज और मदरसों की सूची तलब की थी। सूची मिलने के बाद एटीएस और अन्य सुरक्षा एंजेसियां गोपनीय ढंग से जांच कर रही है। इधर, मेडिकल कॉलेज ने भी सूची मुहैया कराने के बाद कॉलेज में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं की स्वयं भी जांच पड़ताल शुरु कर दी है। कॉलेज प्रबंधन उन छात्र-छात्राओं का रिकॉर्ड खंगाल रहा है। जोकि जम्मू कश्मीर के रहने वाले है या फिर वहां रहकर पूर्व में पढ़ाई कर चुके हैं। कई छात्र-छात्राएं ऐसे भी शामिल है। जोकि जम्मू कश्मीर में रहते थे, लेकिन बाद में दिल्ली में आकर पढ़ाई करने लगे। अब वह अन्य कॉलेज में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं। इसलिए कॉलेज प्रबंधन अपने कॉलेज में ऐसे छात्र-छात्राओं को चिन्हित करने में जुटा हुआ है। हालांकि कॉलेज प्रबंधन यह बताने को तैयार नहीं है कि उनके जम्मू कश्मीर के कितने छात्र-छात्राएं रहकर पढ़ाई कर रहे हैं। उनका तर्क है कि वह जांच कर रहे हैं। जांच में तस्वीर साफ होने के बाद ही कुछ कह सकते हैं। फिलहाल जांच शुरु होने के बाद एकेडमिक ब्लॉक में खलबली मची रही। उप प्रधानाचार्य डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि कॉलेज स्तर पर जांच चल रही है। छात्र-छात्राओं को रिकॉर्ड चेक किया जा रहा है। जांच में जो सामने आएगा, उसके आधार पर आगे निर्णय लिया जाएगा।

बिना अनुमति सागौन के पेड़ काटे, रिपोर्ट

बीसलपुर, अमृत विचार: ग्रामीण द्वारा खेत पर लगाए गए सागौन के पेड़ वन विभाग की अनुमति के बिना काटने के मामले में कार्रवाई की गई है। कोतवाली में दी तहरीर में वनरक्षक वसीम ने बताया कि 17 नवंबर की सुबह साढ़े आठ बजे सूचना मिली कि गांव करनपुर लायकराम में सागौन के वृक्ष काटे गए हैं। इसके बाद तत्काल हमराह इंद्रजीत को साथ लेकर वह घटनास्थल पर पहुंचे और जांच की। इस दौरान 24 पेड़ सागौन के अवैध रूप से काटे जाने की बात सामने आई। जानकारी करने पर सामने आया कि बिना अनुमति के पेड़ कटान राम प्रताप ने खुद कराया है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

लक्ष्मीबाई और इंदिरा गांधी की जयंती मनाई

कार्यक्रम में मौजूद विद्यार्थी। • अमृत विचार

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचार: राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बुधवार को मिशन शक्ति अभियान फेज 5.0 के तहत वीरांगना लक्ष्मीबाई और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती मनाई गई। नोडल अधिकारी डॉ. चन्द्रप्रभा गंगवार, सह नोडल अधिकारी डॉ. पूर्णिमा भारद्वाज के निर्देशन में विचार गोष्ठी हुई। जिसमें निशा मौर्या ,स्वाति गंगवार, खुशी मौर्या ,सिद्धार्थ ,महीप गंगवार व अन्य छात्र-छात्राओं ने रानी लक्ष्मीबाई के शौर्य ,पराक्रम व उनके बलिदान को बताया। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के राजनीतिक दूरदर्शिता, जन्म व कार्यों पर अपने विचार व्यक्त किए।

जिले में आज

- सत्यानारायण मंदिर में जरुरतमंदों को भोजन वितरण दोपहर 12 बजे से।
- बीसलपुर समेत कई स्थानों पर विशेष गहन पुनरीक्षण के संबंध में शिविर सुबह 10 बजे से।
- यातायात माह नवंबर के तहत शहर में जागरूकता कार्यक्रम सुबह 10 बजे से।
- भारतीय योग संस्थान की ओर से अशोक कॉलोनी ग्राउंड पर योग शिविर सुबह 5.30 बजे।

न्यूज ब्रीफ

पिटाई से घायल युवक की मौत, रिपोर्ट दर्ज

बरखेड़ा, अमृत विचार : पिटाई से घायल युवक की मौत के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है। ग्राम पचपेड़ा पुख्ता निवासी गोकरनलाल पुत्र बेनीराम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 16 नवंबर की रात नौ बजे उनका 32 वर्षीय पुत्र बादशाह घर की तरफ आ रहा था। इस बीच गांव के रामप्रसाद और उसके पुत्र जितेंद्र ने हमला कर पिटाई कर दी। घायल बादशाह की 18 नवंबर को इलाज के दौरान बरेली के अस्पताल में मौत हो गई। बरेली पुलिस ने ही पोस्टमार्टम कराया। इंस्पेक्टर प्रमेंद्र कुमार ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। विवेचना कराई जा रही है।

ट्रांसफार्मर से तेल चोरी, एफआईआर

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना जहानाबाद क्षेत्र के ग्राम ऐमी निवासी लहरी सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसके खेत में ट्यूबवेल का कनेक्शन है। जिसका ट्रांसफार्मर उसके खेत में ही लगा हुआ है। 15 नवंबर को रात में अज्ञात युवकों द्वारा ट्रांसफार्मर से तेल चोरी कर लिया गया। तेल चोरी होने की वजह से ट्रांसफार्मर फुंक भी गया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

बीच बचाव करने गई वृद्धा को पीटा

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना जहानाबाद क्षेत्र के ग्राम रामनगर निवासी खेमकरण पुत्र बाबूराम ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 16 नवंबर को गांव के ही गंगाराम और उसके भाई धर्मेंद्र कुमार के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो रही थी। तभी उसकी 75 वर्षीय मां रमपा देवी बीच बचाव कराने गई। तो उक्त दोनों ने गाली गलौज करते हुए मां को पीट दिया। जब परिवार के लोग बचाने पहुंचे तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सपा नेता के निधन पर जताया शोक

बीसलपुर, अमृत विचार : समाजवादी पार्टी के नेता ग्राम मुड़िया हुलास के रहने वाले ओमप्रकाश मिश्रा का निधन हो गया। बताते हैं कि वह मुलायम सिंह यादव के समय से पार्टी से जुड़े रहे और कई आंदोलन में जेल भी गए। बूथ से लेकर जिले स्तर तक कई पदों पर रहे। उनके निधन पर सपा नेता हरिपाल सिंह लोधी, राम प्रताप गंगवार, विनोद दिवाकर, शैलेश शर्मा एडवोकेट, विवेक गंगवार, लाजपत गंगवार, ओमपाल गंगवार, जगदीश कुमार वर्मा, मीनाक्षी गंगवार, गुलजारी लाल वर्मा, आदि ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

बाल विज्ञान प्रदर्शनी में बच्चों ने पेश किए मॉडल

कक्षा छह से 12 तक के विद्यार्थियों और शिक्षक संवर्ग ने सात प्रमुख विषयों पर बनाए मॉडल

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- जनपद स्तर पर चयनित प्रतिभागी जाएंगे मंडल स्तर पर, निर्णायकों ने दी प्रतिभा को सराहना

बाल विज्ञान प्रदर्शनी के विजेता छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक। • अमृत विचार

अमृत विचार : ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज में बुधवार को जनपद स्तरीय 53वीं बाल विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसका मुख्य विषय विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत रहा। प्रतियोगिता में कक्षा छह से 12 तक के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम संयोजक ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज के उपप्रधानाचार्य लोकेश कुमार, जिला विज्ञान क्लब पीलीभीत के समन्वयक चंद्रपाल गंगवार ने नियमों के बारे में विस्तार से बताया। प्रदर्शनी में कुल सात विषयों चिरस्थायी कृषि, कचरा प्रबंधन, हरित ऊर्जा, उभरती हुई प्रौद्योगिकी, मनोरंजक गणितीय मॉडलिंग, स्वास्थ्य और स्वच्छता, जल संरक्षण एवं प्रबंधन आदि मॉडल प्रदर्शित किए गए। चिरस्थायी कृषि विषय में जूनियर संवर्ग (स्थिर) में कक्षा नौ की प्रतिभा वर्मा, सीनियर संवर्ग में कक्षा 12 की शिवानी वर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि कक्षा 11 के अर्थ तिवारी द्वितीय स्थान पर रहे। कचरा प्रबंधन और प्लास्टिक के विकल्प विषय में सीनियर वर्ग में कक्षा 11 के आकाश प्रथम, हरित ऊर्जा जूनियर (स्थिर) में कक्षा 10 की आराध्या गुप्ता प्रथम स्थान और कक्षा नौ के हमदान अशरफ ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

जूनियर क्रियाशील में कक्षा 10 के मोहम्मद सोहिब प्रथम, पीयूष वर्मा द्वितीय रहे। उभरती हुई प्रौद्योगिकी विषय में सीनियर वर्ग में अमित कुमार प्रथम, जूनियर (स्थिर) में संदीप प्रथम रहे। जबकि शिवानी गंगवार ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। जूनियर (क्रियाशील) में कक्षा आठ के मौलिक जांगिड़ ने प्रथम और निशांत शर्मा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। मनोरंजक गणितीय मॉडलिंग विषय में जूनियर स्थिर में शरद वर्मा प्रथम, जूनियर क्रियाशील में आयुष प्रथम और सोनम ने द्वितीय रहीं। स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विषय सीनियर क्रियाशील वर्ग में लक्ष्मी देवी प्रथम और जूनियर स्थिर में अंशिका गंगवार प्रथम व सृष्टि गंगवार द्वितीय रहीं। जल संरक्षण एवं प्रबंधन विषय में सीनियर क्रियाशील वर्ग में कनक राठौड़ प्रथम, जूनियर स्थिर में भूमिका प्रथम स्थान, जूनियर क्रियाशील में रिमझिम प्रथम और अनुभव सिंह द्वितीय रहे।

निर्णायक मंडल मं सर्वेश कुमार गंगवार, सुमनलता राठौर, डॉ.धर्मेन्द्र सिंह, शिवम मिश्रा, महेंद्र चौधरी, लक्ष्मीकांत शर्मा और कुलदीप कुमार रहे। जिला स्तर पर प्रथम, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र छात्राएं मंडल स्तर पर प्रतिभाग करेंगे।

इन शिक्षकों ने भी मारी बाजी

अध्यापक संवर्ग में चिरस्थायी कृषि विषय में शालिनी श्रीवास्तव, कचरा प्रबंधन विषय में कुलदीप कुमार, हरित ऊर्जा विषय में लक्ष्मी राठौर, उभरती हुई प्रौद्योगिकियों में शिवम मिश्रा, मनोरंजक गणितीय मॉडलिंग में राज कुमार, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता में अनुज कुमार शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

वन्यजीव संरक्षण पर दिया जोर पारिस्थितिकी महत्व बताया

कार्यक्रम में प्रतिभाग करती छात्राएं। • अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: राम लुभाई साहनी राजकीय महिला डिग्री कॉलेज में जंतु विज्ञान विभाग की विभागीय परिषद आयोजित की गई। प्राचार्य डॉ. फ़ज़लुर रहमान मुख्य संरक्षक के रूप में उपस्थित रहे।

विभागीय गतिविधियों, छात्र-कल्याण और स्थानीय जैव विविधता से संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। पीलीभीत टाइगर रिज़र्व और वन्यजीव पर आधारित जागरुकता सत्र हुआ। जिसमें विद्यार्थियों को बाघ, तेंदुआ, दलदल हिरण, सांभर, जंगली बिल्ली, कछुए, मोर और स्थानीय पक्षियों के संरक्षण और पारिस्थितिकी महत्व के बारे में बताया गया।

विभागीय परिषद के पदाधिकारियों का चयन किया गया, जिसमें संजना अध्यक्ष बनाई गई। क्विज प्रतियोगिता में इलमा प्रथम, मानसी द्वितीय और काजल तीसरे स्थान पर रही। निर्णायक मंडल में लवी, मनोज कुमार रहे। इससे पूर्व वनस्पति विज्ञान विभाग की क्विज़ प्रतियोगिता कराई गई, जिसमें रिया गंगवार प्रथम, रेशम द्वितीय और पाखी तीसरे स्थान पर रही। संचालन डॉ. बरखा ने किया।

शान ओ शौकत से मनाया गया उर्स

अमरिया, अमृत विचार: क्षेत्र गांव धुंधरी में दरगाह मकसूदुल औलिया खानकाह हसनी मकसूदी जहांगीरी के सज्जादानशीन हजरत ख्वाजा सूफ़ी शाक़िर हुसैन मियां की सरफरस्ती में हजरत ख्वाजा सूफ़ी मकसूद हसन शाह रहमतुल्लाह अलैह का 12 वां सालाना उर्स शान ओ शौकत के साथ मनाया गया। चादरपोशी कीर गई और महफिले शमा का प्रोग्राम किया गया। दूर दराज से पहुंचे शायरों ने अपने कलाम पेश किए। बुधवार को कुल शरीफ हुआ। दरगाह मकसूदुल औलिया के सज्जादानशीन हजरत सूफ़ी शाक़िर हुसैन मियां ने कौम एवं मुल्क की खुशहाली के लिए दुआ फरमाई। इस मौके पर अजमल मियां निजामी, हज़रत असद मियां, अजीमुद्दीन आदि मौजूद रहे।

मुल्क की तरक्की की दुआ करते मौलाना।

जम्बूरी 2025 के लिए रवाना हुए स्काउट गाइड

स्काउट गाइड को रवाना कराने पहुंचे सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर।

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: भारत स्काउट और गाइड उत्तर की पीलीभीत टीम 19वीं राष्ट्रीय डायमंड जुबली जम्बूरी 2025 के लिए बुधवार को रवाना हुई। 23 से 25 नवंबर तक जम्बूरी डिफेंस मैदान वृंदावन सेक्टर पंद्रह लखनऊ में आयोजित हो रही है, जिसमें देशभर से करीब 40 हजार स्काउट गाइड, अन्य देशों से 10 हजार स्काउट गाइड प्रतिभाग करेंगे। इस कार्यक्रम की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और समापन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा किया जाएगा।

पीलीभीत से कुल 185 स्काउट गाइड प्रतिभाग कर रहे हैं। जिला मुख्यायुक्त/सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर ने बुधवार को रेलवे-स्टेशन पर पहुंचकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। उनको हरी झंडी दिखाकर रवाना कराया। इस मौके पर जिला संगठन आयुक्त स्काउट अभिषेक पांडे,जिला संगठन आयुक्त गाइड शालिनी पांडे,जिला प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट सचिन सक्सेना,जिला स्काउट मास्टर बेसिक वीर सिंह,गाइड कैप्टन परिणीता सिन्हा, आईटी कोऑर्डिनेटर अभिषेक प्रजापति आदि मौजूद थे।

वक्फ संपत्तियों का विवरण अपलोड करने के निर्देश

पीलीभीत,अमृत विचार : अब वक्फ संपत्तियों का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। शासन ने इसको लेकर सभी मौजूदा वक्फ संपत्तियों का विवरण उम्मीद केंद्रीय पोर्टल पर पांच दिसंबर तक ऑनलाइन करने के निर्देश दिए हैं। यह प्रक्रिया त्रिस्तरीय होगी। पहले में निर्माता, जांचकर्ता और अनुमोदक के आधार पर प्रक्रिया सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। जिला स्तर पर संबंधित मुतवल्ली अपनी वक्फ संपत्तियों का विवरण पोर्टल पर फीड करेंगे। उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड लखनऊ ने शहजाद-उल-हक और उत्तर प्रदेश शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड लखनऊ ने जौहर अब्बास को जनपद पीलीभीत का नोडल कोऑर्डिनेटर नामित किया है, जो इस प्रक्रिया में सहयोग करेंगे। वहीं वक्फ बोर्ड लखनऊ के कार्यपालक अधिकारी जांच अधिकारी और सहायक सचिव अनुमोदक के रूप में कार्य करेंगे।

एसआईआर जन जागरुकता कैंप लगाया

संवाददाता, पीलीभीत

शिविर में मौजूद चेयरमैन शैलेंद्र गुप्ता व अन्य। • अमृत विचार

अमृत विचारः पूरनपुर के मोहल्ला कायस्थान स्थित लक्ष्मी राइस मिल परिसर में बुधवार को वार्ड नंबर दो, छह और नौ का सामूहिक एसआईआर जन-जागरुकता अभियान कैंप आयोजित किया गया।

सुबह से ही मतदाताओं की भीड़ उमड़ी और उपस्थित बीएलओ से संपर्क कर अपने वोटों का अपडेट कराया। इसके साथ ही लोगों ने नए वोट बनवाने व पुराने वोट हटवाने से संबंधित जानकारी भी प्राप्त की।

कार्यक्रम में एसडीएम पूरनपुर अजीत प्रताप सिंह, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद पूरनपुर शैलेन्द्र गुप्ता, भाजपा नगर अध्यक्ष हर्ष प्रधान, धीरज प्रधान एडवोकेट, अनुराग गुप्ता, नितिन सक्सेना एडवोकेट, सभासद सौरभ सक्सेना रासू, विकास गुप्ता, सूरज बाथम, दिनेश अज़ाद, अनुज सक्सेना, विवेक तिवारी आदि मौजूद रहे। बीएलओ राहुल जायसवाल, रेखा गुप्ता, सरस्वती देवी ने मतदाताओं को आवश्यक प्रक्रियाओं की जानकारी दी।

एसआईआर को लेकर शिविर की शुरुआत

बीसलपुर, अमृत विचार : नगर के बारह पत्थर चौराहे के नजदीक एसआरएम इंटर कॉलेज परिसर में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत सात दिवसीय शिविर लगाया गया है। इसकी शुरुआत एसडीएम नागेंद्र पांडेय ने एक मतदाता का प्रपत्र भरवाकर कराई। वीएलओ को निर्देशित किया गया कि इस कार्य को गंभीरतापूर्वक समय से पूर्ण किया जाए। एसडीएम ने बताया कि वीएलओ से प्राप्त प्रपत्रों को किस तरह से भरकर जमा करना है। इसकी विस्तार से जानकारी दी। साथ ही उन्होंने कैंप में मौजूद वीएलओ को प्रपत्रों ऑनलाइन आवेदन करने को कहा। स्पष्ट किया कि यह फॉर्म प्रत्येक मतदाता को भरना आवश्यक है। ऐसे में समय रहते फॉर्म को भरकर सहयोग करें। नगर के कई वार्डों के मतदाता फार्म प्राप्त करने के बाद अपने फॉर्म भरते हुए नजर आए। इसके बाद एसडीएम ने बिलसंडा में चल रहे शिविर का जायजा लिया।

वन हेल्थ विषय पर प्रश्नोत्तरी आयोजित

पीलीभीत, अमृत विचारः स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के सामुदायिक चिकित्सा विभाग की ओर से बुधवार को इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन (आईएपीएसएम) और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की संयुक्त पहल के अंतर्गत वन हेल्थ विषय पर प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई। इसका उद्देश्य चिकित्सा विद्यार्थियों में वन हेल्थ दृष्टिकोण यानी मानव, पशु और पर्यावरणीय स्वास्थ्य के परस्पर संबंध की समग्र समझ विकसित करना रहा।

एमबीबीएस छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। दस दलों ने हिस्सा लिया। प्रत्येक दल में तीन तीन छात्र छात्राएं शामिल रहे। प्रतिभागियों ने जनस्वास्थ्य, पशु–जनित रोगों, पर्यावरणीय प्रभाव, वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य और वन हेल्थ अवधारणा से संबंधित प्रश्नों का उत्साहपूर्वक उत्तर दिया।

कार्यक्रम में डॉ. अरुण सिंह, डॉ. हुमा ख़ान, डॉ. पूजा सिदवानी, डॉ. मनीषा आदि मौजूद रहे। संकाय सदस्यों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और प्रदर्शन की सराहना की। प्राचार्य डॉ. संगीता अनेजा ने कहा कि वन हेल्थ आधुनिक स्वास्थ्य व्यवस्था का अत्यंत महत्वपूर्ण अंग है।

1500 बच्चों को मिलेगा मुफ्त प्रवेश

कार्यालय संवाददाता,पीलीभीत

- आरटीई के तहत ई-लाटरी से चार चरणों में किया जाएगा चयन

अमृत विचार : आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को अब महंगे निजी विद्यालयों में भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पाने का सुनहरा अवसर मिलने जा रहा है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत जिले के 560 से अधिक प्राइवेट स्कूलों में करीब 1500 बच्चों को कक्षा एक में मुफ्त प्रवेश दिया जाएगा। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए पूरी प्रक्रिया चार चरणों में ई-लॉटरी के माध्यम से सम्पन्न होगी, जबकि प्रवेश मिलने पर कक्षा आठ तक की शिक्षा का पूरा खर्च सरकार वहन करेगी।

आरटीई के तहत निजी स्कूलों में कुल संख्या के सापेक्ष 25 फीसदी सीटों पर गरीब वर्ग के बच्चों का प्रवेश होना है। नए शैक्षिक सत्र में एक बार फिर से निजी स्कूलों में निर्बल आय वाले परिवारों के बच्चों को एडमिशन दिलाने का दावा किया जा रहा है। एक दिसंबर से आरटीई के तहत आवेदन मांगे जाएंगे। यह प्रक्रिया चार चरणों में कराई जानी है। ऐसे में जिले के 560 प्राइवेट स्कूलों में कुल लगभग 1500 सीटों पर बच्चों का प्रवेश प्रस्तावित है।

आरटीई में चयनित विद्यार्थियों को कक्षा एक से आठ तक की पूरी शिक्षा मुफ्त मिलेगी। इसके साथ ही ड्रेस, स्टेशनेरी, किताबें, जूते-मोजे और यातायात का शुल्क भी सरकार की ओर से सीधे अभिभावकों के लिंक्ड बैंक खाते में भेजा जाएगा। योजना का लाभ केवल उन्हीं बच्चों को मिलेगा जिनके अभिभावकों की वार्षिक आय एक लाख रुपये तक है। जिला समन्वयक सचिन चौधरी ने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया को पारदर्शी बनाए रखने के लिए चार चरणों की ई-लॉटरी प्रणाली लागू की गई है।

ई-लॉटरी बीएसए कार्यालय में उच्च अधिकारियों की निगरानी में आयोजित की जाएगी और चयनित बच्चों की सूची विभागीय पोर्टल पर जारी होगी। विभागीय पोर्टल के माध्यम से आवेदन की ऑनलाइन निगरानी होगी। दस्तावेजों में फर्जीवाड़ा रोकने के लिए इस बार अतिरिक्त दस्तावेज सत्यापन जोड़ा गया है। अभिभावकों से अपील की गई है कि आवेदन से पूर्व सभी दस्तावेज समय से तैयार रखें, ताकि प्रक्रिया के दौरान किसी दिक्कत का सामना न करना पड़े। इस प्रक्रिया में पहले आवेदन का सत्यापन कराया जाएगा। इसके बाद बच्चों के प्रवेश के लिए गैर सहायता मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों के आवंटन की सूची व लॉटरी निकलेगी।

आवेदन के लिए आवश्यक दस्तावेज

1–बच्चे व अभिभावकों का आधार कार्ड, 2–निवास प्रमाणपत्र, 3–बैंक खाता (आधार और मोबाइल नंबर से लिंक), 4–वार्षिक आय प्रमाणपत्र (अधिकतम 1 लाख रुपये), आवश्यकतानुसार जाति प्रमाणपत्र व दिव्यांगता प्रमाणपत्र।

लिपिक ने नौकरी लगवाने के नाम पर ढाई लाख ठगे

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- एसपी के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने दर्ज की रिपोर्ट

अमृत विचार : आयुर्वेदिक कॉलेज के लिपिक पर नौकरी लगवाने का झांसा देकर ढाई लाख रुपये की ठगी करने का आरोप लगा है। लिपिक पद पर ही नौकरी लगवाने की बात कहकर ठगी की गई। एसपी के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला बागगुलशेर खां निवासी रविंद्र सिंह यादव पुत्र लक्ष्मण प्रसाद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसके भाई वीरेंद्र यादव से कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला डालचंद निवासी संदीप मौर्य पुत्र प्रभु दयाल की दोस्ती थी। संदीप का उसके घर पर आना-जाना था। सितंबर 2024 में संदीप ने उसके भाई की नौकरी आयुर्वेदिक कॉलेज में लिपिक के पद पर लगवाने का झांसा दिया। इसके लिए ढाई लाख रुपये मांगे। आरोपी पर विश्वास करके एक अक्टूबर 2024 को 80 हजार रुपये नगद और 90 हजार रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर किए। इसके बाद दो अक्टूबर, 16 अक्टूबर, 22 अक्टूबर, चार नवंबर और 21 नवंबर को कुल 70 हजार रुपये और भेजे। इसी तरह कुल ढाई लाख रुपये भेज दिए गए लेकिन काफी समय बीतने के बाद भी नौकरी नहीं लगी। इस पर उसने आरोपी से रुपये वापस मांगे। पहले तो आरोपी ने टालमटोल की। इसके बाद रुपये वापस मांगने पर जान से मारने की धमकी दी गई। उनका कहना है कि आरोपी संदीप मौर्य भी आयुर्वेदिक कॉलेज में लिपिक पद पर नौकरी करता है। कोतवाली पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY
Rohilkhand Medical College Campus, Pilibhit Bypass Road,
Bareilly-243006 (UP) India, Phone : 0581-2526051, 053, 153
Email : registrar@biu.edu.in, Website : www.biu.edu.in
For any query contact : 9520876189, 9105500202, 9105500404

Applications are invited from Indian/NRI/Foreign National Students for Admission to Ph.D. Programmes January 2026 session in the following disciplines

- Faculty of Medical Sciences (All Clinical and Non-Clinical Specialities)
- Faculty of Nursing M.Sc. (N) with 3 years teaching or clinical experience
- Faculty of Dental Sciences (All Specilities)
- Humanities and Journalism English
- Faculty of Pharmacy
- Faculty of Management
- Faculty of Allied Health Sciences (Faculty of Paramedical Sciences) (Ph.D. in Medical Laboratory Technology/Physiotherapy)

Application Fee
- For Indian Candidate Rs. 2000/-
- NRI/Foreign National Candidate Rs. 5000/- or $60 USD

Last Date of Receiving Application : 30th November, 2025

Application Submission Address : To, The Registrar, Administrative Block, Bareilly International University, Bareilly-243006 (U.P.) India
For more details and application form & application fee,
visit univerisity website : www.biu.edu.in
(https://biu.edu.in/reseach/Latest-Application-form-for-PHD-programme.pdf)

देवहा पुल पर मरम्मत का कार्य शुरू

बीसलपुर, अमृत विचारः बरेली मार्ग पर देवहा पुल पर बुधवार को मरम्मत कार्य शुरू हो गया। कुछ देर बाद ड्रिल मशीन में कमी आने पर रुकावट आ गई। बीसलपुर से बरेली जाने वाले मार्ग पर स्थित देवहा नदी के पुल के एक्सपेंशन जॉइंट खराब हो जाने के कारण पुल पर मरम्मत का कार्य कराया जाना था। पहले ये मंगलवार को शुरू होना था लेकिन कैलाश नदी के पुल का कार्य पूर्ण न होने पर नहीं हो सका। बुधवार से देवहा नदी पुल पर कार्य शुरू हो गया। कुछ ही देर बाद ड्रिल मशीन में दिक्कत आ गई। बताते हैं कि वाहनों का आवागमन के लिए रूट डायवर्जन किया जाना था। मगर बुधवार को आधे हिस्से से वाहन गुजारे जाते रहे।

सरप्लस शिक्षक होंगे समायोजित, लगेगी ड्यूटी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- मानक से अधिक शिक्षक वाले स्कूलों से हटाकर एकल व शिक्षक विहीन स्कूलों में होगी तैनाती

बेसिक शिक्षाधिकारी कार्यालय का भवन।

अमृत विचार : जिले के परिषदीय विद्यालयों में लंबे समय से लंबित शिक्षक वितरण की व्यवस्था में बड़ा बदलाव शुरु किया है। जिन स्कूलों में मानक से अधिक शिक्षकों की तैनाती है, वहां से स्टाफ हटाकर अब उन विद्यालयों में भेजा जाएगा, जहां वर्षो से एकल शिक्षक या शिक्षकविहीन स्थिति बनी हुई है। डीएम की अध्यक्षता में गठित समिति इस पूरी समायोजन प्रक्रिया को पूरा कराएगी। जबकि अंतिम सूची मानव संपदा पोर्टल पर अपलोड होते ही जिले में शिक्षक व्यवस्था संतुलित होने की उम्मीद जताई जा रही है।

शिक्षा निदेशक बेसिक प्रताप सिंह बघेल का पत्र आते ही शिक्षा विभाग तैयारियो में जुट गया है। जिले में कुल 1508 प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक और कंपोजिट विद्यालय संचालित हैं। इसमें साढ़े तीन हजार से अधिक शिक्षक-शिक्षिकाओं की तैनाती है। जिले के कई स्कूल ऐसे हैं जहां बच्चों की संख्या कम है, लेकिन हकीकत में शिक्षकों की संख्या अधिक है। आलम यह है कि 50 बच्चों पर तीन से चार शिक्षक कार्यरत हैं। जबकि कई स्कूलों में एक शिक्षक के सहारे ही 100 से अधिक बच्चों की पढ़ाई का जिम्मा उठा रहे हैं।

कई साल से ऐसे विद्यालयों में जमे शिक्षक और शिक्षिकाओं को अब एकल और कम शिक्षक वाले विद्यालयों में भेजा जाएगा। शासन स्तर से शिक्षकों के समायोजन की नीति जारी कर दी गई है। इस समिति में डीएम अध्यक्ष होंगे, जबकि सीडीओ, डायट प्राचार्य, बीएसए सदस्य रहेंगे। समायोजन नीति में स्पष्ट कहा गया है कि यू-डायस पोर्टल पर उपलब्ध छात्र संख्या के आधार पर मानक से अधिक अध्यापक संख्या वाले विद्यालय एवं शिक्षक विहीन एवं एकल शिक्षक वाले विद्यालय को चिह्नित कर भेजा जाए। शिक्षकों की पदोन्नति, अन्यत्र स्थानांतरण एवं अकस्मात मृत्यु के कारण विद्यालय शिक्षक विहीन और एकल शिक्षक होने की स्थिति में जनपदीय समिति द्वारा नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

समायोजन के बाद शिक्षक-शिक्षिकाओं का विवरण मानव संपदा पोर्टल पर अपलोड किया जाए। एकल विद्यालयों में उस सीमा तक भेजा जाएगा। ताकि हर विद्यालय में अध्यापकों की संख्या कम से कम दो रह सके। अंतर जनपदीय तबादला प्रक्रिया खुलने के बाद शिक्षक तैयारियों में जुट गए हैं। प्रभारी बीएसए धरवेश सिंह ने बताया कि निदेशक का पत्र आया है। उसके तहत समायोजन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

कटिया विवाद में घर का दरवाजा तोड़कर हमला

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : शहर में सेठ घाट रोड स्थित विश्वनाथ कॉलोनी निवासी रुद्र सिंह ने बताया कि कटिया डालने को लेकर उसके पड़ोसियों बृजकिशोर, उनके पुत्र शुभम रस्तोगी, शिवम रस्तोगी, रामजी व उनके पुत्र किशन, रिलेक, पप्पू और उनके पुत्र सोनू और मोनू से रंजिश चल रही थी। मौका पाकर आरोपियों ने उसके घर के जीने की तरफ का दरवाजा तोड़ दिया और अंदर घुसकर लाठी-डंडों से बुरी तरह मारपीट की। हमले में उसके सिर की हड्डी पर गंभीर चोटें आईं, जिससे वह अचेत हो गया। घटना के बाद पीड़ित का मेडिकल परीक्षण कराया गया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच एसआई संतोष कुमार शुक्ल को सौंपी है।

बाइक चोरी करते युवक पकड़ा, पुलिस को सौंपा

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : कोतवाली सदर क्षेत्र के शिवालापुरवा निवासी सलाउद्दीन ने बताया कि घटना मंगलवार की है। उसकी बाइक बाइक मैला मैदान स्थित दुकान के पास खड़ी थी। शाम के समय जब उसने नजर दौड़ाई तो बाइक वहां मौजूद नहीं थी। संदेह होने पर वह दौड़कर आगे बढ़ा तो देखा कि एक अज्ञात व्यक्ति उसकी बाइक चोरी करके ले जा रहा था। उसने मौके पर ही उसे पकड़ लिया और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया। शहर कोतवाल राजेश कुमार सिंह ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी मोहल्ला प्यारेपुर का रहने वाला ज्ञानू है। पीड़ित की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

जहर खाने से किशोरी की मौत

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : कोतवाली चंदन चौकी क्षेत्र के गांव बेलापरसुआ निवासी शत्रोहन की 17 वर्षीय बेटी रितिका ने मंगलवार की दोपहर अज्ञात कारणों के चलते जहर खा लिया। घटना की जानकारी होने पर परिजन रितिका को इलाज के जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां देर रात किशोरी की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। किशोरी की मौत से उसके परिवार में चीख पुकार मची हुई है।

यूट्रस ऑपरेशन के बाद महिला की मौत, हंगामा

अस्पताल प्रबंधन और डॉक्टर पर लगाए गंभीर आरोप, हंगामे के दौरान सड़क पर लगा भारी जाम

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः शहर के सलेमपुर कोन स्थित चंद्रानी हॉस्पिटल में यूट्रस के ऑपरेशन के बाद एक महिला की हालत बिगड़ गई। उसे लखनऊ के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां मंगलवार शाम उसकी मौत हो गई। इससे नाराज परिवार वाले बुधवार को चंद्रानी हॉस्पिटल पहुंचे और अस्पताल के बाहर जमकर हंगामा किया। अस्पताल प्रबंधन और डॉक्टरों पर गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना था कि ऑपरेशन के बाद डॉक्टर ने आंतों को सिल कर पेट में रख दिया था। इससे मरीज की हालत अधिक बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई। पुलिस ने किसी तरह से परिवार वालों को समझा बुझाकर शांत कराया।

अस्पताल के बाहर हंगामा करते परिजन। ● अमृत विचार

सदर कोतवाली के गांव कोरैया धारा निवासी शिवपूजन ने 12 अक्टूबर को अपनी पत्नी पिंकी देवी (40) को नौरंगाबाद रोड पर चंद्रानी हॉस्पिटल में भर्ती कराया था, जहां उनके यूट्रस का ऑपरेशन किया गया था। परिवार वालों का कहना है कि अस्पताल से छुट्टी होने के बाद पिंकी देवी की हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। उन्होंने खाना-पीना त्याग दिया और रक्तस्राव होता रहा। वह कुछ बोल नहीं पा रही थी। इस पर वह लोग मरीज को लेकर दोबारा अस्पताल आए, लेकिन डॉक्टरों ने सही बात नहीं बताई और उसे लखनऊ रेफर कर दिया।

लखनऊ में डॉक्टर ने दोबारा ऑपरेशन किया। परिजनों के मुताबिक डॉक्टरों ने बताया कि पहली सर्जरी के दौरान मरीज की आंतों में भी टांके लगा दिए गए और उसे पेट में रख दिया गया है। इससे उसकी किडनी, फेफड़े समेत सभी अंगों में संक्रमण हुआ है। यह सुनकर परिवार वालों के होश उड़ गए। परिजनों ने बताया कि लखनऊ में इलाज के दौरान शाम करीब सात बजे पिंकी देवी ने दम तोड़ दिया। बुधवार की सुबह परिजनों के साथ तमाम रिश्तेदार भी हॉस्पिटल पहुंचे और अस्पताल प्रबंधन व डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा करने लगे। परिजनों का कहना है कि गलत उपचार और समय से देखभाल न करने के कारण ऑपरेशन के बाद से ही पिंकी देवी की हालत बिगड़ गई थी। जब उन्होंने बिगड़ती हालत के बारे में डॉक्टरों को बताया तो डॉक्टरों ने कोई ध्यान नहीं दिया और न ही कोई सही बात बताई।

पिंकी देवी की मौत से आक्रोशित परिजन अस्पताल प्रबंधन और डॉक्टरों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए वही धरने पर बैठ गए। इससे अस्पताल प्रबंधन और डॉक्टरों में हड़कंप मच गया। तमाम लोगों की भीड़ एकत्र हो जाने से स्थिति बेहद तनावपूर्ण हो गई। सूचना मिलने पर कोतवाली सदर पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन परिजन अस्पताल प्रबंधन और डॉक्टरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर निष्पक्ष जांच की मांग पर अड़ गए। पुलिस ने परिजनों को आशस्वत किया कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जाएगी। पुलिस ने परिजनों को समझा बुझाकर किसी तरह से शांत कराया। इस संबंध में जब अस्पताल प्रबंधन से बात करने की कोशिश की गई तो अस्पताल प्रबंधन में अपने पक्ष सामने रखने से साफ मना कर दिया।

> हंगामे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर गई थी। परिजनों को समझा-बुझाकर शांत करा दिया था। दोनों पक्ष आपस में ही समझौता वार्ता कर रहे थे, लेकिन अभी तक कोई तहरीर पुलिस को प्राप्त नहीं हुई है।
>
> **-राजेश कुमार सिंह** शहर कोतवाल।

> लगाए जा रहे आरोप निराधार हैं। मेरे हॉस्पिटल में सभी मरीजों का उचित इलाज किया जाता है।
>
> **-डॉ. धीरेंद्र वर्मा**, चंद्रानी हॉस्पिटल।

वाहन की टक्कर से साइकिल सवार की मौत

संवाददाता, फरधान

- **स्कूल में पत्थर घिसाई का काम करने जा रहा था साइकिल सवार**

अमृत विचारः लखीमपुर-गोला नेशनल हाईवे पर बुधवार सुबह एक अज्ञात वाहन की टक्कर से साइकिल सवार अधेड़ गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे एंबुलेंस से जिला अस्पताल ओयल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

सदर कोतवाली के गांव उदयपुर महेवा निवासी राम अवतार (50) पत्थर घिसाई का काम करते थे। रोज की तरह बुधवार सुबह साइकिल से आधारपुर स्थित निर्माणाधीन स्कूल में काम पर आ रहे थे। जब वे हाईवे पर स्कूल के समीप सड़क पार कर रहे थे। तभी तेज रफ्तार से आ रहे किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। टक्कर लगते ही राम अवतार गंभीर रूप से सड़क पर घायल होकर गिर पड़े। राहगीरों ने तत्काल 108 एंबुलेंस बुलाकर उन्हें जिला अस्पताल ओयल भेजवाया, जहां डॉक्टरों ने उपचार के दौरान उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना फरधान पुलिस ने मृतक के भाई राम खिलावन को दी।

परिवार के लोग अस्पताल पहुंचे तो वहां पहले ही राम अवतार की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी निरीक्षक दयाशंकर द्विवेदी ने बताया कि परिजनों की ओर से अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर प्राप्त होने पर रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दुधवा में सबका दुलार पा रही नन्हीं हथिनी भवानी

संवाददाता, पलियाकलां

अमृत विचार : दुधवा टाइगर रिज़र्व की दक्षिण सोनारीपुर रेंज इन दिनों एक विशेष मेहमान की वजह से लगातार सुर्खियों में है। करीब दो वर्ष की हो चुकी मादा करिशावक भवानी न सिर्फ वनकर्मियों, बल्कि सैलानियों के लिए भी आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनी हुई है। सुबह से शाम तक उसकी मासूम अदाओं को कैमरों में कैद करने की होड़ लगी रहती है, जबकि वन विभाग के कर्मचारी उसे अपने परिवार के सदस्य की तरह स्नेह दे रहे हैं।

करीब दो वर्ष पहले उत्तराखंड के नजीबाबाद जंगल में हाथियों के झुंड के बीच महज 12 दिन की उम्र में अपनी मां से अलग हो गई भवानी। अकेली, डरी-सहमी और बेहद कमजोर हालत में इसे बचाव दल द्वारा रेस्क्यू कर दुधवा लाया गया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दुधवा प्रवास के दौरान इसका नाम भवानी रखा और तभी से यह यहां के हाथी परिवार का हिस्सा बन गई है।

दुधवा में नन्हीं हथिनी भवानी को दुलारते रेंज ऑफिसर सुरेंद्र कुमार। ● अमृत विचार

दुलार करने से तेजी से सीखते हैं हाथियों के बच्चे

वन्यजीव विशेषज्ञों का कहना है कि हाथियों के बच्चे भावनात्मक रूप से बेहद संवेदनशील होते हैं। यदि उन्हें प्यार, सुरक्षा और नियमित देखभाल मिले तो वे न केवल सामाजिक व्यवहार, बल्कि निर्देशों को भी तेजी से सीखने लगते हैं। भवानी का उत्साही और मिलनसार व्यवहार इसी स्नेह का परिणाम माना जा रहा है।

दक्षिण सोनारीपुर रेंज में मौजूद अनुभवी महावतों की टीम दिन-रात इसकी देखभाल में जुटी रहती है। दूध, खली, गुड़, चने, फल और हरी वनस्पति सबकुछ तय समय पर मिलता है। महावतों का कहना है कि शुरुआत में भवानी बिल्कुल असहज थी, लेकिन धीरे-धीरे उसने मानव संपर्क को अपनाया। अब वह आवाज़ देकर बुलाने पर दौड़कर आ जाती है और अपनी सूंड़ उठाकर अभिवादन भी करती है।

वरिष्ठ महावत रमेश कुमार बताते हैं, भवानी बहुत चंचल है, लेकिन उतनी ही समझदार भी। उसे दूसरे हाथियों के बच्चों के साथ खेलने दिया जाता है ताकि उसका सामाजिक व्यवहार स्वाभाविक रूप से विकसित हो सके।

रेंज ऑफिसर ने लिया स्वास्थ्य और व्यवहार का जायजा

बुधवार को रेंज ऑफिसर सुरेंद्र कुमार ने भवानी की देखभाल, स्वास्थ्य और दिनचर्या का निरीक्षण किया। जैसे ही उन्होंने भवानी को प्यार से थपथपाया, वह खुशी से सूंड़ उठाकर उनके गले से लगने लगी। इसके बाद वह पूरी प्रसन्नता में दौड़ती-भागती रही और वहां मौजूद सभी को अपनी चपल हरकतों से अभिभूत कर गई। रेंज अधिकारी ने बताया कि भवानी का स्वास्थ्य पूरी तरह सामान्य है। उसकी नियमित जांच होती है और आवश्यक टीकाकरण भी समय पर किया जाता है। वे बताते हैं, हम भवानी को भविष्य में पेट्रोलिंग और संरक्षण कार्यों के लिए प्रशिक्षित करेंगे। फिलहाल उसका बचपन उसे भरपूर खेलकूद और सीखने का मौका दे रहा है।

बाघ के लिए लगाया पिंजरा, फंसा तेंदुआ

संवाददाता, संपूर्णानगर

अमृत विचारः वृंदावन कॉलोनी क्षेत्र में बाघ को पकड़ने के लिए लगाए गए पिंजरे में मंगलवार की रात एक तेंदुआ कैद हो गया। वन विभाग की टीम ने तेंदुए को सुरक्षित ट्रॉली में लादकर वन रेंज कार्यालय पहुंचाया, जहां से उसे उच्चाधिकारियों के निर्देश पर कतर्नियाघाट जंगल में छोड़ दिया गया।

कुछ दिनों पहले वृंदावन कॉलोनी में गन्ने के खेत में घुसे बाघ ने एक बुजुर्ग पर हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया था। घटना के बाद से क्षेत्र में लगातार बाघ और तेंदुए की सक्रियता बनी हुई है। इसी खतरे को देखते हुए वन विभाग ने घटना स्थल के पास गन्ने के खेतों में पिंजरा लगाया था। साथ ही ट्रैप कैमरे भी लगाए गए थे। उसमें शिकार के लिए बकरी बांधी गई थी।

मंगलवार की देर रात शिकार की तलाश में तेंदुआ पिंजरे तक पहुंच गया और उसमें कैद हो गया। तेंदुए के पकड़े जाने की सूचना मिलते ही वन अफसर और कर्मचारी मौके पर पहुंचे। तमाम ग्रामीणों की मदद से ट्रॉली में लादकर सुरक्षित उसे वन कार्यालय लाया गया, जहां पशु चिकित्सकों ने उसके स्वास्थ्य का परीक्षण किया, जिसमें वह पूरी तरह से स्वस्थ्य मिला। इस पर अफसरों के निर्देश पर तेंदुए को कतर्नियाघाट जंगल में ले जाकर छोड़ा गया है। वन क्षेत्राधिकारी ललित कुमार ने बताया कि पिंजरे में तेंदुआ कैद हुआ है। उच्चाधिकारियों के निर्देश पर उसे कतर्नियाघाट जंगल में छोड़ दिया गया है। बाघ की तलाश और निगरानी जारी है।

पिंजड़े में कैद तेंदुआ।

- **वन विभाग ने तेंदुए को कतर्नियाघाट जंगल में छोड़ा**

बार-बार फिसलता रहा बाघ

संपूर्णानगर क्षेत्र में एक वर्ष से कई बार बाघ और तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरे लगाए जा चुके हैं, पर वन विभाग को सफलता नहीं मिली। दो बार बाघ को ट्रैंक्यूलाइज करने की अनुमति भी मिली, लेकिन हर बार बाघ मौके से निकल भागा और प्रयास विफल रहे। मंगलवार की रात पहली बार पिंजरे में तेंदुआ कैद होने से विभाग को सफलता मिली, हालांकि पिंजरा बाघ के लिए लगाया गया था, लेकिन वह पास नहीं आया।

अभी भी खेतों में घूम रहा है बाघ

स्थानीय लोगों के अनुसार बाघ अब भी खेतों और जंगल के बीच आवागमन कर रहा है। वह लगातार अपनी जगह बदल रहा है। कभी कभी जंगल में तो कभी आस-पास के गन्ने के खेतों में दिखाई दे जाता है। इससे ग्रामीणों में दहशत बनी हुई है और बाघ देखे जाने की सूचनाएं अब भी लगातार मिल रही हैं।

रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल

ROHILKHAND MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL RMC BAREILLY Excellence towards profession

पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

विशाल चिकित्सा शिविर

हड्डी रोग विभाग | स्त्री रोग विभाग | बाल रोग विभाग

शल्य रोग (सर्जरी) विभाग | मेडिसिन विभाग | चेस्ट एवं टी.बी विभाग

नेत्र रोग विभाग | मानसिक रोग विभाग | चर्म रोग विभाग | नाक, कान, गला रोग विभाग

यह सुविधा 10 नवम्बर 2025 से 20 नवम्बर 2025 तक

समस्त रोगों के इलाज की उच्च स्तरीय सुविधाएं

रजिस्ट्रेशन शुल्क मात्र 20/- रूपये

डॉक्टर द्वारा परमार्श मुफ्त

भर्ती एवं पलंग मुफ्त

भर्ती मरीजों का एक्स-रे मुफ्त

भर्ती मरीजों की सामान्य जाँचें मुफ्त

डिलीवरी मुफ्त

भर्ती मरीजों का ब्रेन एमआरआई 1500/- में स्पाईन एमआरआई 2000/- में

भर्ती मरीजों का अल्ट्रासाउण्ड मुफ्त

भर्ती मरीजों का सी.टी. 20% की छूट पर एवं ईको 500/- में

भर्ती मरीजों की दवाईयाँ भारी छूट पर

रोहिलखण्ड हॉस्पिटल में इम्पैनल्ड संस्थायें

इम्पैनल्मेंट संस्थाओं के नाम (कैशलेस-इलाज)

1. आयुष्मान भारत योजना
2. राष्ट्रीय अन्धता नियंत्रण कार्यक्रम (NBCP)
3. हौसला साझेदारी (परिवार नियोजन)
4 - सी.ए.आई.आई. (CARI)
5. एक्स-सर्विसमैन कंट्रीब्यूटरी हेल्थ स्कीम (ESIC)
6. आई.वी.आर.आई. (IVRI)
7. कर्मचारी राज्य बीमा कारपोरेशन (ESIC)
8. बी.एस.एन.एल.
9. प्रधान मंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान
10. सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स (CAPF)
11. सेंट्रल गर्वमेन्ट हेल्थ स्कीम

इम्पैनल्मेंट टी.पी.ए. कंपनी (कैशलेस-इलाज)

1. एचडीएफसी एर्गो
2. एरिकसन इंश्योरेंस प्राइवेट लिमिटेड
3. सेफवे इंश्योरेंस टी.पी.ए. प्राइवेट लिमिटेड
4. रिलायंस हेल्थ इंश्योरेंस
5. आदित्य बिरला ग्रुप जनरल इंश्योरेंस कंपनी मिमिटेड
6. जेनिन्स इंश्योरेन्स कंपनी लिमिटेड
9. युनिवर्सल सोम्पो जनरल इन्श्योरेन्स
10. एसबीआई इन्योरेन्स
11. आईसीआईसीआई लोम्बार्ड
12. रिलायन्स जनरल इन्योरेन्स कं. लि.

*इनवेजस रेडियोलॉजी की जाँचें छोड़ कर *T&C Apply

हैल्पलाइन नं. : 9520876140, 8534088093, 9520876145

इमरजेंसी भर्ती की सुविधा 24 घंटे उपलब्ध अनुभवी डाक्टरों की देख-रेख में

एन.ए.बी.एच.* 'राष्ट्रीय स्तर' द्वारा प्रमाणित संस्था *एंट्री लेवल

24 तक पुराना भुगतान न होने पर किया जाएगा सत्याग्रह

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

- **पिछले पेराई सत्र का गन्ना भुगतान कराने के लिए राकिशसं ने दिया एसडीएम को ज्ञापन**
- **दर्ज मुकदमों में किसानों के नोटेरियल शपथ पत्रों पर बयान दर्ज कर लगे चार्जशीट**

अमृत विचारः राष्ट्रीय किसान शक्ति संगठन ने डीएम के नाम एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी को ज्ञापन देकर पिछले पेराई सत्र का गन्ना भुगतान 24 नवंबर तक कराने और 25 नवंबर से नये सत्र का गन्ना भुगतान 14 दिनों के अंतर्गत करने की मांग की है। ऐसा न होने पर विराट सत्याग्रह की चेतावनी दी है।

एसडीएम को सौंपे ज्ञापन में लिखा गया है कि बजाज ग्रुप की गोला गोकर्णनाथ, खंभारखेड़ा और पलिया कलां चीनी मिलें खरीदे गन्ने का भुगतान सालों साल तक न देकर किसानों को झूठा आश्वासन देती रही हैं। किसानों को बच्चों की पढ़ाई, शादी, बीमारी, खेती में बैंक से लिए गए ऋण का कर्जदार बना दिया गया है। संगठन ने नवीन पेराई सत्र शुरू होने से पहले पुराना भुगतान करने नवीन सत्र के गन्ने का भुगतान 14 दिन में दिए जाने की मांग लेकर प्रमुख सचिव गन्ना एवं चीनी विकास वीना कुमारी मीणा और गन्ना आयुक्त को अनेकों बार ज्ञापन दिए किंतु बजाज ग्रुप की चीनी मिलों ने भुगतान नहीं किया।

गोला में एसडीएम को ज्ञापन देते राकिशसं के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

उन्होंने मांग की है कि जिले के गोला गोकर्णनाथ, खंभारखेड़ा, पलिया कला में चीनी मिलों के अधिकारियों के विरुद्ध दर्ज कराए गए मुकदमे में संगठन से संबंधित गन्ना किसानों द्वारा पुलिस अधीक्षक को दिए गए नोटेरियल शपथ पत्रों को केस डायरी में बयान दर्ज कर तत्काल गिरफ्तारी कर चार्जशीट दाखिल की जाए और पिछले पेराई सत्र का संपूर्ण बकाया भुगतान 24 नवंबर तक किसानों के बैंक खातों में भेजा जाए और इस सत्र का गन्ना भुगतान 14 दिन में करवाया जाए।

ज्ञापन में गन्ना समिति के सचिव बलवंत चैधरी द्वारा समिति के डेलीगेट अनिल कुमार निवासी नौगवां, डेलीगेट राधेश्याम वर्मा निवासी बिजौरिया, डेलीगेट राजेश कुमार वर्मा निवासी मूड़ा अर्जुन तथा कुछ किसानों के भुगतान से संबंधित प्रार्थना पत्र सचिव बलवंत चैधरी द्वारा न लेकर उन्हें फेंककर अभद्र व्यवहार किए जाने के प्रकरण में बलवंत चैधरी को किसानों से माफी मांगे जाने की मांग की गई है। ज्ञापन देते समय संगठन के प्रदेश अध्यक्ष पटेल श्रीकृष्णा वर्मा, डेलीगेट अनिल कुमार, डेलीगेट राजेश कुमार आदि मौजूद रहे।

मंदिरों के फाउंडेशन का कार्य आरंभ

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः छोटी काशी शिव मंदिर कॉरिडोर में सौंदर्यीकरण की में जद आए जिन छोटे बड़े मंदिरों को हटाया गया है, उन्हें शिव मंदिर के पीछे पुनर्स्थापित करने के लिए फाउंडेशन का कार्य शुरू करा दिया गया है। पौराणिक शिव मंदिर के पीछे बाउंड्री वॉल और रिटेनिंग वॉल पर स्टील फ्रेमिंग का कार्य भी कराया जा रहा है।

छोटी काशी में 69.14 करोड रुपए की लागत से शिव मंदिर कॉरिडोर का निर्माण कार्य चल रहा है। कॉरिडोर सौंदर्यीकरण में जद में आने पर दुर्गा माता, हनुमान जी, गणेश जी आदि देवी, देवताओं के मंदिरों को हटाया गया है और कुछ अभी हटाए जाने हैं। इन हटाए गए छोटे, बड़े 11 मंदिरों को शिव मंदिर कॉरिडोर में स्थापित किया जाना है, जिसको लेकर पौराणिक शिव मंदिर के पीछे इन मंदिरों को पुनर्स्थापित करने के लिए फाउंडेशन का कार्य शुरू करा दिया गया है।

पौराणिक शिव मंदिर के पीछे बाउंड्री वॉल का निर्माण कराए जाने के साथ ही उत्तर पश्चिम में बनी रिटेनिंग वॉल पर स्टील फ्रेमिंग का कार्य भी शुरू हो गया है, जिन पर लाल पत्थर लगवाए जाएंगे। कार्यदाई यूपीपीसीएल के जेई नितिन सिंह ने बताया कि रिटेनिंग वॉल की भव्यता और आकर्षण बढ़ाने के लिए स्टील फ्रेमिंग कराई जा रही है। स्टील फ्रेमिंग हो जाने के बाद लाल पत्थर लगवाए जाएंगे। लाल पत्थर और कोबल् स्टोन की खेप आ चुकी है। एक वर्ष पूर्व दिसंबर 2024 से शुरू हुए शिव मंदिर कॉरिडोर सौंदर्यीकरण अभियान में कई मंदिरों, धर्मशालाओं, नगर पालिका और जिला पंचायत की दुकानों सहित तमाम आवासों को हटाए जाने के बाद अब शिव मंदिर परिसर, गोकर्ण तीर्थ परिक्षेत्र में कॉरिडोर का प्रस्तावित स्वरूप लोगों को समझ आने लगा है।

मंदिरों का फाउंडेशन बनाते श्रमिक। ● अमृत विचार

गोकर्ण तीर्थ पर सीढ़ियों के पास आकर्षक सेल्फी प्वाइंट बनाए जा रहे हैं, जिससे तीर्थ सरोवर की सुंदरता बढ़ेगी। तीर्थ के पूरब और दक्षिण में तीन मंजिला यात्री हाल बनाया जा रहा है, जिसमें दूर दराज से आने वाले यात्रियों के ठहरने, शौचालय आदि की व्यवस्था रहेगी।

खबरें www.amritvichar.com पर भी पढ़ें

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें 9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा बी.फार्मा का द्वितीय वर्ष का अंकपत्र सत्र 2021-22 वास्तव में कहीं खो गया है। काफी तलाशने के बाद अभी तक नहीं मिला। **आशुतोष पाठक पुत्र आलोक पाठक निवासी- ग्राम नूरपुर पिनौनी तह. बिल्सी जिला बदायूं (उ.प्र.)**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

प्रवेशांक 2019

धन्यवाद साथियों, आभारी हूं आपका

आज मैं सिर्फ कागज़ के पन्नों का एक पुलिंदा भर नहीं हूं। मैं बरेली की मिट्टी में जन्मी एक धड़कन हूं ... एक सांस हूं, जो हर सुबह आपके घर के बरामदे में ताज़ी हवा की तरह दस्तक देती है। छह साल... किसी सदियों पुरानी विरासत के सामने यह वक्त का एक छोटा-सा टुकड़ा हो सकता है, लेकिन मेरे लिए, यह जीवन का एक पूरा, सार्थक चक्र है।

मेरा जन्म किसी बड़े दावे के साथ नहीं हुआ था, न ही मैं किसी पूर्व-स्थापित विरासत को चुनौती देने चला था। मेरे पास अहंकार नहीं, सिर्फ एक खाली कैनवास था, जिसे ईमानदारी और सच्चाई की स्याही से भरा जाना था। जब मैंने पहली बार इस शहर की सुबह में आंखें खोलीं तो मेरी सांसों में यहाँ की गलियों की हलचल थी, यहां के लोगों की उम्मीदें थीं।

शुरुआत कभी आसान नहीं होती ... हर सुबह, जब मैं आपके दरवाज़े पर दस्तक देता, तो दिल में एक अजीब सी घबराहट होती थी, क्या मैं स्वीकार किया जाऊंगा? आपने मुझे परखा, मेरी खबरों की गहराई को मापा। कुछ पाठकों ने मुझे अपने स्नेह के आंचल में जगह दी, अपने जीवन का हिस्सा बनाया। उनके प्रोत्साहन ने मुझे हर दिन, हर पल बेहतर बनने की प्रेरणा दी। और फिर एक काला दौर आया ... कोरोना काल। जब पूरी दुनिया के साथ साथ बरेली में भी नकारात्मकता का स्याह बादल छा रहे थे। लोग घरों में सिमट गए थे, तब मैंने तय किया कि मैं सकारात्मकता की एक किरण बनूंगा। मैं डर और निराशा की खबरों के बी च उम्मीद की आवाज़ बना, बरेली के लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहा।

छह वर्षों के अपने सफर में अमृत विचार ने इन प्रमुख राष्ट्रीय घटनाओं पर अपनी समर्पित और विस्तृत कवरेज के माध्यम से पत्रकारिता के उच्च मानदंडों को स्थापित किया है। इसने न केवल घटनाओं की रिपोर्टिंग की, बल्कि उनके पीछे के महत्व, भावना और प्रभाव को भी पाठकों तक पहुंचाया। यही कारण है कि बरेली ने इसे भरपूर प्यार दिया है।

उस मुश्किल वक्त में आपका विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी ताक़त था।

लेकिन यात्रा पथरीली भी रही। कुछ ऐसे भी थे, जिन्होंने मुझे नकारा। उनकी आंखें मुझे देखकर फिर गईं, शायद मैं उनकी उम्मीदों के तराज़ू पर पूरा नहीं उतरा पाया... या शायद मेरे सच थोड़े कड़वे थे, जो हर किसी को रास नहीं आए। मैंने उन आलोचनाओं को भी अपने भीतर समेट लिया। मैं नाराज नहीं हुआ, बल्कि मैंने उन आवाजों को ध्यान से सुना और समझा। मैंने सीखा कि इस शहर का मिजाज़ क्या है, यहां के लोगों की ज़रूरतें क्या हैं और उनकी संवेदनशीलता कहां है।इन छह सालों में, मैंने सिर्फ खबरें छापना नहीं सीखा, मैंने खुद को आपके सांचे में ढाला है। यह केवल एक पेशेवर काम नहीं, एक रिश्ता बनाने की प्रक्रिया थी। मैंने यहां की तहजीब, यहां की भाषा, यहां के सुख दुख को समझा। जब शहर चैन की नींद सो रहा होता है, तब मेरे दफ्तर में आंखें खुली रहती हैं, सिर्फ़ इसलिए ताकि आपकी सुबह सच के उजाले और जागरूकता के साथ शुरू हो।

आज मैं सिर्फ़ बरेली की मिट्टी तक सीमित नहीं हूं। एक विशाल वटवृक्ष का रूप में बदल रहा हूं, जिसकी शाखाएं उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के महत्वपूर्ण शहरों तक फैली हुई हैं। बरेली की गलियों से, जहां मैंने आंखें खोलीं और जहां के पाठकों ने मुझे चलना सिखाया। वह एक रिश्ता था, एक संवाद था। बरेली के पाठकों के प्यार और विश्वास ने मुझे पंख दिए, और यह कारवां चल पड़ा। बरेली के बाद, मैंने लखनऊ की राजनैतिक धड़कन को महसूस किया, मुरादाबाद की औद्योगिक ऊर्जा को समझा और हल्द्वानी की शांत पहाड़ी सुबहों में अपनी खबरों की ताज़गी घोली। कानपुर के व्यस्त जीवन और अब अयोध्या की आध्यात्मिक भूमि तक मेरी पहुंच बन चुकी है। आज, जब मैं इन छह सालों के सफ़र पर पीछे मुड़कर देखता हूं, तो यह एक बच्चे के बड़े होने जैसा लगता है। हम गिरे, ठोकरें खाईं, फिर उठे, और आपके विश्वास के सहारे चलते रहे। आपके अटूट प्यार और समर्थन ने ही मुझे ...अमृत विचार को आपका प्यारा अमृत विचार बना दिया है। यह सफर भले ही छोटा हो, लेकिन मेरा संकल्प हिमालय जैसा अडिग है। मैं आपकी आवाज़ हूं, आपकी परछाई हूं, आपका पहरेदार हूं। आपकी खुशी में हंसता हूं, आपके गम में आपके साथ खड़ा होता हूं। जब तक आप हैं, तब तक मेरा वजूद है। यह रिश्ता अटूट है, और रहेगा।

आपका प्यारा अमृत विचार

निर्भया मामले के दोषियों को फाँसी (20 मार्च 2020)

निर्भया मामले के चारों दोषियों, मुकेश सिंह, विनय शर्मा, पवन गुप्ता और अक्षय कुमार सिंह को 20 मार्च 2020 की सुबह तिहाड़ जेल में फाँसी दी गई। अमृत विचार ने इस खबर को न केवल एक समाचार घटना के रूप में बल्कि राष्ट्रीय महत्व के एक संवेदनशील मुद्दे के रूप में पेश किया। समाचार पत्र ने इस लंबे चले मामले की पूरी समय-सारणी, अदालती कार्यवाही के उतार-चढ़ाव, और पीड़ितों के परिवार के संघर्ष को विस्तार से शामिल किया।

गलवान झड़प (15-16 जून 2020)

पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुई हिंसक झड़प ने दोनों देशों के संबंधों में तनाव पैदा कर दिया। इस घटना में कई भारतीय सैनिक वीरगति को प्राप्त हुए। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े संवेदनशील मामले में अमृत विचार ने देश भर में फैले आक्रोश और भारतीय सेना के शौर्य को अपनी रिपोर्टिंग का केंद्र बनाया। समाचार पत्र ने इस घटना की भू-राजनीतिक प्रासंगिकता, शहीद सैनिकों की कहानियों और सरकार के बाद के कदमों (जैसे चीनी ऐप्स पर प्रतिबंध) पर गहराई से नज़र रखी। रक्षा विशेषज्ञों के विचारों और भारत-चीन सीमा विवाद के इतिहास पर विशेष लेख भी प्रकाशित किए गए।

देशव्यापी लॉकडाउन की घोषणा (24 मार्च 2020)

अमृत विचार ने इस ऐतिहासिक घोषणा की तत्काल कवरेज की और इसके बाद के प्रभावों पर विस्तृत रिपोर्टिंग की। इसमें लॉकडाउन के नियमों, आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता, प्रवासी मजदूरों की दुर्दशा, और आर्थिक चुनौतियों पर कई लेख प्रकाशित किए गए।

राम मंदिर शिलान्यास (5 अगस्त 2020)

दशकों पुराने अयोध्या विवाद पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद, 5 अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राम मंदिर की आधारशिला रखी गई, जो एक ऐतिहासिक और भावनात्मक क्षण था। कवरेज : अमृत विचार ने इस को एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और राजनीतिक मील के पत्थर के रूप में कवर किया। शिलान्यास समारोह की तैयारियों, धार्मिक अनुष्ठानों, और देश भर में मनाए उत्सव पर विस्तृत रिपोर्ट प्रकाशित की गई। समाचार पत्र ने इस अवसर पर जारी किए गए बयानों, मंदिर निर्माण के लिए एकत्रित दान, और अयोध्या में हुए परिवर्तनों को प्रमुखता से शामिल किया। कुल मिलाकर, "अमृत विचार" ने इन घटनाओं के दौरान सटीक जानकारी प्रदान करने के साथ-साथ इन मुद्दों से जुड़ी मानवीय कहानियों और सामाजिक प्रभावों को भी सामने लाने में उल्लेखनीय कार्य किया है।

2020

2021

नीरज चोपड़ा का टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण

7 अगस्त, 2021 को नीरज चोपड़ा ने भाला फेंक में भारत के लिए ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता। अमृत विचार ने नीरज की जीत को एक राष्ट्रीय गौरव के रूप में प्रस्तुत किया और भारतभर में मने जश्न को कवर किया। हमने नीरज के संघर्ष और सफलता की कहानी पर जोर दिया, जिससे यह जीत और भी प्रेरणादायक बन गई।

सीडीएस जनरल बिपिन रावत का हेलीकॉप्टर हादसा

8 दिसंबर, 2021 को तमिलनाडु में हुए इस हादसे में भारत के पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत समेत 13 लोगों का निधन हो गया था। अखबार ने घटना की जानकारी के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर पर हुए दुख को भी दर्शाया।

2023

यूपी बजट

उत्तर प्रदेश सरकार के वार्षिक बजट 2024-25 को 'अमृत विचार' ने स्थानीय और क्षेत्रीय विकास के दृष्टिकोण से प्रमुखता से छापा। बजट के प्रावधानों का बरेली और पश्चिम उत्तर प्रदेश के विकास, बुनियादी ढाँचे, कृषि और रोजगार पर पड़ने वाले प्रभाव का विश्लेषण किया गया।

भारत का चंद्रयान-3 मिशन (लॉन्च: 14 जुलाई 2023, लैंडिंग: 23 अगस्त 2023)

भारत के चंद्रयान-3 मिशन की सफलता एक राष्ट्रीय गौरव का क्षण थी, जिसे अमृत विचार ने बड़े उत्साह के साथ कवर किया। लॉन्च से लेकर चंद्रमा की सतह पर सफल लैंडिंग तक, मिशन के हर चरण को वैज्ञानिक तथ्यों और राष्ट्रीय उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया गया। सरल भाषा में विश्लेषण : जटिल वैज्ञानिक प्रक्रियाओं और 'लैंडिंग' के महत्व को सरल भाषा में समझाया गया।

2022

रूस-यूक्रेन युद्ध

'अमृत विचार' ने इस युद्ध को अंतरराष्ट्रीय स्तर की घटना के रूप में कवर किया, जिसके वैश्विक परिणाम थे। अमृत विचार ने युद्ध के विश्व स्तर पर, विशेषकर खाद्य सुरक्षा और तेल की कीमतों पर पड़ने वाले प्रभावों का विश्लेषण किया। युद्धग्रस्त क्षेत्रों की स्थिति, हवाई हमलों की चेतावनी और मानवीय संकट पर लगातार अपडेट दिए गए।

यूपी विधानसभा चुनाव परिणाम

2022 के विधानसभा चुनाव परिणाम हमारी सबसे महत्वपूर्ण कवरेज में से एक रहे। चुनाव परिणामों के दिन, रुझानों से लेकर अंतिम परिणामों तक की लाइव और विस्तृत कवरेज की गई। अपने संस्करणों के क्षेत्रों में प्रत्येक सीट के परिणामों पर गहराई से नज़र रखी गई।

मोरबी पुल हादसा

गुजरात के मोरबी में मच्छु नदी पर बने केबल पुल के ढहने की दुखद घटना ने देश को झकझोर दिया था, जिसे 'अमृत विचार' ने संवेदनशीलता के साथ कवर किया। हमने लापरवाही, कंपनी की गैर-जिम्मेदारी और प्रशासन की ढिलाई पर सवाल उठाए। जांच कमेटी के गठन और ओरेवा समूह के खिलाफ कार्रवाई पर निरंतर जानकारी दी गई।

2024

अयोध्या में रामलला की स्थापना

22 जनवरी 2024 को अयोध्या में हुए राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह को अमृत विचार ने राष्ट्रीय गौरव के रूप में प्रस्तुत किया। इस दिन हमने विशेष अंक प्रकाशित किया। समारोह की गरिमा, अनुष्ठानों और प्रधानमंत्री की उपस्थिति की विस्तृत रिपोर्टिंग की गई।

बजट (1 फरवरी 2024)

1 फरवरी 2024 को पेश किए गए अंतरिम बजट पर अमृत विचार' ने आर्थिक विश्लेषण किया। बजट प्रावधानों का मध्यम वर्ग, किसान और युवाओं पर पड़ने वाले प्रभाव पर सरल विश्लेषण प्रस्तुत किया गया। स्थानीय उद्योगपतियों और आर्थिक विशेषज्ञों के विचारों को प्रमुखता से छापा गया।

लोकसभा चुनाव परिणाम

18वीं लोकसभा के चुनाव परिणाम, जिनमें एनडीए ने जीत हासिल कर सरकार बनाई। चुनाव के रुझानों, परिणामों और राजनीतिक परिदृश्य पर विस्तृत विश्लेषण प्रदान किया गया। उत्तर प्रदेश की सभी सीटों के परिणामों और प्रमुख उम्मीदवारों की हार-जीत पर गहनता से रिपोर्टिंग की गई।

सुधांशु शुक्ला अंतरिक्ष मिशन

इस मिशन को अमृत विचार ने विज्ञान और राष्ट्रीय गौरव के रूप में कवर किया। मिशन की तकनीकी जानकारी और भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में इसके महत्व को उजागर किया गया। सुधांशु शुक्ला की पृष्ठभूमि और इस मिशन में उनकी भूमिका पर विशेष फीचर लेख प्रकाशित किए गए।

2025

कुंभ का भव्य आयोजन: आध्यात्मिकता की गहराई

कुंभ मेला, भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता का सबसे बड़ा प्रतीक, लाखों श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है। अमृत विचार ने कुंभ के आयोजन, उसकी व्यवस्थाओं और धार्मिक महत्व को समर्पित कवरेज दी। कुंभ के आध्यात्मिक और सामाजिक महत्व पर भी सारगर्भित लेख प्रकाशित किए। भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधाओं से जुड़े प्रशासनिक पहलुओं को भी उजागर किया गया, जिससे पाठकों को आयोजन की विशालता का अंदाजा हुआ।

ऑपरेशन सिंदूर: राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रतिबिंब

ऑपरेशन सिंदूर पर भी अमृत विचार" की पत्रकारिता सजग रही। पहलगाम हमले के बाद हुए इस ऑपरेशन ने भारत की नई रक्षा नीति को दर्शाया। अमृत विचार ने राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझते हुए, सटीक जानकारी दी और दिखाया कि आतंकवादियों के ठिकाने कहीं भी हों, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। अखबार ने भारतीय सेना के शौर्य और बलिदान को प्रमुखता से चित्रित किया, जिससे पाठकों में राष्ट्रीय गौरव की भावना मजबूत हुई।

बजट

आम बजट कवरेज को अमृत विचार ने आसान भाषा में दिया। पाठकों को स्पष्ट रूप से बताया कि कौन सी वस्तुएं सस्ती होंगी और कौन सी महंगी। अमृत विचार" ने बजट को एक संतुलित और भविष्योन्मुखी कदम के रूप में प्रस्तुत किया, जो आम जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने और देश की अर्थव्यवस्था को सही रास्ते पर रखने का प्रयास करता है।

जीएसटी कटौती

अमृत विचार ने जीएसटी कटौती को आम आदमी के जीवन पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभाव पर केंद्रित करते हुए व्यापक कवरेज दी है। अखबार ने इस कदम को जनता के हित में एक महत्वपूर्ण सुधार बताया है। अमृत विचार की कवरेज ने इन जीएसटी सुधारों को आम नागरिकों की क्रय शक्ति बढ़ाने और देश की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने वाले एक महत्वपूर्ण गेमचेंजर कदम के रूप में प्रस्तुत किया।

अमृत विचार ने पीएम मोदी के 75वें जन्मदिन पर उन्हें नए भारत की धड़कन बताते हुए विशेष कवरेज की। फोकस उनकी साधारण पृष्ठभूमि से शीर्ष नेतृत्व तक की यात्रा और प्रमुख उपलब्धियों पर था। इनमें GST, आवास योजनाएं, आयुष्मान भारत, मजबूत विदेश नीति और आत्मनिर्भर भारत जैसे परिवर्तनकारी कार्य शामिल थे। कवरेज ने मोदी को एक निर्णायक और जन-उन्मुख नेता के रूप में प्रस्तुत किया, जिनके जन्मदिन को जन सेवा के रूप में मनाया गया।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

सजग प्रहरी बन कोविड काल से ही पाठकों का प्रिय अखबार बन गया अमृत विचार

कोरोना महामारी शुरू होने के चंद महीनों पहले 22 नवंबर, 2019 को सीमित संसाधनों के साथ अमृत विचार की यात्रा शुरू हुई। अमृत विचार ने बरेलियंस को पढ़ने के लिए अखबार रूप में एक ऐसा मंच दिया, जो सिर्फ क्षेत्रीय खबरों से भरा हुआ था। एक-एक पाठक को जोड़ते हुए अमृत विचार आमजन की आवाज बनने की तरफ बढ़ ही रहा था, तभी कोरोना महामारी ने पैर पसारे। कोरोना में हर तरफ भयावह मंजर देखने को मिल रहा था। इस आपदा काल में जहां सरकारी से लेकर निजी दफ्तरों में वर्क फ्रॉम होम शुरू हो गया, वहीं उस भयावह मंजर में अमृत विचार ऐसा अकेला अखबार था, जो समाज को कोरोना से संबंधित प्रशासनिक तैयारियों से लेकर स्वास्थ्य और समाज में घटित घटनाओं को सजग प्रहरी की तरह अपने पाठकों तक पहुंचाने का काम कर रहा था। कोरोना काल में अमृत विचार ने नियमित अखबार के साथ पाठकों को सुबह से शाम तक घटित खबरों की जानकारी पहुंचाने के लिए 'व्हाट्सएप संस्करण' निकालकर अभिनव प्रयोग किया। इससे अमृत विचार ने पाठकों के दिलों को जीता और कोरोना काल से ही अमृत विचार पाठकों का प्रिय अखबार बन गया। फिर अमृत विचार ने पाठकों के प्यार की बदौलत एक्सक्लूसिव खबरें, जनहित से जुड़े मुद्दों पर अभियान और कैंसर, दिल की बीमारी, लिवर जैसी गंभीर बीमारियों पर विशेष सामग्री पाठकों तक देना शुरू की। सरकारी विभागों में फैले भ्रष्टाचार की बात हो या शहर में सड़क, नाली, जलभराव और रोडवेज बस अड्डों पर यात्रियों की सुविधाओं से संबंधित। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव, विधानसभा चुनाव या फिर लोकसभा के चुनाव, महायुद्ध हर मोर्चे पर अमृत विचार ने बेहतर सामग्री पाठकों को देते हुए बरेलियंस के दिलों पर अनूठी छाप छोड़ी है। आइए जानते हैं, पाठकों के अनूठे प्यार से बरेली की धड़कन बने अमृत विचार के छह साल के सफर की कहानी आर्काइव के साथ...

कुपोषित बच्चों के पुष्टाहार और ग्राम पंचायतों का भ्रष्टाचार खोले, डीडीओ नपे थे

2023 के 16 मार्च में अमृत विचार ने जनपद के कुपोषित बच्चों के पुष्टाहार में घोटाले से संबंधित खबर 'खुला खेल...कुपोषित बच्चों की सुविधाओं पर भी गिद्ध दृष्टि' शीर्षक से प्रकाशित की। इस खबर का संज्ञान लेकर विकास भवन के अफसरों ने जांच कराई। इसके बाद जुलाई में अमृत विचार ने भ्रष्टाचार पर कई खबरें प्रकाशित कीं। इतनी आक्रामक खबरें दी गईं कि दोषी डीडीओ को शासन स्तर से हटा दिया गया। इस खबर की गूंज जिलेभर में रही। अमृत विचार के भ्रष्टाचार के विरुद्ध चलाए गए अभियान की पाठकों ने खूब सराहना की। इसी वर्ष अगस्त माह में ग्राम पंचायतों के भ्रष्टाचार के खेल को उजागर किया। कई खबरों के बीच 'साहब खुद साढ़े तीन करोड़ के घोटाले में फंसे हैं तो बेतुके निलंबन बहाली पर सवाल उठेंगे ही' शीर्षक से भ्रष्टाचार पर खबर अमृत विचार में प्रकाशित हुई तो तत्कालीन सीडीओ जग प्रवेश ने इसका संज्ञान लिया और खेल पर तत्काल रोक लगा दी। इस पर अमृत विचार ने खबर का असर दिखाते हुए 'खेल पर ब्रेक...अब सीडीओ के अनुमोदन के बगैर निलंबन नहीं कर पाएंगे डीडीओ' शीर्षक से खबर प्रकाशित की थी।

सवा करोड़ की सड़क मिट्टी से बनाने का खेल अमृत विचार ने खोला

अमृत विचार ने 2023 के अगस्त में बुखारा-फरीदपुर मार्ग से टिसुआ-शिवपुरी चौराहे तक 1.20 करोड़ की लागत से बनने वाली 12 किमी लंबी हॉटमिक्स सड़क में हुए खेल को उजागर करते हुए 'ताज्जुब क्या...! पांच सौ से 7 हजार करोड़ हो सकती है एक्सप्रेस वे की लागत तो यहां मिट्टी बजरी से क्यों नहीं बन सकती हॉटमिक्स रोड' शीर्षक से खबर प्रकाशित की तो लोक निर्माण विभाग के अफसरों में खलबली मच गई थी। अमृत विचार ने फालोअप में 'मान लिया...मिट्टी से बना रहे थे सवा करोड़ की सड़क' शीर्षक से खबर प्रकाशित की थी। एई ने कबूल किया था कि ठेकेदार से चूक हुई, बाद में इस खबर को हॉटमिक्स से बनाया गया। खबर प्रकाशित होने से अफसर और ठेकेदार को सड़क में खेल करने का मौका नहीं मिला। इस खबर की चर्चा खूब रही।

जेल में बदमाशों के ठाठ का खेल भी खोला, नपे थे वार्डन

अमृत विचार ने माफिया अतीक अहमद के भाई अशरफ की बरेली जिला जेल के अफसरों से साठगांठ को कई बार उजागर की। माफिया अशरफ को बचाने के लिए जेल के अफसरों ने सीसीटीवी कैमरे की फुटेज गायब कर दी थी। इस मामले को अमृत विचार ने प्रमुखता से छापा था। जेल में बदमाशों को विशेष सुविधा देने का खेल भी खोला। ...'तो फिर इसे जेल नहीं, अपराधियों का स्वर्ग ही कहिए' शीर्षक से अमृत विचार ने खबर छापी तो कारागार से लेकर पुलिस महकमे में भी खलबली मच गई थी। इस प्रकरण में शासन ने तीन वार्डन निलंबित किया और दो जेलरों से स्पष्टीकरण तलब किया था। इस तरह के कई प्रकरण उजागर करने पर अमृत विचार ने पाठकों के दिलों में खूब जगह बनाई।

अमृत विचार ने ट्रैफिक पुलिस के चेकिंग में उगाही और चौकियों में रिश्वत मामलों पर चलाए अभियान

बरेली : अमृत विचार ने 2023 और 2024 में ट्रैफिक पुलिस के कई कारनामे उजागर किए। 2023 में ट्रैफिक पुलिस के चेकिंग अभियान में उगाही करने के खेल पर अमृत विचार ने दमदार तरीके से अभियान चलाकर उसे अंजाम तक पहुंचाया। अमृत विचार ने अभियान चलाते हुए 'शहर में भीषण जाम...ट्रैफिक पुलिस के इंस्पेक्टरों को पसंद है झुमका तिराहे पर वाहन चेकिंग करना', 'कुतुबखाना पुल. लाइफ लाइन बनने के बजाय सप्ताहभर में ही हो गया जाम के लिए बदनाम', 'हे महादेव! 110 करोड़ का पुल बनने के बाद भी जाम', 'आखिरकार शहर में अवैध स्टैंड जहां के तहां, न तो सीएम के आदेश पर हटे न ही डीएम के' और शहर की सड़कें ही नहीं...ट्रैफिक पुलिस का सिस्टम भी जाम शीर्षक से खबरें प्रकाशित कीं तो पुलिस महकमा हिल गया। पुलिस अफसरों ने खबरों का संज्ञान लिया और आईजी व एसएसपी ट्रैफिक पुलिस के खेल को पकड़ने के लिए सड़कों पर उतरे और इन अफसरों की चेकिंग में ट्रैफिक पुलिस का खेल पकड़ा गया। बाद में अमृत विचार ने 'आखिर पर्दाफाश, उगाही के लिए ड्यूटी छोड़कर चेकिंग कर रही ट्रैफिक पुलिस' शीर्षक से खबर प्रकाशित की। इसमें ट्रैफिक पुलिस के कई इंस्पेक्टर और दरोगाओं को इधर उधर ट्रांसफर किया गया था। इस अभियान की पाठकों ने खूब सराहना की। इसके अलावा अमृत विचार ने 'कोई कुछ भी कहे...पुलिस महकमे में भ्रष्टाचार सदाबहार', 'पुलिस में पैसे की माया...! बनाया था चौकी का इंचार्ज...वहीं खोल लिया मोटर गैराज,' शीर्षक से खबरें प्रकाशित कीं। लगातार भ्रष्टाचार पर अभियान से अमृत विचार पाठकों का और भी प्रिय अखबार बन गया।

कृषि विभाग के घोटाले का पर्दाफाश कर किसानों के मन में जगह बनाई

अमृत विचार ने अप्रैल 2023 में कृषि विभाग में बड़े घोटाले का पर्दाफाश किया। फार्म मशीनरी बैंक और कस्टम हायरिंग सेंटर योजना में कृषि विभाग के बाबुओं ने करोड़ों रुपये का खेल किया था। ऑनलाइन चयन की सुविधा होने के बावजूद इन योजनाओं में 2020-21 और 2021-22 में अपात्र लाभार्थियों का चयन किया गया। अमृत विचार ने जब इसकी खबर तथ्यों के साथ प्रमुखता से प्रकाशित की तो बरेली से लेकर लखनऊ तक खलबली मच गई थी। उच्चाधिकारियों ने खबर का संज्ञान लिया। इसके बाद प्रकरण में विधायक अताउर रहमान की शिकायत निकलवाई। प्रकरण में कई खबरें प्रकाशित होने पर हाथरस के डीडी कृषि को घोटाले की जांच सौंपी गई। कई बाबुओं का स्पष्टीकरण तलब हुआ। योजनाओं में खेल करने की खबरें प्रकाशित होने पर किसानों के दिलों में अमृत विचार ने जगह बनाई और देहात में पकड़ मजबूत की।

अमृत विचार ने खबरों से लल्लू वन को दिलवाया था आवास

फरवरी, 2023 में अमृत विचार ने जनहित के मुद्दे उजागर कई जरूरतमंदों को उनका हक भी दिलाया। अमृत विचार ने 'पीएम आवास सूची में नाम फिर भी बना दिया अपात्र' शीर्षक से खबर प्रकाशित की। खबर का संज्ञान लेकर डीएम के निर्देश पर जिला कृषि अधिकारी ने प्रकरण की जांच की तो पीड़ित लल्लू वन जांच में प्रधानमंत्री आवास के लिए पात्र पाया गया। प्रधानमंत्री आवास की पात्रता सूची में नाम शामिल होने के बावजूद सचिव ने नाम काट दिया था लेकिन बीडीओ व डीडीओ ने उस रिपोर्ट को खारिज कर दिया। अमृत विचार ने फिर लल्लू वन को हक दिलाने के लिए 'पीएम आवास की आस आठ साल से दौड़ा रही 70 के लल्लू वन को' शीर्षक से खबर छापी। इसके बाद अफसर सक्रिय हुए और प्रकरण में फिर जांच कराते हुए लल्लू वन को उनका हक दिलाया। इस पर लल्लू वन ने अमृत विचार को धन्यवाद दिया। आवास मिलने के बाद लल्लू वन ने सचिव को जेल भिजवाने के लिए संघर्ष कई महीने तक जारी रखा था। इस खबर ने पाठकों के मन में भी अमृत विचार के लिए नई जगह बनाई।

पर्यावरण और नशे के मुद्दे पर अमृत विचार ने कलम पैनी रखी

2025 में अब तक अमृत विचार ने सामाजिक और जनहित के मुद्दों पर अपनी कलम पैनी रखी। पर्यावरण और तंबाकू के सामाजिक और जनहित मुद्दों पर पाठकों तक विशेष सामग्री पहुंचाने का काम किया। 31 मई को अमृत विचार ने 'स्टाइल के नाम पर धुएं में उड़ रही जिंदगी' शीर्षक से समाज को जागृत करने और युवा पीढ़ी को नशे से बचाने के लिए विशेष पेज की सामग्री प्रकाशित की। इसके बाद 5 जून को पर्यावरण को लेकर समाज को जागृत करने का कार्य किया। अमृत विचार ने विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर 'आज की चिंता न कल की फिक्र पर्यावरण के ये दुश्मन बेफिक्र' शीर्षक से खबर प्रकाशित कर पाठकों के साथ जन समूह के मन में पर्यावरण संरक्षण की अलख जगाने का कार्य किया। इस तरह कई अहम मुद्दों पर समय-समय पर अमृत विचार सामग्री पाठकों तक पहुंचाता है ताकि जन समूह लाभ लेने के साथ उसके प्रति जागरूक रहें।

कोरोना काल के बाद पाठकों तक सेनानियों की प्रेरणादायक कहानी पहुंचाई

कोरोना काल के बाद अमृत विचार ने अपने पाठकों को पढ़ने के लिए विशेष सामग्री उपलब्ध कराई। 15 अगस्त, 2022 को अमृत विचार ने बरेली जनपद के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के संबंध में विशेष पेज की सामग्री प्रकाशित की, उसमें ऐसे 25 स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की प्रेरणादायक कहानी प्रकाशित की, जिससे ज्यादातर बरेली के लोग अनजान थे। प्रशासन से मिले इनपुट के आधार पर अमृत विचार ने अपने नेटवर्क से कई स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों को खोजा, उनकी बातचीत फोटो सहित अखबार में प्रकाशित कराई। अमृत महोत्सव पर सेनानियों की वीर गाथा में अमृत विचार ने 'दीवानों ने आजादी की लड़ाई लड़ी फिर राजनेता बन बरेली संवारी' शीर्षक से विशेष पेज की सामग्री पाठकों तक पहुंचाई। इसे पढ़कर पाठकों ने सकारात्मक प्रक्रिया भी दी। इसके बाद स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रितों ने अमृत विचार से संपर्क कर कई समस्याएं बताईं, उन पर अमृत विचार ने खबरें छापीं और आश्रितों को हक दिलाने का काम किया।

'सरकारी हैंडपंप परोस रहे कैंसर' खबर ने पाठकों को जगाया

2020 के नवंबर माह में अमृत विचार ने पाठकों को कैंसर के प्रति जागरूक करने के लिए कई खबरें प्रकाशित कीं। 'सरकारी हैंडपंप परोस रहे कैंसर' शीर्षक से खबर प्रकाशित तो सरकारी महकमे गंभीर हुए। जिले के 17 स्थानों पर नलों में आर्सेनिक युक्त पानी आने, पांच मोहल्लों का पानी पीने योग्य नहीं, 162 लोगों की पानी पीने से विशारतगंज क्षेत्र के लोगों की मौत होने के तथ्यों के साथ खबर प्रकाशित की। इसका अफसरों ने संज्ञान लिया और कई मोहल्लों में पानी की जांच के लिए कार्रवाई की। कैंसर के प्रति जागरूक किया। स्वास्थ्य विभाग ने कैंप लगाकर दवाए दी थीं। अमृत विचार की इस खबर से सैकड़ों लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंची थीं।

अमृत विचार

गुरुवार, 20 नवंबर 2025

देश की तरक्की के लिए हमें आपस में लड़ने के बजाए गरीबी, बीमारी और अज्ञानता से लड़ना होगा।

-लाल बहादुर शास्त्री, पूर्व प्रधानमंत्री

चेतावनी देती गड़बड़ी

इंटरनेट अवसंरचना प्रदान करने वाली दिग्गज कंपनी क्लाउडफ्लेयर में आई हालिया तकनीकी गड़बड़ी को केवल एक सामान्य तकनीकी व्यवधान मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह कंटेट डिलीवरी नेटवर्क दुनिया की 20 प्रतिशत वेबसाइट से सामग्री लेती और यूजर को देती है। वेबसाइट और यूजर के बीच ऐसे मध्यस्थ का काम करने वाले ऐसे प्लेटफार्म में, जिस पर दुनिया की हर पांचवी वेबसाइट आश्रित हो, इसी साल तीसरी बार बड़ी खराबी का होना, उसे घंटों बने रहना बताता है कि दुनिया का डिजिटल ढांचा कितनी नाजुक रीढ़ पर टिका हुआ है। क्लाउडफ्लेयर की लगातार गड़बड़ियों के दो प्रमुख कारण हो सकते हैं। पहला, अत्यधिक जटिलता, कंपनी की सेवाएं वैश्विक स्तर पर हजारों सर्वरों, डेटा-सेंटरों और नेटवर्क पॉइंट्स में फैली हैं, जिनका समन्वय किसी भी समय अत्यधिक संवेदनशील स्थिति में रहता है। दूसरा, तेजी से बढ़ते लोड और बदलती सुरक्षा चुनौतियों के चलते बैकएंड इंफ्रास्ट्रक्चर में लगातार बदलाव के चलते यह वैश्विक बाधा आई हो।

विडंबना ही कहेंगे कि दुनिया को तेज और सुरक्षित इंटरनेट देने का दावा करने वाली कंपनी को उसी की तकनीकी असुरक्षा या चूक, इंटरनेट की गति और सुरक्षा दोनों को प्रभावित कर देती है। इस व्यवधान का असर दुनिया भर में महसूस किया गया। भारत भी इससे अछूता नहीं रहा। कई डिजिटल भुगतान सेवाएं, समाचार वेबसाइटें, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, शिक्षा पोर्टल और ऐप कुछ समय के लिए बंद हो गए। भारत की तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था में ऐसे झटके केवल असुविधा नहीं, बल्कि आर्थिक व्यवधान भी पैदा करते हैं। यदि इस तरह की गड़बड़ियां बार-बार और लंबे समय के लिए होती रहीं, तो न सिर्फ डिजिटल भुगतान और बैंकिंग व्यवस्था की विश्वसनीयता प्रभावित होगी, बल्कि साथ ही क्लाउड-आधारित स्टार्टअप और आईटी सेवाएं असुरक्षित महसूस करेंगी, तो एआई आधारित सेवाओं पर निर्भर उद्योगों में उत्पादकता का संकट भी उत्पन्न होगा।

इस प्रकार की तकनीकी खराबी सिर्फ एआई प्लेटफॉर्म को ही प्रभावित नहीं करती, इंटरनेट की यह 'रीढ़' लड़खड़ाती है, तो डिजिटल भारत का पूरा ढांचा हिल जाता है, क्योंकि स्वास्थ्य सेवा, एयरलाइन रिजर्वेशन सिस्टम, ऑनलाइन शिक्षा, आपदा प्रबंधन प्लेटफॉर्म और सरकारी ई-सेवाएं भी ऐसे ही नेटवर्क संरचना पर निर्भर हैं। यूजर्स के पास इससे बचने के विकल्प अत्यंत सीमित हैं। सामान्य उपयोगकर्ता के लिए वैकल्पिक डिलीवरी नेटवर्क सिस्टम या फिर वीपीएन अस्थायी राहत दे सकते हैं, पर वास्तविक समाधान केवल कंपनियों के स्तर पर ही संभव है। व्यवसायों को भी 'सिंगल प्वाइंट ऑफ फेलियर' से बचने के लिए मल्टी-कंटेंट डिलीवरी नेटवर्क की रणनीति अपनानी होगी, जिसमें क्लाउडफ्लेयर के साथ अन्य नेटवर्क प्रदाताओं का बैकअप हमेशा मौजूद रहे। क्लाउडफ्लेयर को प्रतिष्ठा बचाने और आगे से ऐसा न हो, इसके लिए नेटवर्क आर्किटेक्चर की रेडंडेंसी बढ़ानी होगी, स्वचालित लोड-शिफ्टिंग और फेल्योर सिस्टम को अधिक सक्षम बनाना होगा।

प्रसंगवश

तहजीब के शहर को यूनेस्को की मान्यता

हाल में विश्व नगर दिवस के अवसर पर यूनेस्को ने अपने रचनात्मक शहरों की सूची में 58 नए शहरों को शामिल किया है। इस सूची में लखनऊ का होना भारत के लिए गर्व का विषय है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ को 'पाक-कला के सृजनशील शहर' का दर्जा मिलना न केवल लखनऊ की समृद्ध नवाबी विरासत का प्रतीक है, बल्कि इससे हमारे देश की खान-पान की खास परंपराओं पर वैश्विक मुहर भी लगी है।

लखनऊ की पाक परंपरा केवल भोजन नहीं, बल्कि समृद्ध खान-पान संस्कृति, इतिहास और भावनाओं का संगम है। वहां की गलियों में महकने वाला स्वाद सदियों पुरानी नवाबी तहजीब की निशानी है। वहां के रसदार कबाब, खास बिरयानी और अन्य

अमरपाल सिंह वर्मा

वरिष्ठ पत्रकार

खान-पान केवल व्यंजन नहीं, बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही पाक कला के स्थापित प्रतीक हैं। लखनऊ साबित करता है कि भोजन केवल पेट भरने का साधन नहीं, बल्कि एक रचनात्मक अभिव्यक्ति भी है, जो समुदायों को जोड़ती है और इतिहास को जीवित रखती है। लखनऊ का यूनेस्को की रचनात्मक शहरों की सूची में शामिल होना, केवल एक सम्मान नहीं बल्कि एक अवसर है। इससे जहां शहर को न केवल वैश्विक स्तर पर पहचान मिलेगी, वहीं पाक-कला के संरक्षण, नवाचार और पर्यटन को भी नई दिशा मिलेगी। यह दर्जा इस शहर को अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर पाक आदान-प्रदान, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और प्रशिक्षण के अवसरों से जोड़ेगा। इससे स्थानीय रसोइयों, छोटे खानपान व्यवसायों और पारंपरिक खाद्य निर्माताओं को भी नई आर्थिक संभावनाएं मिलेंगी।

2019 में हैदराबाद को यह दर्जा मिला था। इसके बाद लखनऊ भारत का दूसरा शहर है, जिसे पाक-कला श्रेणी में यह सम्मान मिला है। इससे दुनिया में यह संदेश गया है कि हमारे देश का खानपान केवल विविध नहीं बल्कि नवाचार और परंपरा के संतुलन का एक अद्भुत उदाहरण भी है। लखनऊ की यह उपलब्धि भारत के हजारों गांवों, कस्बों और छोटे शहरों के लिए प्रेरणा बन सकती है। देश के हर क्षेत्र की अपनी कोई न कोई खाद्य पहचान है। आगरा का पेठा, मथुरा के पेड़े, जैसलमेर के घोटिया लड्डू, रेवाड़ी की बर्फी, बीकानेर का भुजिया और रसगुल्ले, जोधपुर की कचौरी समेत तमाम स्थानों की खान-पान संबंधी कोई न कोई पहचान है, जिसमें स्थानीय मिट्टी, जलवायु, संस्कृति और श्रम की मिठास मिली है, लेकिन दुर्भाग्य यह है कि ज्यादातर इलाकों के स्वाद की कहानी इन इलाकों तक ही सिमट कर रह गई है। लखनऊ की तरह यदि ऐसे सभी स्थानों की विशेषता को पहचान दिलाने के लिए संगठित प्रयास हों, तो ये भी देश और दुनिया के खानपान नक्शे पर जगह बना सकते हैं।

यह सही है कि यूनेस्को का दर्जा हर शहर को नहीं मिल सकता, लेकिन उस स्तर तक पहुंचने के लिए प्रयास जरूर किए जा सकते हैं। स्थानीय ब्रांडिंग और संरक्षण के तहत हर जिले के विशिष्ट व्यंजन की कहानी और परंपराओं का दस्तावेजीकरण और 'वन डिस्ट्रिक्ट वन डिश' जैसे अभियानों का आगाज इसमें योगदान दे सकता है। पर्यटन विभाग यदि स्थानीय व्यंजनों पर आधारित फूड फेस्टिवल आयोजित करे, तो न केवल पर्यटन बढ़ेगा, बल्कि स्थानीय रोजगार भी सृजित होंगे। अगर छोटे होटल, स्ट्रीट फूड विक्रेता, गृहिणी उद्यमी और रसोइए मिलकर स्थानीय स्तर पर ब्रांड बनाएं, तो इससे 'मेक इन इंडिया' का स्वादिष्ट रूप भी सामने आ सकता है। छोटे शहरों के युवा अपने क्षेत्रीय व्यंजनों को डिजिटल माध्यमों पर प्रस्तुत करें, तो बड़ी पहचान मिल सकती है।

अमेरिका: नफरत की सियासत के शिकार भारतीय

अनिल यादव

वरिष्ठ पत्रकार

मिसीसिपी यूनिवर्सिटी में आयोजित एक कार्यक्रम में एक भारतीय मूल की छात्रा ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से एक सवाल पूछ लिया- आपकी पत्नी ऊषा हिंदू हैं, क्या उन्हें अमेरिका से अपना लगाव साबित करने के लिए ईसाई बन जाना चाहिए? उसने इसी के साथ दूसरा सवाल हथकड़ी लगाकर वापस भारत भेजे गए लोगों के बारे में पूछा- आपने हमें सपना दिखाया कि आओ अमेरिका में पढ़ो, यहां की तरक्की में अपना योगदान दो, लेकिन अब अचानक कहने लगे कि यहां बहुत ज्यादा प्रवासी हो गए हैं। जिन लोगों ने कानूनी तरीके से यहां आकर मेहनत की, अपना भविष्य सुधारना चाहा उनके साथ छल क्यों किया जा रहा है?

सभी जानते हैं कि जेडी वेंस की महत्वाकांक्षा राष्ट्रपति बनने की है। रिपब्लिकन पार्टी में अपने राजनीतिक करियर को समयानुकूल मजबूती देने के लिए पिछले दिनों उन्होंने बयान दिया था, हालांकि मैं दबाव नहीं डालूंगा फिर भी मैं चाहता हूं कि मेरी पत्नी ऊषा भी मेरी तरह कैथोलिक ईसाई बन जाएं। वेंस भी नए-नए छह साल पहले कैथोलिक बने हैं। इससे पहले वे नास्तिक हुआ करते थे और बचपन में उनका परिवार इवेंजलेकिल क्रिश्चियन हुआ करता था। ईसाई धर्म की यह शाखा पोप, संतों और चमत्कारों को मान्यता नहीं देती।

उस छात्रा ने वाजिब सवाल उठाया था कि खुद को लोकतंत्र का रक्षक और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अग्रणी देश मानने वाले अमेरिका के प्रति अपना लगाव साबित करने के लिए किसी का कैथोलिक ईसाई होना कब से जरूरी हो गया है? इस घटना का एक खास संदर्भ है। हाल के वर्षों में अमेरिका में अल्पसंख्यकों खास तौर पर भारतीय मूल के लोगों या हिंदुओं के प्रति नफरता का खुला प्रदर्शन किया जा रहा है और उनके प्रतीकों पर हमले बढ़े हैं। खुद जेडी वेंस अंतरधार्मिक विवाह के कारण इस नफरत के उभार का कोप झेल रहे हैं। अभी जब उन्होंने अपनी पत्नी के कैथोलिक बनने की इच्छा वाला बयान दिया तो मागा (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) समर्थकों और श्वेत राष्ट्रवादियों ने ट्रोलिंग करके उनकी शादी को गलत या गैरअमेरिकी बताते हुए कहा, ऊषा हिंदू ही रहेंगी और अमेरिका के लोग उन्हें कभी अपने देश की फर्स्ट लेडी के रूप में स्वीकार नहीं करेंगे।

> इंडियन बिजनेस एसोसिएशन ने अमेरिका में स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए जो परेड निकाली थी, उसमें बुल्डोजर को भी शामिल किया गया था। ऐसा करते हुए यह भुला दिया जाता है कि वे खुद अमेरिका में अल्पसंख्यक हैं।

मुख्यतः धार्मिक आधार पर नफरत फैलाकर (अन्य उप कारकों को जोड़ते हुए) जनमत बनाना, लोगों को संगठित करना, तेज ध्रुवीकरण करना और सत्ता हासिल करना दुनिया भर में राजनीति के नए सफल मॉडल के रूप में उभर चुका है। डोनाल्ड ट्रंप की राष्ट्रपति के रूप में दूसरी जीत के पीछे इमिग्रेशन डिबेट की बड़ी भूमिका है, जिसने मुस्लिमों, अश्वेतों और भारतीय मूल के लोगों खासकर हिंदुओं के खिलाफ नफरत को हवा दी है। बाइडेन के कार्यकाल में दक्षिण एशिया के लोगों के प्रति नफरत इंटरनेट तक सीमित थी, लेकिन ट्रंप के कार्यकाल में सड़क पर दिखाई देने लगी है। ट्रंप-एलन मस्क-रामास्वामी के बीच इमिग्रेंट मामले को लेकर जो बड़ी बहस हुई, उसके बाद भारतीयों की नौकरी छीनने की धमकियों में पहले की तुलना में 75 फीसदी की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई।

ट्रंप के एच-वन वीजा की फीस बढ़ाने और 104 भारतीयों को जबरन जहाज में भरकर वापस भेजने से उत्तेजना बढ़ी है। सेंटर फार द स्टडी ऑफ आर्गेनाइज्ड हेट के अध्ययन का निष्कर्ष है कि सिर्फ नस्लभेदी पोस्ट्स ही नहीं बल्कि टेक्सास, वर्जीनिया और कैलिफोर्निया में मंदिरों पर हमले के मामले भी बढ़े हैं। कुछ समय पहले केंटकी के स्वामीनारायण मंदिर पर भड़काऊ ढंग से 'जीसस इज द ओनली गॉड' लिख दिया गया था। अमेरिका में रहने वाले भारतीय अपने देश में चल रही राजनीतिक गतिविधियों पर नजर रखते हैं और उनमें एक बड़ा तबका अल्पसंख्यकों के घरों पर बुल्डोजर चलाने जैसी घटनाओं पर खुशी को छिपाता नहीं है।

इंडियन बिजनेस एसोसिएशन ने पिछली बार अमेरिका में 14 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए जो परेड निकाली थी, उसमें बुल्डोजर को भी शामिल किया गया था। ऐसा करते हुए यह भुला दिया जाता है कि वे खुद अमेरिका में अल्पसंख्यक हैं और इस तरह के प्रदर्शन खुद उनके खिलाफ नफरत की राजनीति के उत्प्रेरक बन जाते हैं। भारतीय मूल के लोगों के प्रति नफरत को इतनी हवा दी गई है कि अक्सर त्योहारों पर माहौल खराब होने लगा है। अमेरिका में तीस लाख के आसपास हिंदू हैं। अब यह परंपरा बन चुकी है कि दीवाली पर कैलीफोर्निया प्रांत में सार्वजनिक अवकाश होता है, व्हाइट हाउस में रोशनी होती है, लेकिन इस बार दीवाली पर ट्रंप प्रशासन में उच्च पदों पर बैठे कुछ भारतीय मूल के लोगों को ट्रोल किया गया। डाइरेक्टर आफ नेशनल इंटेलिजेंस तुलसी गाबर्ड और एफबीआई के प्रमुख काश पटेल ने जब दीवाली पर शुभकामनाएं दीं, तो कट्टरपंथियों ने उन्हें गालियां दीं और अमेरिका छोड़कर चले जाने को कहा।

भारतीय मूल के लोग नफरत की राजनीति के इस विस्तार को अपने अस्तित्व पर खतरे के रूप में देखना शुरू कर चुके हैं, जो सोशल मीडिया और दूसरे मंचों पर जाहिर उनकी चिंताओं में दिखाई देने लगा है। अगर वे अमेरिका में दक्षिण एशियाई, अफ्रीकी या अन्य मूल के अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न और अत्याचार की घटनाओं के विरोध में बोलते हैं, तो अपने आप एक ऐसे मोर्चे का निर्माण होगा, जो बहुसंख्यकों की मनमानी पर रोक लगाने की दिशा में सक्रिय हो सकता है। अभी तक ऐसा नही हो पाया है। वे दूसरे पीड़ितों के प्रति सहानुभूति रखेंगे, तो उन्हें भी समर्थन मिलेगा जो उनका सुरक्षा कवच बन सकता है। यहां भारत में अल्पसंख्यक सिख समुदाय से भी सीखा जा सकता है, जिन्होंने आपदा के समय सेवाभाव और परोपकार के कामों से प्रतिष्ठा पाई है और समाज में एक खास जगह बना ली है।

आमने सामने

भाजपा निष्पक्ष चुनाव लड़ती है। अगर हम चुनाव को नियंत्रित करना चाहते, तो अंता चुनाव का नतीजा हमारे पक्ष में होता। अगर हम चुनाव को प्रभावित करते, प्रशासन की मदद लेते या वोटर लिस्ट में हेर-फेर करते तो आज चुनाव हमारी जेब में होता।

-राधा मोहन अग्रवाल

भाजपा प्रदेश प्रभारी, राजस्थान

अंता-उपचुनाव में बीजेपी के कई नेता प्रदेश भाजपा प्रभारी की शह पर अंदरखाने कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार के साथ खड़े थे। राज्य सभा सांसद @AgrawalRMD द्वारा यह कहना कि हम चाहते, इसका अर्थ उन्होंने सीधे निर्वाचन आयोग को अप्रत्यक्ष रूप से अपनी पार्टी के अधीन बताया है।

-हनुमान बेनीवाल

सांसद आरएलपी, राजस्थान

मेगा मर्जर नहीं, नए ग्लोबल बैंकों की जरूरत

रजत मेहरोत्रा

वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

भारत आज दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और अगले कुछ वर्षों में तीसरे स्थान तक पहुंचने की क्षमता रखता है। ऐसे समय में बैंकिंग ढांचे का मजबूत और स्थिर होना बहुत जरूरी है। फिलहाल देश में 12 सरकारी बैंक हैं, जो 2017 से 2020 के बीच 27 बैंकों को मिलाकर बनाए गए हैं। सरकार अब इन 12 बैंकों में भी 'मेगा मर्जर' की बात कर रही है, लेकिन सवाल यह है कि क्या बार-बार बैंकों को मिलाना सच में देश के लिए अच्छा कदम है? क्या इससे भारत को दुनिया के बड़े बैंकों के मुकाबले खड़ा किया जा सकेगा? इसका सीधा जवाब है- नहीं। भारत को मर्जर नहीं, बल्कि नई सोच की जरूरत है। ऐसे नए ग्लोबल बैंक बनाने की, जिनकी नींव शुरू से ही आधुनिक तकनीक, बड़ी पूंजी और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सोच पर रखी जाए।

पिछले कुछ वर्षों में सरकारी बैंकों की हालत बेहतर हुई है। पहले जहां बैंक भारी घाटों और बढ़ते एनपीए से जूझ रहे थे, वहीं 2023–24 में सरकारी बैंकों ने रिकॉर्ड 1.41 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया और 2024–25 में यह बढ़कर लगभग 1.78 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह दिखाता है कि बिना किसी नए मर्जर के भी बैंक अपनी स्थिति सुधार सकते हैं। 2018 में सरकारी बैंकों का खराब ऋण (एनपीए) करीब 14 प्रतिशत था, जो अब घटकर लगभग 3 प्रतिशत के आसपास आ गया है। इससे साफ है कि बैंकों ने खुद को ठीक किया है। ऐसे में यदि फिर से बड़े पैमाने पर मर्जर की योजना लाई जाती है, तो यह पहले से सुधरते सिस्टम में अनावश्यक दबाव डालेगा।

> 2023–24 में सरकारी बैंकों ने रिकॉर्ड 1.41 लाख करोड़ रुपये मुनाफा कमाया, जो 2024–25 में बढ़कर लगभग 1.78 लाख करोड़ तक पहुंच गया। यह दिखाता है कि बिना नए मर्जर के भी बैंक अपनी स्थिति सुधार सकते हैं।

मर्जर का सबसे बड़ा नुकसान यह होता है कि दो या तीन बैंकों को जोड़ने में बहुत पैसा खर्च होता है। कंप्यूटर सिस्टम बदलना, आईटी प्लेटफॉर्म जोड़ना, शाखाएं मिलाना, कर्मचारियों की पोस्टिंग बदलना, पुराने लोगों और ब्रांडिंग हटाना आदि। इस पर हजारों करोड़ रुपये लग जाते हैं, जो ग्राहकों के हित में नहीं होते। यह खर्च सीधे आर्थिक विकास में योगदान नहीं देता, जबकि वही पैसा नए डिजिटल बैंक, आधुनिक तकनीक और ग्लोबल विस्तार पर खर्च किया जाए, तो उसका फायदा अधिक होगा।

दूसरी बड़ी समस्या यह है कि मर्जर के बाद बैंक बहुत बड़े हो जाते हैं, जिससे उनका काम 'तेज़' होने के बजाय 'धीमा' हो जाता है। निर्णय लेने में ज्यादा समय लगता है। शाखाओं में भीड़ बढ़ती है और स्थानीय ग्राहकों के लिए सेवाएं सुचारु नहीं रह पातीं। भारत जैसे देश में, जहां आधी से ज्यादा आबादी गांवों और छोटे कस्बों में रहती है, वहां बैंकों का स्थानीय स्तर पर मजबूत होना ज्यादा जरूरी है। अगर शाखाएं बंद होती हैं या बहुत दूर चली जाती हैं, तो ग्रामीण और छोटे व्यवसाय सबसे ज्यादा परेशान होते हैं।

जब हम अंतर्राष्ट्रीय बैंकों को देखते हैं- जैसे JP Morgan Chase, HSBC, ICBC, तो पता चलता है कि उनकी ताकत सिर्फ उनके आकार में नहीं है, बल्कि उनकी शुरुआत ही ग्लोबल विजन के साथ हुई थी। वे तकनीक पर खड़े हुए, अंतर्राष्ट्रीय लेन-देन में विशेषज्ञ बने और दुनिया भर के बाजारों में फैले। भारत अगर सिर्फ पुराने ढांचे को जोड़कर 'बड़ा बैंक' बनाएगा, तो वह इन दिग्गजों की बराबरी नहीं कर पाएगा। भारत को चाहिए कि वह शुरुआत से ही 2–3 नए 'वैश्विक बैंक' बनाए, जिनकी संरचना डिजिटल हो। जोखिम प्रबंधन आधुनिक हो और पूंजी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जुटाई जाए। ऐसे बैंक भारत को वैश्विक वित्तीय जगत में वह पहचान दिला सकते हैं, जिसकी हमें जरूरत है।

आज भारत की अर्थव्यवस्था 4.1 ट्रिलियन डॉलर के करीब है और अगले पांच साल में सात ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने का लक्ष्य है। इस तेज विकास के लिए ऐसे बैंक चाहिए, जो दुनिया भर में काम कर सकें, न कि केवल घरेलू बाजार तक सीमित रह जाएं। भारत में 2025 तक बैंकिंग क्रेडिट लगभग 220 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ने का अनुमान है। इतनी बड़ी अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए सिर्फ मर्जर से बने 'भारी-भरकम' बैंक पर्याप्त नहीं होंगे। इसके लिए आधुनिक, तेज़ और वैश्विक सोच वाले बैंक चाहिए।

नीति के स्तर पर सरकार को दो समानांतर रास्ते अपनाने चाहिए। पहला, मौजूदा 12 बैंकों को उनकी क्षेत्रीय ताकत के साथ स्वतंत्र और स्थिर काम करने देना। दूसरा, 2–3 नए ग्लोबल बैंक बनाना, जिनका टारगेट 2035 तक दुनिया के टॉप 50 बैंकों में शामिल होना हो। इन नए बैंकों में बोर्ड पूरी तरह पेशेवर हो, टेक्नोलॉजी आधुनिक हो और पूंजी जुटाने की क्षमता अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हो। ऐसे बैंक भारत की आउटबाउंड निवेश, ग्लोबल प्रोजेक्ट फाइनेंस, विदेशी मुद्रा कारोबार और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं।

भारत को यह समझना चाहिए कि मेगा मर्जर से बैंक 'बड़े' तो हो सकते हैं, लेकिन 'वैश्विक' नहीं। भारत की असल जरूरत है, नई नींव पर बने नए ग्लोबल बैंक की। मौजूदा बैंकों को मजबूत रहने दिया जाए और उनके ऊपर अनावश्यक मर्जर का दबाव न डाला जाए। देश को 2047 तक विकसित भारत बनाने की दिशा में बैंकिंग का नया ढांचा चाहिए, जो आधुनिक, तेज, सुरक्षित और वैश्विक हो, इसलिए भारत को मेगा मर्जर नहीं, बल्कि मेगा विजन अपनाना चाहिए और यह विजन नए वैश्विक बैंकों के निर्माण से ही पूरा होगा।

सोशल फोरम

किस्सा मलबे में दबी एक साहसी लड़की का

13 नवंबर 1985 को, कोलंबिया में नेवाडो डेल रुइज ज्वालामुखी फट पड़ा। उसके विस्फोट से मिट्टी, बर्फ और चट्टानों की एक विशाल लहर नीचे की ओर बहती हुई आर्मेरो नामक शहर पर टूट पड़ी। कुछ ही मिनटों में लगभग 23,000 लोगों की जान चली गई। एक 13 साल की बच्ची Omayra Sanchez भी मलबे में दब गई, जिसकी कहानी पूरी दुनिया को झकझोर गई।

शोएब गाजी

ब्लॉगर

जब राहतकर्मी मलबे तक पहुंचे, तो उन्होंने ओमायरा को ठंडे पानी और कंक्रीट के टुकड़ों में कमर तक फंसा हुआ पाया। उसकी टांगें उसके ही घर के मलबे के नीचे दब चुकी थीं और उसके पैरों के नीचे उसकी चाची का शव था, बेहद दर्द में होने के बावजूद, वह अद्भुत शांति के साथ सब कुछ झेल रही थी।

पूरी दुनिया ने 60 घंटे तक रिपोर्टरों के कैमरों के जरिए इस बच्ची की अकल्पनीय हिम्मत को देखा। ओमायरा आसपास के लोगों से प्यार से बात करती, खाने या पानी के लिए पूछती, यहां तक कि यह चिंता करती कि वह स्कूल के लिए देर न कर दे। कभी वह धीरे-धीरे गाना गाती, तो कभी प्रार्थना करती। उसकी काली आंखों में डर भी था और एक अद्भुत साहस भी।

राहतकर्मियों ने हर संभव कोशिश की। पानी निकालने के लिए पंप लाए। उसे सान्त्वना दी। टांगें छुड़ाने की कोशिश की, लेकिन मलबा बहुत भारी था। डॉक्टरों को पता था कि बिना सही उपकरण के उसे निकालना खून बहने से मौत का कारण बन सकता है। इन घंटों में पत्रकार फ्रैंक फोर्नियर ने ओमायरा की तस्वीरें खींचीं। वे तस्वीरें जिन्होंने पूरी मानवता की अंतरात्मा को हिला दिया।

उसकी एक तस्वीर, जिसमें उसकी आंखें खुली थीं, चेहरा फीका और उंगलियां सूजी हुईं। बाद में World Press Photo of the Year का पुरस्कार जीती। यह कला के लिए नहीं, बल्कि उसकी सच्चाई और पीड़ा के लिए सम्मानित हुई।

ओमायरा के आखिरी शब्द प्यार से भरे थे। उसने बचावकर्मियों को धन्यवाद कहा। उसने अपनी मां से कहा- "मत रोना, मैं आराम करने के लिए तैयार हूं।" और 16 नवंबर की सुबह, 60 घंटे से अधिक संघर्ष करने के बाद, उस बहादुर लड़की ने हमेशा के लिए अपनी आंखें बंद कर लीं।

-फेसबुक वाल से

सामयिकी

पीहर की विरासत और बेटियों का दर्द

हर बेटी का अपने मायके से खास लगाव होता है। बेटी माता-पिता के शरीर का अंग होती हैं, पर ये कहानी एक ऐसी बेटी की है, जिसके जिस्म का एक अंग उसके पिता में समाहित हो गया था। नईहर (मायके) में जब ऐसी बेटी के ऊपर चप्पल उठ गई हो, तो उसके दिल को इतनी तकलीफ हुई होगी, जितनी तकलीफ उसे अपने पिता का जीवन बचाने के लिए अपने शरीर को चाक करके किडनी निकालने में भी नहीं हुई होगी।

राजद संस्थापक लालू प्रसाद यादव को अपनी किडनी देने वाली बेटी रोहिणी आचार्य का दर्द जब छलका तो मीडिया की सुर्खियां बन गया। देश के एक बड़े सियासी घराने की ये बात जब घर की दीवारें

सीमा चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

पार कर देश-दुनिया तक पहुंचीं, तो ये घटना सबको अखर रही है। बात बड़े सियासी घराने की थी, तो दुनिया तक पहुंच गई।

सच तो ये है कि रोहिणी जैसी लाखों आम बेटियों का ऐसा दर्द, घर की चाहारदीवारों में सिसक कर खामोश हो जाता है। देश के घर-घर में न जाने ऐसी कितनी कहानियां होंगी, जो मीडिया के जरिए हमारे-आप तक नहीं पहुंच पातीं। ससुराल में तो आम बात है, औरत मायके में भी जुल्म का शिकार होती है। सड़क पर भी और संस्थान में भी।

बेटियां विदा होने के बाद भी मायके में अपनी जिम्मेदारियों निभाने के अवसर तलाश लेती हैं। ससुराल में छोटों को प्यार, बड़ों को सम्मान, पति को दिल और पिता को किडनी तक दे देती हैं। हर बुरे वक्त पर ससुराल से मायके दौड़ कर आ जाने वाली बेटी, विवाह उपरांत पीहर छोड़ती हैं, तो मां-बाप की विरासत को भी उनसे छीन लिया जाता है। सेवा संस्कार का हक तो बचा होता है, पर विरासत और जायदाद का हक उससे छीन लिया जाता है। लालू की पुत्री की कहानी में उससे उसके पिता की सियासत की विरासत का हक नहीं मिल रहा।

घर-घर की यही कहानी है। पुत्र घर का मालिक बन जाता है और पुत्री मेहमान। भाई राखी के बंधन की भी लाज न रखने वाला हो, तो बहन को अपने पिता के घर अपमानित होना पड़ता है। हमारे समाज के सुसंस्कारों में कुछ कुसंस्कार हैं। अन्यायपूर्ण न्याय है। रस्में और रवायतें ऐसी हैं कि हम अपनी बेटियों को पराया बना देते हैं। शायद इसी को पुरुष प्रधान समाज कहते हैं, जहां हम नारी को शक्ति मानते हैं। देवी का दर्जा देते हैं। नौ कन्याओं के पैर धोकर धार्मिक परंपराओं का पालन करते हैं, वहीं प्रयोगात्मक जीवन में बेटी, मां, बहन के साथ अक्सर अमानवीयता कर पुरुष प्रधानता के सुबूत देते हैं।

परवरिश से लेकर शिक्षा तक में पुत्र की अपेक्षा पुत्री से भेदभाव करते हैं। लड़की पराया धन है... मर्द हो तो ये करके दिखाओ... हमने चूड़ियां नहीं पहनी हैं... जैसे मुहावरों से लेकर, सारी गालियां महिलाओं पर घात करती हैं। हम नारी को देवी भी मानते हैं और नारी का तिरस्कार करने का हर मौका ढूंढते रहते हैं, लेकिन ये सत्य है कि लक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा का सम्मान न हो तो घर से शक्ति, धन, यश, कीर्ति, समृद्धि, उन्नति, ज्ञान... सबकुछ रूठ कर चला जाता है।

अपने पिता लालू यादव को किडनी देने वाली बेटी रोहिणी आचार्य को पीहर के घर अपमानित होना पड़ा। उन पर चप्पल उठाई गई, तो एक बहन और बेटी क्या करती! अपनी वेदना व्यक्त की और मायके का घर और भाई से नाता तोड़कर रोती हुई अपनी ससुराल उलटे पैरों वापस हो गईं, जिसके मां-बाप दोनों पूर्व मुख्यमंत्री हों, ऐसी बेटी अपने छोटे भाई के व्यवहार से दुखी होकर मीडिया के सामने अपनी वेदना व्यक्त कर रही है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

कुछ लोगों की लेखनी में ऐसा दम होता है कि उनके शब्द पाठक को बांध लेते हैं। अगर आपको लिखना पसंद है और टेक्नोलॉजी की दुनिया में भी दिलचस्पी है, तो आपके लिए टेक्निकल राइटर के क्षेत्र में सबसे सही करियर विकल्प हो सकता है। यह ऐसा पेशा है, जहां शब्द और मशीन दोनों की भाषा एक साथ चलती है। अमेरिका के यूएस डिपार्टमेंट ऑफ लेबर की रिपोर्ट के मुताबिक, यह क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है। आज आपको बताते हैं कि Technical Writing में अपना भविष्य कैसे बनाएं।

-ज्ञानेंद्र कुमार दीक्षित
असिस्टेंट प्रोफेसर
बीबीडी यूनिवर्सिटी, लखनऊ

टेक्निकल राइटिंग
कलम और की बोर्ड का शानदार संगम

क्या होता है टेक्निकल राइटर

टेक्निकल राइटर वह होता है, जो किसी मशीन, सॉफ्टवेयर या ऐप को इस्तेमाल करने के तरीके को आसान शब्दों में समझाता है। जैसे मोबाइल का यूजर मैनुअल, किसी वेबसाइट का Help सेक्शन या किसी ऐप का गाइड या FAQ पेज-इन सबके पीछे टेक्निकल राइटर की मेहनत होती है। इस पेशे का उद्देश्य यही है कि टेक्नोलॉजी को आम लोगों के लिए समझना आसान बनाया जाए।

कैसे बनें टेक्निकल राइटर

टेक्निकल राइटर बनने के लिए किसी एक खास डिग्री की जरूरत नहीं होती, लेकिन अगर आपने इंग्लिश, मॉस कम्युनिकेशन, जर्नलिज्म या कंप्यूटर साइंस से पढ़ाई की है, तो फायदा जरूर होगा। साथ ही कई ऑनलाइन कोर्स भी उपलब्ध हैं, जो शुरुआती लोगों के लिए मददगार हैं, जैसे- Google Technical Writing Course, Coursera Technical Writing Specialization, इन कोर्सेस से आप सीख सकते हैं कि किसी तकनीकी जानकारी को किस तरह सरल, स्पष्ट और प्रोफेशनल अंदाज में लिखा जाए।

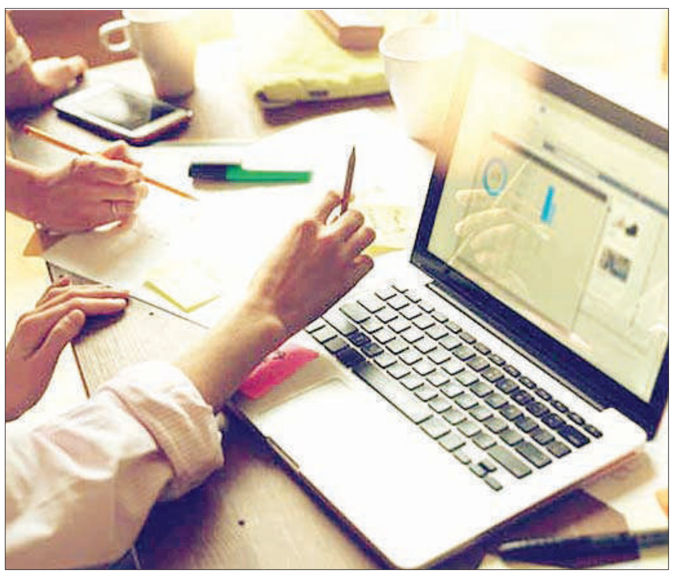

इन क्षेत्रों में अवसर

सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में टेक्निकल राइटर्स की मांग लगातार बढ़ रही है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS), इंफोसिस, इंफोटेक और अन्य बड़ी आईटी कंपनियों में इनकी डिमांड हमेशा बनी रहती है। इसके अलावा विज्ञापन एजेंसियों, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट फर्म्स, मीडिया संस्थानों और यहां तक कि सरकारी विभागों में भी इनकी मांग बढ़ी है। अगर आप स्वतंत्र रूप से काम करना पसंद करते हैं, तो बतौर फ्रीलांसर टेक्निकल राइटर भी अच्छा करियर बना सकते हैं। आज कई वेबसाइट्स और स्टार्टअप्स प्रोजेक्ट-बेस्ड काम देती हैं, जिससे आप घर बैठे अच्छी कमाई कर सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

एक सफल टेक्निकल राइटर बनने के लिए केवल लिखने की क्षमता ही नहीं, बल्कि रिसर्च और तकनीकी समझ भी जरूरी है। इस क्षेत्र में सफलता के लिए आपके पास ये कौशल होने चाहिए–

- साफ और सरल भाषा में लिखने की कला
- रिसर्च करने और जानकारी को संक्षेप में प्रस्तुत करने की क्षमता
- ग्रामर और एडिटिंग की अच्छी समझ
- तकनीकी जानकारी और कंप्यूटर टूल्स की पकड़

कम्युनिकेशन स्किल्स

- डॉक्यूमेंटेशन टूल्स जैसे–MS Word, FrameMaker, Markdown आदि का ज्ञान
- चार्ट, स्क्रीनशॉट या डायग्राम के जरिए चीजों को दिखाने की क्षमता
- टाइम मैनेजमेंट और डेडलाइन पर काम करने की दक्षता

प्रमुख संस्थान

- डॉक्यूमेंटेशन रिसर्च एंड ट्रेनिंग सेंटर, बेंगलुरू
- फॉर सी कंटेंट एक्सपर्ट्स, बेंगलुरू
- टी. डब्ल्यू.बी. इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल कम्युनिकेशन, बेंगलुरू
- टेक्नोप्वॉइंट, बेंगलुरू
- टेक्नोराइटर्स एकेडमी, पुणे
- एक्स.आई.सी, मुंबई
- यूनिवर्सिटी ऑफ कालीकट, केरल

सैलरी एंड करियर ग्रोथ

टेक्निकल राइटिंग के साथ विकास के कई रास्ते भी खुलते हैं। एक प्रवेश-स्तर के तकनीकी लेखक के रूप में शुरुआत करके, आप वरिष्ठ या प्रमुख पदों पर पहुंच सकते हैं या सामग्री रणनीति या सूचना वास्तुकला जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता भी प्राप्त कर सकते हैं। अनुभव के साथ, अपने करियर के दौरान दिशाएं बदलना संभव है। शुरुआती महीनों में 25,000 से 40,000 रुपये तक कमा सकते हैं। अनुभव और विशेषज्ञता बढ़ने के साथ आप सीनियर टेक्निकल राइटर, कंटेंट स्ट्रैटेजिस्ट या इन्फॉर्मेशन आर्किटेक्ट जैसे पदों तक पहुंच सकते हैं, जहां सैलरी 80,000 रुपये या उससे अधिक हो सकती है। आप चाहे तो फ्रीलांसिंग करके घर से भी अच्छा पैसा कमा सकते हैं।

जॉब अलर्ट

बैंक ऑफ बड़ौदा

- पद का नाम : प्राप्य प्रबंधन पद (कॉन्ट्रैक्ट बेस)
- पदों की संख्या : 82
- वेतन : योग्यता या अनुभव के आधार पर
- योग्यता : स्नातक (वरीयता : एमबीए / पीजी डिप्लोमा)
- आयु सीमा : 25 से 52 वर्ष (पदानुसार)
- अंतिम तिथि : 09-12-2025
- वेबसाइट : bankofbaroda.in

ईएसआईसी

- पद का नाम : प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर एवं शैक्षणिक पद
- पदों की संख्या : 256
- योग्यता : पदानुसार
- वेतन : 67,100-1,23,100 रुपये
- वॉक-इन इंटरव्यू तिथि- 24 -25नवंबर, 2025
- वेबसाइट : esic.gov.in

एमपीएमकेवीवीसीएल

- पद का नाम : ट्रेड अप्रेंटिसशिप
- पदों की संख्या : 309
- योग्यता : आईटीआई
- आयु सीमा : 18-25 वर्ष
- अंतिम तिथि : 07 दिसंबर,2025
- वेबसाइट : mpcz.in

ओडिशा हाइड्रो पावर कॉर्पोरेशन लि.

- पद का नाम : इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, वेल्डर ट्रेनी एवं स्टोर कीपर ट्रेनी
- पदों की संख्या : 125
- वेतनमान : 22,500 – 81,100 रुपये (ट्रेनिंग के दौरान 22,700 रुपये स्टाइपेंड मिलेगा)
- आयु सीमा : 18 से 32 वर्ष
- अंतिम तिथि : 11 दिसंबर, 2025
- वेबसाइट : admin.ohpcltd.com

कैंपस में पहला दिन
उत्साह के साथ चिंता भी थी मन में

उस दिन उत्साह, घबराहट और सपनों का एक अद्भुत संगम मेरे मन में उमड़ रहा था। वह दिन था, जब मैं इंटर की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद अपने पसंदीदा पाठ्यक्रम बी.फार्मा. में प्रवेश लेने शहर के एक प्रतिष्ठित कॉलेज में पहुंची थी। यह दिन मेरे करियर की नई यात्रा का पहला पड़ाव था, इसलिए मन में उत्सुकता कुछ ज्यादा ही थी। मैं समय से पहले कॉलेज पहुंच गई और जैसे ही गेट के अंदर कदम रखा, लगा मानो किसी बिल्कुल नई दुनिया में प्रवेश कर रही हूं। विशाल इमारतें, प्रयोगशाला से आने वाली हल्की-सी महक, सफेद कोट पहने वरिष्ठ विद्यार्थी, यह सब कुछ मुझे बरबस ही आकर्षित कर रहा था।

इंटर की मेरिट अच्छी होने के कारण मुझे आसानी से प्रवेश मिल गया। अपनी कक्षा तक पहुंचते हुए रास्ते भर दिमाग में कई सवाल उठ रहे थे। क्या मैं सबके बीच तालमेल बिठा पाऊंगी? क्या पढ़ाई बहुत कठिन होगी? क्या नए माहौल में मैं खुद को समायोजित कर पाऊंगी? यह सोच ही रही थी कि तभी दो-तीन नई छात्राओं से बात हुई और कुछ ही मिनटों में हम एक-दूसरे के साथ सहज हो गए। यह छोटी-सी बातचीत मेरे लिए आत्मविश्वास का पहला कदम बन गई।

कक्षा शुरू हुई, तो प्रोफेसर ने बी फार्मा की पढ़ाई, दवाओं के विज्ञान और इस क्षेत्र की जिम्मेदारियों को बड़े सरल, लेकिन प्रभावी अंदाज में समझाया। उनका कहना था कि यह केवल एक डिग्री नहीं, अपितु मानवीय सेवा से जुड़ा हुआ एक संवेदनशील पेशा है। उनकी बातें सुनकर मेरे मन में गर्व और उत्साह का संचार हुआ। जब उन्होंने हमें बताया कि आने वाले दिनों में हमें प्रयोगशालाओं में काम करना होगा, विभिन्न रसायनों से परिचित होना होगा और औषधि निर्माण के छोटे-छोटे प्रयोग करने होंगे, तो मेरे भीतर की जिज्ञासा फिर से जाग उठी। दोपहर में हम कैंटीन गए, जहां माहौल पूरी तरह अलग था। वहां हंसी-मजाक, बातचीत और नए संबंधों की शुरुआत का सुंदर मिश्रण था। हमने अपने-अपने स्कूल के अनुभव, घर की बातें और भविष्य के सपने साझा किए। कुछ ही घंटों में जो लोग अजनबी थे, वे अब दोस्त जैसा महसूस होने लगे।

प्रथम दिन का सबसे रोमांचक हिस्सा था-फार्मेसी लैब का पहला दौरा। पारदर्शी बोतलों में रखे रंग-बिरंगे रसायन, व्यवस्थित उपकरण, बड़े-बड़े मापयंत्र यह सब कुछ मैंने बड़ी उत्सुकता से देखा। मुझे महसूस होने लगा कि यही वह जगह है, जहां आने वाले चार वर्षों में मैं अपने सपनों को आकार दूंगी। जब शाम को कॉलेज से बाहर निकली, तो सुबह की घबराहट मानो कहीं गायब हो चुकी थी। उसकी जगह नई ऊर्जा और आत्मविश्वास ने ले ली थी। यह सिर्फ कॉलेज का पहला दिन ही नहीं था, बल्कि यह मेरी पेशेवर यात्रा की नींव रखने वाला दिन था, जो मुझे हमेशा याद रहेगा और आगे बढ़ने की मुझे हमेशा ही प्रेरणा देता रहेगा।

-प्रेरणा अवस्थी
लखीमपुर खीरी

नोटिस बोर्ड

- बरेली कॉलेज एवं क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय के संयुक्त प्रयास से 21 नवंबर (शुक्रवार) को विशाल रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। आयोजन नए परीक्षा भवन में सुबह 9 बजे से होगा। मेले में निजी क्षेत्र की लगभग 25 प्रतिष्ठित कंपनियां भाग लेंगी, जो लगभग 2000 रिक्तियों पर चयन करेंगी।
- 26 नवंबर से एचबीटीयू में बायोगैस पर विशेष कार्यशाला आयोजित होगी। यह कार्यशाला चार दिन तक चलेगी। बायो कैमिकल इंजीनियरिंग विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यशाला में उद्यमी भी शामिल होंगे।

डिग्री के बिना सफलता की राह करें आसान

कई बार हालात ऐसे बन जाते हैं कि हम चाहकर भी अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाते। कोई कॉलेज तक नहीं पहुंच पाता, तो कोई बीच में ही पढ़ाई छोड़ देता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि करियर रुक गया। आज का समय स्किल का है और अगर आपके पास सही स्किल है, तो डिग्री न होने के बावजूद भी आप शानदार कमाई कर सकते हैं। आज हम ऐसे ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स के बारे में बात करेंगे, जो आने वाले समय में सबसे ज्यादा मांग वाले स्किल बनेंगे और जिनके जरिए आप आसानी से अच्छी नौकरी भी पा सकते हैं। –फीचर डेस्क

ये कोर्स काफी डिमांड में होंगे

साल 2026 तक कई ऐसे ऑनलाइन सर्टिफिकेशन मौजूद होंगे, जो टेक्नोलॉजी और बिजनेस के फील्ड में इंडस्ट्री द्वारा मान्यता प्राप्त होंगे और डिग्री की जगह ले सकेंगे। जी हां, डिग्री की जगह। मतलब अब आपको डिग्री लेने की जरूरत नहीं है। आप बस ये ऑनलाइन कोर्स भी कर सकते हैं।

AWS सॉल्यूशंस आर्किटेक्ट

अमेजन वेब सर्विसेज का यह कोर्स क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर डिजाइन करने की ट्रेनिंग देता है। इस कोर्स के बाद छात्रों को सर्टिफिकेट दिया जाएगा। यह कोर्स मुख्य AWS सेवा जैसे कि कंप्यूट, स्टोरेज, नेटवर्किंग और सुरक्षा के बारे में छात्रों को बताता है। साथ ही AWS के Well-Architected Framework के बारे में छात्रों को जानकारी देता है।

सर्टिफाइड स्क्रम मास्टर

स्क्रम मास्टर प्रमाणन (सीएसएम) एजाइल मैनेजमेंट के बारे में बताता है। सॉफ्टवेयर के फील्ड में डेवलेपमंट के लिए ये कोर्स काफी महत्वपूर्ण है। इस कोर्स में भी सर्टिफिकेट दिया जाता है।

हबस्पॉट कंटेंट मार्केटिंग सर्टिफिकेशन

डिजिटल मार्केटिंग में करियर बनाना है, तो ये कोर्स कर सकते हैं। इस कोर्स में कॉन्टेंट स्ट्रैटजी और इनबाउंड मार्केटिंग के बारे में बताया जाता है। ये आम मार्केटिंग कोर्स से ज्यादा महत्वपूर्ण है।

प्रोजेक्ट मैनमेंट प्रोफेशनल (PMP)

किसी भी छोटे-बड़े प्रोजेक्ट को हैंडल करने के लिए एक्सपर्ट की जरूरत पड़ती है। ऐसे में ये कोर्स काफी महत्वपूर्ण है। कई जगहों पर इस सर्टिफिकेट कोर्स को डिग्री के बदले स्वीकार भी किया जाता है। इन्हें 12-22 लाख रुपये प्रति वर्ष सैलरी मिलती है।

माइक्रोसॉफ्ट सर्टिफाइड फंडामेंटल्स

क्लाउड कंप्यूटिंग और माइक्रोसॉफ्ट के बारे में इस कोर्स के बताया जाता है। इस कोर्स की मदद से आप क्लाउट कंप्यूटिंग से जुड़े स्किल्स सीख पाएंगे। यह एक सर्टिफिकेट कोर्स है।

सर्टिफाइड डाटा प्रोफेशनल (CDP)

डेटा से जुड़े स्किल्स की मार्केट में काफी मांग है। इस कोर्स में सर्टिफिकेट दिया जाएगा। इस कोर्स में नौकरी के काफी अवसर मिलते हैं। अनुभव के साथ ही सैलरी लाखों में मिलती है।

न्यूज ब्रीफ

उधार रुपये देने से मना करने पर युवक को पीटा

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : शहर के मोहल्ला प्रकाश नगर निवासी पंकज ने बताया कि वह महेवागंज बाजार से लौटकर घर जा रहा था। मोहल्ले में शाम करीब चार बजे प्रकाश धोबी के घर के पास संतोष, रामलखन और रामलखन की पत्नी ने रास्ता रोककर उससे तीन हजार रुपये उधार मांगे। मना करने पर सभी भड़क गए और लात-घूंसों से उसकी पिटाई शुरू कर दी। आरोपी संतोष ने उसकी अलुमिनियम की कढ़ाई छीनकर सिर पर मार दी, जिससे गंभीर चोट आई है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पॉक्सो एक्ट के आरोपी को किया गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना मैलानी पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के मामले में फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसका चालान भेजा है। एसआई योगेंद्र सिंह ने बताया कि गांव उजागरपुर निवासी हरिपाल उर्फ पाला पॉक्सो एक्ट का आरोपी है। काफी समय से पुलिस उसकी तलाश कर रही ती। बुधवार को पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर चालान भेजा है।

गुलरिया चीनी मिल ने किया बकाया भुगतान

भानपुर, अमृत विचार : गुलरिया चीनी मिल ने पेराई सत्र 2025-26 का पहला गन्ना मूल्य भुगतान जारी कर दिया है। मिल प्रशासन ने 29 अक्टूबर से 14 नवंबर, 2025 के बीच किसानों से खरीदे गए गन्ने का कुल 47 करोड़ 48 लाख 21 हजार रुपये किसानों के बैंक खातों में भेज दिए हैं। मिल के मुख्य महाप्रबंधक योगेश कुमार सिंह ने किसानों से अधिक से अधिक मात्रा में गन्ना आपूर्ति करने की अपील की है, ताकि उनका बेसिक कोटा बढ़ाया जा सके।

मोबाइल बरामद आरोपी गिरफ्तार

भीरा, अमृत विचार : प्रभारी निरीक्षक गोपाल नारायण सिंह ने बताया कि वह बुधवार की दोपहर मैलानी चौराहा पर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इसी बीच उनकी नजर पुलिस को देख कर छिपने की कोशिश कर रहे गोला कोतवाली के गांव लाल्हापुर निवासी विमल श्रीवास्तव पर पड़ी। पुलिस ने उसे पकड़कर तलाशी ली तो उसके पास चार महीने पहले बस्तौली नहर पटरी पर गांव हरैया के पास मुंडा सवारान निवासी नौशाद का लूटा गया मोबाइल बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी का चालान भेजा है।

एसडीएम के फरमान से फूटा गुस्सा, छह घंटे बंद रहे कोल्हू

जलालपुर में कोल्हू मालिकों ने गन्ना खरीद रोकी, सड़कों पर गन्ना भरे वाहनों की लगी लाइनें, छह घंटे बाद तौल शुरू हुई तब खुला जाम

संवाददाता, केशवापुर/गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः तहसील गोला क्षेत्र में मंगलवार को प्रशासन की कार्रवाई के बाद कोल्हू संचालकों और किसानों में भारी नाराजगी देखने को मिली। जलालपुर सहित आसपास के क्षेत्रों में गन्ना कोल्हुओं पर छापेमारी और पांच कोल्हुओं को बंद कराए जाने के बाद बुधवार सुबह हालात बिगड़ गए। कोल्हू संचालकों ने नियमों की अचानक सख्ती से परेशान होकर गन्ना खरीदने से इनकार कर दिया, जिसके चलते सुबह होते ही जलालपुर की सड़कों पर गन्ना भरे वाहनों की कई किलोमीटर लंबी कतारें लग गईं। सुबह पांच बजे से लेकर दिन में 11 बजे तक तौल नहीं हुई। इस बीच तहसील प्रशासन और पुलिस के हस्तक्षेप बाद छह घंटे बाद तौल शुरू की गई, तब जाम खुल सकी।

एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी के नेतृत्व में सहायक पर्यावरण अभियंता, खाद्य सुरक्षा अधिकारी,

जलालपुर में गन्ना कोल्हुओं पर तौल न होने से लगी भीड़। ● अमृत विचार

खांडसारी अधिकारी और राजस्व टीम ने मंगलवार को जलालपुर व सिकंद्राबाद क्षेत्र में चल रहे गन्ना कोल्हुओं की व्यापक जांच की। नीची चिमनियों से निकल रहे काले धुएँ और प्रदूषण नियंत्रण के नियमों का पालन न होने पर टीम ने जलालपुर के तीन और सिकंदराबाद के दो कोल्हू तत्काल प्रभाव से बंद करा दिए। टीम ने चिमनियों की ऊंचाई, वेट स्क्रबर, प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों, साफ-सफाई, लाइसेंस और संचालन प्रपत्रों की गहन जांच की।

कार्रवाई की खबर फैलते ही

● **किसानों का हंगामा, प्रशासन की नरमी के बाद बनी सहमति**

क्षेत्र के अन्य कोल्हू मालिकों में भी भय का माहौल बन गया। बुधवार सुबह रोज की तरह पांच बजे कोल्हू नहीं चले। उधर, गन्ना भरे वाहन एकत्र होने लगे। जलालपुर के कोल्हू संचालकों जमील अहमद, बड़े मुन्ना, गुफरान खान, महफूज आलम, अखिलेश गुप्ता, रामभजन, दिलीप वर्मा, मनोज वर्मा, बबलू राठौर और अन्य ने एकजुट होकर गन्ना खरीद बंद करने का फैसला ले लिया। इस

जलालपुर में कोल्हुओं पर लगी गन्ना भरे वाहनों की कतार। ● अमृत विचार

किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष ने लगाए आरोप

जानकारी मिलते ही भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक) के जिलाध्यक्ष कुलवंत सिंह जोशन मौके पर पहुंचे और प्रशासन पर चीनी मिलों का पक्ष लेने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगर किसी प्रकार की खामी थी तो अधिकारी सीज़न शुरू होने से पहले नोटिस जारी कर सकते थे। उन्होंने यह भी कहा कि किसानों को गन्ना मूल्य का बकाया भुगतान महीनों से नहीं मिल रहा, लेकिन इस पर कोई अधिकारी कार्रवाई नहीं करता, लेकिन कोल्हुओं पर अचानक हुई सख्ती से किसानों की कमर टूट गई है।

निर्णय के बाद हालात बिगड़ गए। 20 से 25 किलोमीटर दूर से आए हजारों किसानों के वाहन सड़क पर ही फंस गए।

गेहूं की बुवाई के महत्वपूर्ण समय में किसानों ने आरोप लगाया कि चीनी मिलों से पर्चियां नहीं मिल रहीं, इसलिए मजबूरी में कोल्हुओं पर गन्ना बेचने आए हैं। गन्ना न तौलने से नाराज किसानों ने सड़क पर जाम लगा दिया, हंगामा शुरू कर दिया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। मौके पर तनाव बढ़ता देख राजस्व विभाग के लेखपाल जयप्रकाश वर्मा ने स्थितियों की जानकारी उच्चाधिकारियों को दी।

भदेड़ निवासी गन्ना किसान बाबूराम ने कहा कि 25 किलोमीटर दूरी से गन्ना लेकर जलालपुर सुबह आए हैं। ट्रैक्टर में बैटरी न होने की वजह से ट्रैक्टर सुबह से ही स्टार्ट खड़ा है। बताया गुलरिया चीनी मिल से गन्ना पर्ची न मिल पाने की वजह से कोल्हू पर बेचने को मजबूर हैं।

मुड़िया खेड़ा निवासी गन्ना किसान सुरेश चंद 35 किलोमीटर दूरी से गन्ना बेंचने आए थे। हरगांव चीनी मिल क्षेत्र के किसान पर्ची न मिलने से परेशान हैं। गेहूं बुवाई करनी है, जिस वजह से गन्ना कोल्हू पर बेच रहे है।

वार्ता के बाद नरमी, चिमनियों पर मिली अस्थाई राहत

स्थिति को संभालने के लिए एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी ने कोल्हू संचालकों को तत्काल गोला बुलाकर वार्ता का प्रस्ताव भेजा। प्रतिनिधि मंडल गोला पहुँचा, जहाँ एसडीएम ने उनकी समस्याएं सुनीं। वार्ता के दौरान प्रशासन ने इस वर्ष चिमनियों से जुड़े मानकों में अस्थायी छूट दे दी, जबकि प्रदूषण नियंत्रण और साफ-सफाई से जुड़ी अन्य खामियों को 15 दिनों के भीतर दुरुस्त करने का लिखित आश्वासन कोल्हू संचालकों से लिया गया। आपसी सहमति बनने के बाद कोल्हू संचालकों ने गन्ना खरीद पुन: शुरू कर दी। शाम तक हालात सामान्य होते दिखे और किसानों ने राहत की सांस ली। गन्ना खरीद बंद रहने से किसानों और कोल्हू संचालकों की नाराजगी ने जिस तरह प्रशासन को वार्ता के लिए मजबूर किया, वह साफ दर्शाता है कि गन्ना सीजन में नियमों की सख्ती और किसानों की मजबूरी के बीच संतुलन बनाना प्रशासन के लिए सबसे बड़ी चुनौती है।

कुकरा गोला मार्ग छह माह तक रहेगा बंद

संवाददाता, कुकरा

अमृत विचारः कुकरा से गोला मार्ग पर गन्ना व धान किसानों की सबसे अधिक आवाजाही रहती है। ठीक ऐसे समय में क्षेत्र के प्रमुख गोला कुकरा मार्ग को एक जर्जर पुलिया के नाम पर पूरे छह माह के लिए बंद करने के फैसले ने किसानों, मजदूरों और परिवहनकर्ताओं में भारी उबाल पैदा कर दिया है। ग्रामीणों ने इसे सीधे विभाग की तानाशाही, लापरवाही और किसान विरोधी मानसिकता करार दिया है।

कसबा कुकरा, ग्रंट नंबर तीन, पहाड़ नगर, पहाड़पुर, सिकंदरपुर, खंजनपुर, जटपुरा, रोशननगर, मूड़ा, खजुआ, सलेमपुर, सैनपुर, बंगाली कॉलोनी, चंद्रापुर सहित तीन दर्जन से अधिक गांवों का गन्ना इसी मार्ग से प्रतिदिन चीनी मिलों एवं धान मंडी एवं सब्जी मंडी गोला तक पहुंचता है। ऐसे में इस रास्ते को बंद किया जाना

कुकरा से गोला जंगल मार्ग पर जर्जर पुलिया। ● अमृत विचार

किसानों की आमदनी, समय और श्रम सब पर गहरा प्रभाव पड़ेगा। किसान नाराज हैं कि विभाग ने न तो समय से मरम्मत कराई, और न ही कोई अग्रिम सूचना, न ही वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराया। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिया नई क्षतिग्रस्त नहीं हुई। बल्कि सालों से जर्जर पड़ी थी, मगर विभाग ने आंखें मूंदे रखीं। यह काम बरसात के मौसम में हो सकता था। आज जब हजारों किसानों का गन्ना कटकर एवं धान तैयार है, तब विभाग अचानक जागा और सड़क बंद कर दी, जिसे लोग एक योजनाबद्ध लापरवाही बता रहे हैं, जिसका खामियाजा अब आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।

गरीब मजदूर किसान पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव केके यादव ने विभाग पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यह निर्णय किसान विरोधी ही नहीं बल्कि खुलेआम मनमानी है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि वैकल्पिक मार्ग नहीं बनाया गया और किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो गरीब मजदूर किसान पार्टी बड़ा आंदोलन खड़ा करेगी।

जिले में कल से शुरू होंगे सामूहिक विवाह समारोह

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत जिले में होने वाले सामूहिक विवाह समारोह शुक्रवार से शुरू होने जा रहे हैं। प्रशासन ने 21 से 25 नवंबर तक प्रस्तावित सभी कार्यक्रमों की तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस बार जिले के विभिन्न ब्लॉकों में कुल 896 जोड़े विवाह बंधन में बंधेंगे। सभी विवाह स्थल, तिथियां, सामग्री और व्यवस्थाएं अंतिम रूप ले चुकी हैं। जिम्मेदार अधिकारियों ने सभी तैयारियों की समीक्षा कर आयोजन को गरिमामय व सुव्यवस्थित रखने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह का पहला बड़ा आयोजन 21 नवंबर को मोहम्मदी के फुलवारी गेस्ट हाउस में होगा। यहां 128 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया जाएगा। इस समारोह

● **896 जोड़े बनेंगे जीवन साथी, 21 से 25 तक अलग-अलग ब्लॉकों में तैयारियां पूरी**

में मोहम्मदी ब्लॉक के साथ पसगवां व बरबर के भी लाभार्थी जोड़े शामिल होंगे। विवाह अनुष्ठान के लिए पंडाल, मंच, वरमाला, भोजन एवं दूल्हा-दुल्हन कक्ष की पूरी व्यवस्था कर दी गई है। स्थानीय प्रशासन ने स्थल का निरीक्षण कर सभी सेवाओं की उपलब्धता को सुनिश्चित किया है। इसी दिन गोला के गेस्ट हाउस में भी सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया जाएगा। यहां गोला के अलावा बिजुआ और भीरा के भी जोड़ों का विवाह होगा। कुल 128 जोड़े इस आयोजन के माध्यम से वैवाहिक जीवन की शुरुआत करेंगे। ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले वर-वधुओं के लिए परिवहन, पंजीकरण और सत्यापन की विशेष व्यवस्था की गई है। जिले का एक

सीडीओ ने बनाई सामग्री जांच समिति

सीडीओ अभिषेक कुमार ने सामूहिक विवाह में दिए जाने वाले उपहारों और सामग्री की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए जिलास्तरीय कमेटी का गठन किया है। समिति यह सुनिश्चित करेगी कि वेंडर किसी प्रकार की सामग्री में हेरफेर न कर सकें। उपहार पैकेट और वस्त्रों की जांच कार्यक्रम से पहले ही कर ली जाएगी। कमेटी के निर्देशानुसार वेंडरों को साफ हिदायत दी गई है कि किसी भी प्रकार की शिकायत पर उनके खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

896 जोड़ों की सूची तैयार, विभागों को सौंपी गई जिम्मेदारी

समाज कल्याण विभाग के अनुसार सभी 896 जोड़ों का सत्यापन कार्य पूरा हो चुका है। संबंधित विभाग जैसे स्वास्थ्य, नगर निकाय, बिजली, पुलिस और परिवहन को समारोह स्थलवार जिम्मेदारियाँ सौंप दी गई हैं।

और प्रमुख समारोह 23 नवंबर को पलिया के हरिशंकर गेस्ट हाउस में आयोजित किया जाएगा। यहां नगर व आसपास के क्षेत्रों के बड़ी संख्या में लाभार्थी जोड़े विवाह बंधन में बंधेंगे। कार्यक्रम स्थल पर साज सज्जा, मंच व्यवस्था, भोजन, सुरक्षा तथा धार्मिक अनुष्ठान कराने के लिए पंडितों की तैनाती कर दी गई है। प्रत्येक विवाह स्थल पर पुलिस बल की तैनाती, मेडिकल टीम और अग्निशमन उपकरण उपलब्ध रहेंगे। अधिकारियों को समारोह के दौरान लगातार उपस्थिति बनाए रखने का आदेश दिया गया है ताकि कोई असुविधा न हो।

गुरुद्वारा कमेटी ने एसपी से की शिकायत

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा ने बुधवार को एसपी संकल्प शर्मा से मुलाकात की और एक शिकायती पत्र देकर आश्रम की भूमि पर अवैध कब्जे की कोशिश करने का आरोप लगाया है।

समिति अध्यक्ष कुलवंत सिंह खैरा ने एसपी को बताया कि थाना फरधान क्षेत्र के गांव दुर्गापुर में स्थित गाटा संख्या 233 (क्षेत्रफल 3.3680 हे.भूमि राजस्व अभिलेखों में गुरु नानक वृद्ध आश्रम के नाम दर्ज है और इसकी देखरेख गुरुद्वारा समिति द्वारा की जाती है। आरोप लगाया है कि नवनीत सिंह अजमानी तथा उनके परिजन आश्रम की भूमि पर व्यक्तिगत कब्जा जमाने और उससे लाभ लेने का

● **आश्रम भूमि को लेकर न्यायालय आदेश की अवमानना का आरोप**

प्रयास कर रहे हैं। समिति ने बताया कि इससे पहले भी भूमि के कुछ हिस्सों पर कब्जे के आरोप इनके ऊपर लग चुके हैं। आश्रम द्वारा बोई गई बाजरे की फसल पूरी तरह तैयार थी, लेकिन न्यायालय द्वारा यथास्थिति बनाए रखने के स्पष्ट आदेश के बावजूद विपक्षी पक्ष ने खेत को जोतकर उसका स्वरूप बदलने का प्रयास किया। गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा ने इस पूरे प्रकरण की शिकायत मुख्यमंत्री को भी भेजी है। समिति ने मांग की है कि है कि न्यायालय के आदेशों का सख्त पालन कराया जाए। आश्रम की भूमि एवं फसल को नुकसान से बचाया जाए।

खेल गतिविधियों के साथ सीखेंगे बच्चे

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : अब स्कूली बच्चों को दस बिना बैग के ही स्कूल जाना होगा। वहां से उस दिन मस्ती की पाठशाला चलेगी। जहां बच्चे खेल गतिविधियों के माध्यम से प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त करेंगे। इसको लेकर महानिदेशक ने परिषदीय विद्यालयों में शनिवार को बैगलेस डे लागू किया है। इस दिन बच्चों को समूह आधारित शिक्षा एवं राष्ट्रीय संकल्पनाओं के साथ प्रति जागरूक किया जाएगा। साथ ही व्यावहारिक और कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा। ताकि वह समय के अनुरुप विकसित हो सके।

जनपद में परिषदीय विद्यालयों की कुल संख्या 1508 है, जिनमें 291 कंपोजिट, 928 प्राथमिक और 280 उच्च प्राथमिक विद्यालय शामिल हैं।

● **एनईपी 2020 के तहत कक्षा छह से आठ तक के छात्र सत्र में 10 दिन बिना बैग के जाएंगे स्कूल**

इसके अलावा नौ कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय भी संचालित हैं, जिनमें कक्षा एक से आठ तक 162134 छात्र-छात्राएं पंजीकृत हैं। शासन स्तर से इन विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को निपुण बनाने पर जोर दे रही है। इसके बाद और खेल गतिविधि के माध्यम से सशक्त और व्यवहारिक प्रशिक्षण देने के लिए प्राथमिक ओर उच्च प्राथमिक विद्यालयों में हर शैक्षिक सत्र में 10 बैगलेस डे घोषित किए हैं। इस संबध में महानिदेशक स्कूली शिक्षा मोनिका रानी ने आदेश भी जारी किया है। जिसके अनुसार बिना बैग के बच्चे स्कूल बुलाकर तनावमुक्त व गतिविधि आधारित शिक्षा से जोड़ा जाएगा। जहां गतिविधि व प्रोजेक्ट आधारित शिक्षण, विभिन्न क्लबों का गठन, स्पोर्टस गतिविधियां, लर्निंग बाई डुइंग कार्यक्रम के तहत क्विज प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। साथ ही शैक्षिक भ्रमण भी कराया जाएगा। छात्र-छात्राओं में व्यावहारिक और अनुभवात्मक शिक्षा दी जाएगी। कुल 34 तरह की गतिविधियों कराई जाएगी,ताकि छात्र-छात्राओं को बौद्धिक, शारीरिक क्षमता बढ़ सके और वह सही दिशा का चयन कर सके। जिला समन्वयक जितेंद्र कुमार ने बताया कि बैगलेस डे प्रत्येक शनिवार को मनाया जाएगा। इस कार्यक्रम फरवरी तक संचालित होगा। जिसके तहत नवंबर में दो, दिसंबर में चार, जनवरी में दो और फरवरी में दो बैगलेस डे निर्धारित किए गए हैं।

तय समय पर नहीं बना शारदा का पीपा पुल

संवाददाता, भानपुर

अमृत विचारः बिजुआ विकास खंड में शारदा नदी पर हर साल लगने वाला पीपा पुल इस बार तय समय सीमा में स्थापित नहीं हो सका है। लोक निर्माण विभाग वैसे तो 15 नवंबर तक पुल लगा देता था, लेकिन इस वर्ष अभी तक पुल न बनाए जाने से ग्रामीणों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

पिछले कई सालों से बरसात समाप्त होने के बाद जब शारदा नदी का पानी काफी कम हो जाता है। तब पीडब्ल्यूडी रामनगर कलां के पास पीपों का पुल लगाता था। पीपा पुल निघासन और बिजुआ को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण मार्ग है, जिससे रामनगर कला के साथ ही दौलतपुर, दम्बल टांडा, रेवतीपुरवा, रमेश्वरापुर सहित आसपास के

शारदा नदी पर बना अधूरा पीपों का पुल। ● अमृत विचार

● **आवागमन को लेकर लोगों की बढ़ी मुसीब**

अनेक गांवों के लोगों को आने-जाने में काफी सहूलियत होती थी, लेकिन इस बार अभी तक पुल का कार्य पूरा नहीं हो सका है। इससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अवर अभियंता आरसी वर्मा ने बताया कि इस बार नदी में जलस्तर सामान्य से अधिक है और तटों पर दलदली स्थिति बनी हुई है। साथ ही, पुल का ठेका भी देर से खुला, जिससे निर्माण कार्य प्रभावित हुआ। किसानों द्वारा फसलें बो देने के बाद पीपों को ले जाने के रास्ते भी बाधित हो गए, जिसके कारण ठेकेदार को लगभग दो किलोमीटर दूर से पीपे ढोने पड़ रहे हैं। फिलहाल पुल का लगभग 30 प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया गया है और जल्द ही यातायात बहाल करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

सर्दी शहर से गांव तक शुरू हुआ रजाई-गद्दे का काम

जिले में चलने लगीं धुनाई मशीनें

संवाददाता, मूड़ा सवारान

अमृत विचारः सर्दी की दस्तक के साथ ही रजाई गद्दे का काम शुरू हो गया है जहां एक तरफ रजाई गद्दों के लिए कपड़े की खरीद शुरू हो गई है वहीं दूसरी ओर रुई बेचने वालों के साथ रजाई-गद्दे भरने और धागा डालने वालों को काम मिल गया है। चार घंटे में रजाई-गद्दा तैयार कर ग्राहकों को दे दिया जाता है।

नवंबर में शहर से लेकर गांव तक रजाई-गद्दे का कारोबार शुरू गया है। रुई बेचने वाले, रजाई भरने वाले, भरने के बाद तागा डालने वाले लोगों का काम शुरू हो गया है। लोग रुई धुनने की मशीन लगाकर काम कर रहे हैं।बाजार से रुई खरीदने के बाद मशीन वालों को तैयार करने के लिए देते हैं। रजाई-गद्दा भरने के बाद धागा डालने के काम में सबसे अधिक महिलाएं लगी हैं।

काम में लगे वारिस अली, फुरकान अली, मोहम्मद दिलशाद,

पड़रिया तुला में रजाई तैयार करते लोग। ● अमृत विचार

कंबल के चलन से रजाई का धंधा ठंडा

रजाई-गद्दे भरने वाले पड़रिया तुला निवासी राकेश गौड़, रमेश गौड़ आदि ने बताया कि कंबल के बढ़ते चलन से रजाई का कारोबार ठंडा पड़ रहा है। रजाई की जगह कंबल ने ले ली है जिसकी वजह से रजाई तैयार करने वालों का काम 50 फीसदी घट गया है। अधिकतर लोग कपड़ा, रुई खरीदने, फिर रजाई भरवाने और उसमें धागा डलवाने के झमेले से बचने के लिए बाजार से कंबल खरीद कर सर्दी की व्यवस्था कर लेते हैं। जिससे इस कारोबार से जुड़े लोगों का काम मंदा हो गया है।

अनिल राठौर आदि लोगों ने बताया कि तीन चार माह में पूरे परिवार के साथ काम करने पर साल भर के खान-पान की व्यवस्था हो जाती है। लेकिन अब रजाई-गद्दा का कारोबार कुछ ठंडा पड़ गया है। और उनके काम में पहले की अपेक्षा कमी आ गई है। बताया कि एक दशक पूर्व तक यह काम सर्दी के मौसम में बड़ी तेजी से चलता था। लेकिन अब रजाई तैयार करने के प्रति लोगों का रुझान कम हो गया है। लोग रजाई भरवाने की बजाय कंबल खरीदने में अधिक दिलचस्पी ले रहे हैं।

नारी शक्ति दिवस के रूप में मनाई रानी लक्ष्मीबाई जयंती

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचारः शहाबुद्दीनपुर अजान स्थित रानी लक्ष्मीबाई कन्या इंटर कॉलेज में रानी लक्ष्मीबाई की जयंती नारी शक्ति दिवस के रूप में मनाई गई।

कॉलेज के प्रधानाचार्य सर्वेश कुमार वर्मा ने रानी लक्ष्मीबाई के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की तथा उनके महान कार्य से छात्राओं को अवगत कराया। सर्वेश वर्मा ने छात्राओं को बताया कि आज नारी शक्ति की मिसाल देने वाली रानी लक्ष्मीबाई की जयंती है। झांसी की रानी लक्ष्मीबाई भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की ऐसी नायिका रही जिनके पराक्रम और साहस का जिक्र आज भी समय-समय पर किया जाता है। कहा कि राष्ट्र प्रेम आज भी महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। शशिधर पांडे इंचार्ज, सत्येंद्र कुमार, भूपेन्द्र कुमार, अंकुल शर्मा, दिनेश, सौरभ राठौर, सर्वेश, संजना, सुरभि बाजपेई, लवली, कृष्णकांत प्रजापति, उमेर, प्रसून, शैंकी, तूबानाज़, दीपा, प्रगति, श्याम किशोर आदि मौजूद रहे।

ओवरलोड सवारियों से भरी बस का 38वीं बार चालान

संवाददाता, निघासन

अमृत विचारः बुधवार को निघासन क्षेत्र की ट्रैफिक व्यवस्था का जायजा लेने निकले सीओ शिवम कुमार ने पलिया रोड पर खड़ी एक ओवरलोड बस की जांच की। बस में क्षमता से अधिक सवारियां मिलने और कागजातों में खामियां पाए जाने पर उसका चालान कराया। पुलिस के मुताबिक बस का अब तक 38 बार चालान हो चुका है। सीओ ने अगली बार नियमों का उल्लघंन करते मिलने पर बस सीज करने की चेतावनी दी है।

सीओ शिवम कुमार बुधवार को नगर में ट्रैफिक व्यवस्था का जायजा ले रहे थे। इसी बीच उनकी नजर पलिया रोड पर खड़ी एक बस पर पड़ी। वह जब मौके पर पहुंचे तो देखा कि उसमें निर्धारित संख्या से दोगुना यात्री सवार थे। इस पर उन्होंने थाना निघासन से दरोगा दिनेश सिंह को मौके पर बुलाया। मौके पर पहुंचे दरोगा

बस की जांच पड़ताल करती पुलिस टीम। ● अमृत विचार

ने बस की जांच कर चालक से पूछताछ की। जांच में कागजात सही न मिलने और बस के ओवरलोड होने पर दरोगा ने बस का चालान भरते हुए सवारियों को दूसरी बस में शिफ्ट कराया। दरोगा दिनेश सिंह ने बताया कि यह बस अब तक 38 बार चालान हो चुकी है। सीओ ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि अगली बार भी यह बस ओवरलोड या बिना मानक के चलती पाई गई, तो सीधे सीज करने की कार्रवाई की जाएगी।

सीओ बोले- अगली बार कर दी जाएगी सीज

निघासन, अमृत विचार : बुधवार को निघासन क्षेत्र की ट्रैफिक व्यवस्था का जायजा लेने निकले सीओ शिवम कुमार ने पलिया रोड पर खड़ी एक ओवरलोड बस की जांच की। बस में क्षमता से अधिक सवारियां मिलने और कागजातों में खामियां पाए जाने पर उसका चालान कराया। पुलिस के मुताबिक बस का अब तक 38 बार चालान हो चुका है। सीओ ने अगली बार नियमों का उल्लघंन करते मिलने पर बस सीज करने की चेतावनी दी है। सीओ शिवम कुमार बुधवार को नगर में ट्रैफिक व्यवस्था का जायजा ले रहे थे। इसी बीच उनकी नजर पलिया रोड पर खड़ी एक बस पर पड़ी। वह जब मौके पर पहुंचे तो देखा कि उसमें निर्धारित संख्या से दोगुना यात्री सवार थे। इस पर उन्होंने थाना निघासन से दरोगा दिनेश सिंह को मौके पर बुलाया। मौके पर पहुंचे दरोगा ने बस की जांच कर चालक से पूछताछ की।

न्यूज ब्रीफ

हादसे में बाइक सवार देवर की मौत, भाभी घायल

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : कोतवाली मोहम्मदी निवासी राहिल (35) अपनी भाभी जाहिरा के साथ अपने चचेरे भाई की साली की शादी में शामिल होने सीतापुर गया था। दोनों एक ही बाइक पर सवार होकर अपने घर वापस आ रहे थे। इसी दौरान कस्ता की तरफ से आ रहे एक ट्रक ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज हुई कि राहिल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी भाभी गंभीर रूप से घायल हो गई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस 108 ने घायल महिला को अस्पताल में भर्ती कराया है। मौके पर पहुंची मितौली पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

बाइक और स्कूटी की टक्कर में दो घायल

भीरा, अमृत विचार : बाइक और स्कूटी की हुई आमने-सामने से टक्कर में बाइक पर सवार दो लोग घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा लखीमपुर हाईवे पर फॉरेस्ट कोठी के पास हुआ था। स्कूटी पर सवार दो लोग भीरा नहर चौराहा की ओर जा रहे थे। जहां सामने से आ रही बाइक से उनकी भिड़ंत हो गई। हादसे के बात बाइक सवार भाग निकला, लेकिन स्कूटी चालक सुल्तान सिंह एवं पीछे बैठा पवन सिंह निवासी लाल टांडा घायल हो गए।

कुंभी चीनी मिल ने भेजा 16 तक का भुगतान

बग्घून, अमृत विचार : कुम्भी चीनी मिल के सीडीओ अवधेश कुशवाहा ने बताया कि चीनी मिल का नवीन पेराई सत्र 2025-26 31 अक्टूबर को प्रारंभ हुआ था। चीनी मिल ने 400 रुपया प्रति क्विंटल की दर से 31 अक्टूबर से 16 नवंबर तक का कुल 67 .18 करोड़ रुपयो का भुगतान किसानों के खातों में भेजा गया है।

पीएचसी में लगे कूड़े के ढेर, कबाड़ हुई एंबुलेंस

तिकुनिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में लोगों को नहीं मिल रहीं स्वास्थ्य सेवाएं, मरीज हो रहे परेशान

नवीन कुमार गुप्ता, सिंगाही

अस्पताल परिसर में पानी व कूढ़े के ढेरों के बीच कबाड़ हुई एंबुलेंस। ● अमृत विचार

अस्पताल परिसर में पड़ी गंदगी। ● अमृत विचार

अमृत विचारः भारत-नेपाल सीमा पर स्थित तिकुनिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) अपनी जर्जर स्थिति और लापरवाही के कारण इन दिनों काफी चर्चा में है। अस्पताल न समय से खुलता है, न ही यहां समुचित दवाइयां उपलब्ध हैं। परिसर में जगह-जगह फेंका कूड़ा और टूटे-फूटे संसाधन इस स्वास्थ्य केंद्र के खुद बीमार होने की कहानी बयां कर रहे हैं। करीब पांच दिन पहले मरीजों के बेड पर कुत्ते के आराम फरमाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग की जमकर किरकिरी हुई। वीडियो वायरल होने के बाद विभाग ने पीएचसी प्रभारी को जिला मुख्यालय से संबद्ध कर दिया है।

अस्पताल के मुख्य गेट से प्रवेश करते ही कूड़े-कचरे का अंबार नजर आता है। कई दिनों से सफाई न होने के कारण परिसर की दुर्गंध और गंदगी परेशानी बढ़ा रही है। अस्पताल परिसर में खड़ी दो एंबुलेंस जर्जर हालत में कबाड़ की तरह पड़ी मिलीं। इनके किसी मरीज के उपयोग में आने की कोई संभावना नहीं दिखती। पीएचसी में डॉक्टर, फार्मासिस्ट, एएनएम, स्टाफ नर्स और वार्ड ब्वाय समेत करीब पांच कर्मचारी तैनात हैं, लेकिन बीते मंगलवार को ओपीडी तक नहीं चली।

> वीडियो वायरल होने के बाद पीएचसी तिकुनिया में तैनात डॉक्टर मनोज को जिला मुख्यालय से अटैच कर दिया गया है। आगे की जांच की कार्रवाई जारी है।
> -डॉ. राजेंद्र कुमार सीएचसी अधीक्षक निघासन

● करीब पांच कर्मचारी होने पर भी मंगलवार को नहीं चली ओपीडी

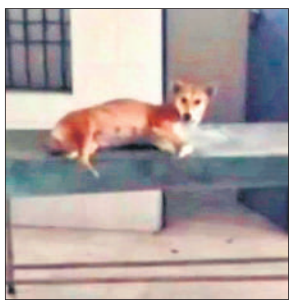

अस्पताल में टेबल पर आराम करता कुत्ता।

डॉ. मुनेश कुमार अस्पताल में मौजूद नहीं थे। फार्मासिस्ट कुलदीप ने बताया कि डॉक्टर जरूरी काम से कोर्ट गए थे। स्टाफ ने कैमरे पर बोलने से इनकार करते हुए स्वीकार किया कि अस्पताल की व्यवस्थाएं काफी समय से बदहाल हैं और किसी का ध्यान नहीं दिया जा रहा।

कुत्तों का अड्डा बन चुका अस्पताल

तिकुनिया कस्बे के समाजसेवी राजीव गुप्ता ने बताया कि अस्पताल की हालत बेहद शर्मनाक है। चार-पांच दिन पहले मरीजों के बेड पर कुत्ते लेटे मिले, जिसका वीडियो वायरल हुआ था और मैंने भी शेयर किया। यह नेपाल सीमा का क्षेत्र है, यहां प्राथमिक नहीं, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र होना चाहिए। जनप्रतिनिधि खुद यहां इलाज नहीं कराएंगे, लेकिन गरीब जनता मजबूर है। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री से अनुरोध है कि यहां जांच कर कठोर कार्रवाई की जाए। राजीव गुप्ता ने यह भी आरोप लगाया कि अस्पताल में केवल खांसी-जुकाम जैसे हल्के रोगों का उपचार होता है, जबकि अन्य आवश्यक सुविधाएं लगभग नदारद हैं।

अस्पताल से ज्यादा खंडहर लगता है

सुथना बरसोला गांव निवासी समाजसेवी सत्य प्रकाश ने बताया कि अस्पताल की हालत खंडहर जैसी है। गेट से अंदर आने वाला रास्ता इतना टूटा है कि एंबुलेंस भी हिचकोले खाती हुई पहुंचती है। पूरे परिसर में गंदगी और कचरा भरा है। न विधायक ध्यान देते हैं, न सांसद। हमारी मांग है कि अस्पताल को दुरुस्त किया जाए और स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर की जाएं।

पलिया कलां के अमरदीप बने सेना के लेफ्टिनेंट कर्नल

लेफ्टिनेंट कर्नल बनने पर अमरदीप सिंह को बैज लगाते सेना के उच्च अधिकारी।

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचारः नगर निवासी अमरदीप सिंह ने थल सेना की आर्मी मेडिकल कोर में लेफ्टिनेंट कर्नल के पद पर प्रमोशन प्राप्त कर नगर का गौरव बढ़ाया है।

इनके पिता करनैल सिंह एक ग्रामीण बैंक में मैनेजर पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। अमरदीप सिंह की इच्छा शुरू से सेना में सेवा करने की थी। दो जून 1990 को जन्मे अमरदीप सिंह की इंटर तक की शिक्षा सेंट एन कॉलेज पलिया में हुई। पश्चात इन्होंने एमबीबीएस किया। मेडिकल की पढ़ाई पूरी कर 2014 में सेना की आर्मी मेडिकल कोर में कैप्टन के पद पर कमीशन प्राप्त करके सेवा करना प्रारंभ किया। कई जगहों पर पोस्टिंग के बाद 2018 में यह मेंजर बने।

सेना में उनकी उत्कृष्ट सेवाओं को देखते हुए उनको अब लेफ्टिनेंट कर्नल के पद पर प्रमोशन दिया गया है। 19 नवंबर 2025 को इस कमान के कमांडिंग ऑफिसर द्वारा एक पाइपिंग सेरेमनी में अमरदीप सिंह को लेफ्टिनेंट कर्नल के बैज लगाए गए।

उनके पिता द्वारा बताया गया कि बैज लगते ही उपस्थित सेना अधिकारियों की तालियों की गड़गड़ाहट से समारोह स्थल गूंज उठा।

राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता में अनस प्रथम

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारःसरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज के कक्षा सात के छात्र अनस खान ने एनटीपीसी द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय, नगर तथा अपने माता-पिता को गौरवान्वित किया है।

अनस को प्रशस्ति पत्र देते वरिष्ठ शिक्षक।

बाल दिवस पर 14 नवंबर को ऊर्जा संरक्षण जागरुकता पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन प्लूटो ऑडिटोरियम इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ में किया गया, जिसमें विद्यालय के कक्षा 7 के छात्र अनस खान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। उसे प्रशस्ति पत्र और दो हजार रुपए नगद देकर सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य महेंद्र कुमार त्रिपाठी, मधु त्रिपाठी ने छात्र की सराहना करते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

मिनी बस और ट्रैवलर की भिड़ंत में घायल दो और की मौत

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● अब तक तीन लोगों की जा चुकी है जान

● मंगलवार देर शाम रंजीत नगर पुल पर हुआ हादसा

अमृत विचारः मंगलवार देर रात धौरहरा क्षेत्र के रंजीतनगर पुल पर मिनी बस और ट्रैवलर की आमने-सामने भीषण भिड़ंत में मृतकों की संख्या बढ़कर तीन हो गई है। वहीं दस साल के बच्चे समेत छह घायलों को हालत गंभीर होने के कारण लखनऊ रेफर किया गया है।

मंगलवार की देर रात रंजीत नगर पुल पर मिनी बस और यात्रियों से भरी ट्रैवलर की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई थी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों वाहनों के आगे के हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को सीएचसी धौरहरा व खमरिया भिजवाया, जहां से गंभीर घायलों को जिला अस्पताल ओयल रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों ने आशा पत्नी फूल सिंह निवासी नेपाल को मृत घोषित कर दिया था।

देर रात उपचार के दौरान जिला अस्पताल में जय वर्षा (60) पत्नी बंशी लाल निवासी भिनगा (श्रावस्ती) व दीपा पत्नी मनोज निवासी रुक्कम नगर नेपाल की मौत हो गई। इससे हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर तीन हो गई है। जबकि हालत गंभीर होने पर सीमा (24) पुत्री खदते, मीना (38) पत्नी जीवन, माया (20) पत्नी खदाते, उमाकांत तिवारी (30) पुत्र अंबिका प्रसाद, रामावती (50) पत्नी छंगा, मान बहादुर (72) पुत्र हरि बहादुर और एक दस साल के बच्चे को हालत में सुधार न होने पर लखनऊ रेफर किया गया है। अन्य घायलों की हालत में सुधार बताया गया है।

जिला अस्पताल में घायलों का हाल चाल लेते सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता।

घायलों में शामिल पंचम (50) पुत्र दियाराम जिला अस्पताल में भर्ती होने के बाद बिना किसी सूचना के कहीं चला गया, जिसकी तलाश की जा रही है। धीरेंद्र कुमार (30) पुत्र सुरेश चंद्र, उदय (35) पुत्र तेज बहादुर का ऑर्थो विभाग में इलाज चल रहा है। जबकि संदीप पुत्र सूरज का इलाज इमरजेंसी वार्ड में चल रहा है।

सीएमओ ने घायलों का जाना हाल

लखीमपुर खीरी : मंगलवार रात सिसैया चौराहे के पास रंजीत नगर पुल पर हुए हादसे की खबर मिलते ही सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता सीएचसी धौरहरा, खमरिया और जिला अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायलों का हाल जाना और डॉक्टर व अन्य स्टाफ को जरूरी दिशा निर्देश दिए। मेडिकल टीमों से जानकारी प्राप्त की और उनके उपचार के लिए सभी आवश्यक चिकित्सीय व्यवस्थाएं कराईं।

पूर्वोत्तर रेलवे

पीएमएस-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/ निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु पीएमएस निविदा आमंत्रित करते है। **क्र० सं०-1, ई-प्रापण निविदा संख्या** : उप मु०इन्जी०-नि०-सीपीआर-पीएमएस-06-2025 दिनांकः 17.11.2025, **कार्य का नाम** - पूर्वोत्तर रेलवे के पनियहवा (छोड़कर)-छितौनी-तमकुही रोड (शामिल) के नए सिंगल ब्राड गेज लाइन के सिविल इंजीनियरिंग कार्यों, विद्युतीकरण कार्यों और सिग्नलिंग और दूरसंचार कार्यों के लिए परियोजना प्रबंधन सेवाओं के लिए अथॉरिटी इंजीनियर नियुक्त करने हेतु प्रस्ताव के लिए अनुरोध (RFP) (पहला चरणः 29.050 किमी और दूसरा चरण:34.793 किमी, कुल लंबाई = 64.193 किमी।), अनुमानित निविदा मुल्य : 13,84,82,489.70, बयाना राशि (रू०) : 8,42,400.00, निविदा प्रपत्र का मुल्य (रू०) : शून्य, कार्य पूर्ण करने की अवधि : 63 (तिरसठ) माह ● बिडिंग प्रारम्भ करने की तिथि- 28.11.2025 ● उपरोक्त पीएमएस निविदा सबमिसन की बन्द होने की तिथि - दिनांक 12.12.2025 15.30 बजे तक। ● उपरोक्त पीएमएस निविदा खुलने की तिथि - दिनांक 12.12.2025 15.30 बजे के उपरांत। ● निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तें वेबसाइट **https://ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। ● निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें। उप मुख्य इन्जी०/नि०/ I/ वाराणसी मो०नं० 9794844290

उप मुख्य इंजीनियर/ नि०/I

मुजाधि/डब्ल्यू - 337 **वाराणसी**

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

स्टेशन अधीक्षक की अस्पताल में मौत

संवाददाता, मैलानी

● 10 सितंबर को पलिया जाते समय बाघ से टकराकर हुए थे घायल

अमृत विचारः 10 सितंबर को बाइक से पत्नी सहित पलिया जाते समय स्टेशन अधीक्षक धनराज सिंह मीणा अचानक बाघ से बाइक टकरा गई थी, जिससे सड़क पर गिरकर दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। जिनकी लखनऊ के चंदन हास्पिटल में इलाज के दौरान मौत हो गई है। सूचना मिलने पर रेल कर्मियों में शोक छा गया।

10 सितंबर को स्टेशन अधीक्षक और उनकी पत्नी के घायल होने पर मौके पर पहुंची 100 नंबर पुलिस ने गाड़ी में लादकर दंपति को सीएचसी खुटार भिजवाया था। स्टेशन अधीक्षक के घायल होने की खबर सुनते ही मैलानी रेलवे स्टेशन पर अपरा तफरी मच गई थी। सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद दंपती को लखनऊ रेफर किया था, जहां पत्नी उर्मिला (42) की हालत सही होने पर उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी। रेलवे से अटैच लखनऊ चंदन हॉस्पिटल में धनराज मीणा (45) पांच दिन आईसीयू में भर्ती के दौरान हालत में सुधार हो गया था, लेकिन मंगलवार को फिर हालत खराब हुई और बुधवार को मौत हो गई है।

स्टेशन अधीक्षक धनराज मीणा राजस्थान प्रांत के जिला सवाई माधौपुर, तहसील गंगापुर, गांव विक्षोच के रहने वाले थे।

धनराज मीणा।

वह अपने पीछे पत्नी उर्मिला, पुत्र विट्टू (18) और पुत्री काजल (12) को छोड़ गए हैं। वह कुछ साल गोंडा, उसके बाद लखीमपुर, बांकेगंज रहे। उसके बाद मैलानी में करीब 5 साल ड्यूटी के दौरान 10 सितंबर को मैलानी से भीरा जाते समय पलिया रोड पर मैलानी रेंज के वन वैरियर के पास जंगली जानवर आ जाने से सड़क हादसे में पति-पत्नी घायल हो गए थे।

सीसीटीवी में देखी गई संदिग्ध डिजायर कार, जांच तेज

संवाददाता, बेहजम

● सिकंदराबाद लूटकांड: बदमाशों के कार से आकर घटना करने की आशंका

अमृत विचारः थाना नीमगांव के कस्बा सिकंद्राबाद में पुलिस चौकी से चंद कदमों की दूरी पर मेडिकल व्यापारी की दुकान और घर में हुई लाखों रुपये की लूट के मामले में पुलिस को एक संदिग्ध कार सीसीटीवी फुटेज में नजर आई है। पुलिस को आशंका है कि आपराधिक वारदात में शामिल है। संभावना जताई जा रही है कि बदमाश इसी कार से आए थे। पुलिस ने इस बिंदु पर भी अपनी जांच तेज कर दी है।

सिकंदराबाद कस्बे में पांच दिन पहले पांच बदमाशों ने सिकंद्राबाद निवासी विकास वर्मा की मेडिकल एजेंसी पर शाम करीब 08:30 बजे धावा बोला था। असलहों के बल पर बंधक बनाकर दुकान से 1.27 लाख रुपये की नगदी लूट ली थी। इसके बाद उनके दूसरी मंजिल पर स्थित घर में भी परिवार वालों को गन प्वाइंट पर लेकर करीब सात लाख रुपये के जेवर लूटकर भाग निकले थे।

घटना के खुलासे में क्राइम ब्रांच की स्वाट टीम समेत चार टीमें लगी हुई हैं। लूटकांड के खुलासे में लगी पुलिस ने जांच की रफ्तार बढ़ा दी है। सर्विलांस सेल, और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने बुधवार को नीमगांव कस्बे में रोड पर स्थित दुकानों के सीसीटीवी कैमरों व डीटीएस डेटा को गहनता से खंगाला। जांच के दौरान पुलिस को एक मारुति स्विफ्ट डिजायर कार संदिग्ध रूप से फुटेज में दिखाई दी है। यह कार भदूरा की दिशा से आती हुआ नीमगांव चौराहे की तरफ जाते हुए रिकॉर्ड हुई है। सर्विलांस टीम ने इस वाहन को लूटकांड की कड़ी मानते हुए संदिग्ध श्रेणी में रखा है।

सूत्रों के अनुसार टीम ने घटनास्थल के आसपास के बीटीएस लोकेशन डेटा का मिलान भी किया है, जिससे जांच को और मजबूती मिली है। क्राइम ब्रांच अब संदिग्ध कार के रूट, नंबर प्लेट और संभावित मालिक की पहचान करने में लगी हुई है। टीम का मानना है कि लूट के समय उक्त वाहन वारदात स्थल के आसपास सक्रिय था, जिसके चलते इसकी भूमिका की जांच को प्राथमिकता दी जा रही है। घटना से जुड़ी नई कड़ी मिलने के बाद पुलिस की कार्रवाई तेजी से आगे बढ़ रही है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड-शाहजहाँपुर।

कार्यालय का पता- द्वितीय तल, विकास भवन, शाहजहाँपुर

पत्रांक :- 1101/ग्र0अ0वि0/निविदा/2025-26 दिनांक 31.10.25

निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड-शाहजहाँपुर के द्वारा ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उ0प्र0 में ए0,बी0,सी0 एवं डी0 श्रेणी में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यों के लिये निविदा दे सकता है :-

01- कार्य से सम्बन्धित विवरण निम्नवत् है :-

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख मे)	धरोहर धनराशि (बिड सिक्योरिटी) (रूपये मे)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (जी0एस0टी0 मूल्य सहित रूपये मे)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)
1	2	3	4	5	6	7
1	शाहजहाँपुर	जनपद शाहजहाँपुर में विकास खण्ड कांट के अर्न्तगत 39 आंगनबाडी केन्द्रों पर बाला पेन्टिंग कार्य	4.29	8600.00	678.00	02 माह
2	शाहजहाँपुर	जनपद शाहजहाँपुर में विकास खण्ड भावलखेडा के अर्न्तगत 03 आंगनबाडी केन्द्रों पर बाला पेन्टिंग कार्य	0.33	700.00	589.00	01 माह
		विधायक निधि क्षेत्र शाहजहाँपुर।				
3	शाहजहाँपुर	ग्रा0 जमालपुर वि0ख0 भावलखेडा में अत्माराम के मकान से श्री रमाकान्त के मकान तक लगभग 65.00 मी0 सी0सी0/नाली निर्माण	6.27	12600.00	767.00	03 माह
4	शाहजहाँपुर	मो0 हयातपुरा में श्री विनोद माली के मकान से श्री दिनेश पाण्डेय की जिम तक	9.54	19100.00	854.00	04 माह
		सदस्य विधान परिषद (MLC) स्वीकृति की प्रत्याशा में				
5	शाहजहाँपुर	डी0 आर0 एम0 पब्लिक स्कूल जटिपुरा/नरायनपुर में आर0ओ0 वाटर कूलर की स्थापना	8.36	16800.00	854.00	02 माह
6	शाहजहाँपुर	सरस्वती विद्या मन्दिर पुवायॉ में आर0 ओ0 वाटर कूलर की स्थापना	8.36	16800.00	854.00	02 माह
7	शाहजहाँपुर	तहसील परिसर पुवायॉ में आर0 ओ0 वाटर कूलर की स्थापना	8.36	16800.00	854.00	03 माह

03- निविदा विक्री की अवधि : दिनांक 01.12.2025 से 03.12.2025 तक (पूर्वान्ह 11:00 से अपरान्ह 04:00 बजे तक)।

04- निविदा प्राप्ति का अन्तिम दिनांक एवं समय : दिनांक 04.12..2025 (अपरान्ह 12:00 बजे तक)।

05- निविदा प्राप्ति का स्थान : कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, द्वितीय तल, विकास भवन, जनपद-शाहजहाँपुर।

06- निविदा खुलने का दिनांक एवं समयः दिनांक 05.07.2025 अपरान्ह 12:30 बजे तक।

अधिक जानकारी के लिये अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग कार्यालय द्वितीय तल, विकास भवन शाहजहाँपुर से सम्पर्क कर सकते है।

(इं0 सतीश चन्द्र राघवेन्द्रम)
अधिशासी अभियन्ता,
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग,
प्रखण्ड-शाहजहाँपुर।

UP-240796 दिनांक 18.11.2025

विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय तहसीलदार कलान, जनपद शाहजहांपुर

पत्रांक: 2107/रा.नि.कार्या./ **प्रेस विज्ञप्ति** दिनांक: 19.11.2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम हवीवुल्लापुर उर्फ अमृतापुर तहसील कलान की गाटा सं. 345 व 346 पर खड़े यूके लिप्टिस-10, चांदनी-1, नीम-1, वेर- 1 वृक्षों की नीलामी तहसील सभागार कलान से दिनांक 26.11.2025 को नियत है। नीलामी हेतु इच्छुक बोलीदाता नीलामी में प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें। नीलामी हेतु नियत नियम व शर्तें किसी भी कार्यालय दिवस में राजस्व निरीक्षक कार्यालय तहसील कलान से जानकारी कर सकते हैं।

तहसीलदार
कलान, शाहजहांपुर

कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, बदायूं

पत्रांक: स.शि./8999-9004/2025-26 दिनांक: 19.11.2025

रिक्त पद पर चयन हेतु विज्ञप्ति

राज्य परियोजना कार्यालय के पत्रांक 4834/2024-25 दिनांक 24.08.2025 के द्वारा समग्र शिक्षा के अन्तर्गत नितान्त अस्थाई रूप से ई.सी.सी.ई. एजूकेटर्स (Early Childhood Care & Education) का चयन संविदा के आधार पर करने हेतु सेवायोजना पोर्टल पर Rapid Work Force Solutions के द्वारा विज्ञप्ति प्रकाशित कर आवेदन दिनांक 25.11.2025 तक आमंत्रित किये गये हैं। अतः इच्छुक आवेदक ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं।

वीरेन्द्र कुमार सिंह
जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
बदायूं

कार्यालय ग्राम पंचायत मुगर्रा, विकास खंड उसावां, जनपद बदायूं

निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत मुगर्रा विकासखंड उसावा जनपद बदायूं में वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा योजना के अंतर्गत निम्नलिखित निर्माण इंटरलॉकिंग कार्य के लिए सीलबंद निविदाएं निविदा प्रकाशन की तिथि 01-09 2025 तक आमंत्रित की जाती है निविदाएं 15-09 2025 को ग्राम पंचायत कार्यालय पर खोली जाएगी इंटरलाकिंग के कार्य की दूरी 900 मीटर और लागत लगभग 15 लाख रुपए है।

1- अवधेश के घर से देवस्थान तक इंटरलॉकिंग नाली निर्माण कार्य
2- खेमकरण के घर से ओमबीर के घर तक इंटरलॉकिंग नाली के निर्माण कार्य
3- महावीर के घर से हवलदार के खेत तक इंटरलॉकिंग नाली के निर्माण कार्य
4- मुगर्रा के मजरा गांव मिर्जापुर बसंत में योगेश के घर से साधू राम के घर तक इंटरलॉकिंग नाली निर्माण कार्य
5- रामसेवक के घर से सीताराम के घर तक इंटरलॉकिंग नाली के निर्माण कार्य
6- गौशाला में टीन-शेड निर्माण कार्य

मुनीश कुमार **अक्षय कुमार**
प्रधान **सचिव**

दौड़ में आकाश, लंबी कूद में रिषभ प्रथम खो-खो में रानीनगर की टीम विजयी

संवाददाता, संपूर्णानगर

अमृत विचारः कस्बे के कंपोजिट विद्यालय में एक दिवसीय न्याय पंचायत स्तरीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें दौड़ में बसही के आकाश, लंबी कूद में संपूर्णानगर के रिषभ प्रथाम स्थान पर रहे, जबकि खो-खो प्रतियोगिता में रानीनगर की टीम विजेता बनी।

कार्यक्रम का शुभारंभ संपूर्णानगर थाना प्रभारी कृष्ण कुमार ने किया। विशिष्ट अतिथि ग्राम प्रधान सुरेंद्र कौर रहीं। मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों ने सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर समारोह की शुरुआत की। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने सरस्वती वंदना एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। इसके बाद विभिन्न खेल स्पर्धाओं की शुरुआत हुई, जिनमें बालक एवं बालिका वर्ग की 50, 100, 200, 400 व 600 मीटर दौड़, लंबी कूद, खो-खो और कबड्डी की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। खिलाड़ियों के उम्दा प्रदर्शन ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं।

बालक वर्ग की दौड़ स्पर्धा में बसही के आकाश ने 50, 100, 200 व 400 मीटर में प्रथम स्थान प्राप्त किया। रानीनगर के अंशु, कृष्णानगर के किशन, बसही के आयुष और कृष्णानगर के अभिषेक ने विभिन्न वर्गों में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। लंबी कूद में संपूर्णानगर के रिषभ प्रथम व बसही के आकाश द्वितीय रहे।

प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करते खिलाड़ी। ● अमृत विचार

कबड्डी में रानीनगर विजेता व बसही उपविजेता रहा। खो-खो में रानीनगर विजेता व कृष्णानगर उपविजेता रहा। बालिका वर्ग में संपूर्णानगर की महक, राधा, आरूषी तथा रानीनगर की अनुष्का ने विभिन्न दौड़ स्पर्धाओं में प्रथम स्थान हासिल किया। राजनंदी, आरूषी, अनुष्का और अंतिम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। लंबी कूद में रानीनगर की अनुष्का प्रथम व भानपुरी की वंदना द्वितीय रहीं। कबड्डी में रानीनगर विजेता, कृष्णानगर उपविजेता रहा। खो-खो में रानीनगर विजेता व मिलन उपविजेता रहीं। उच्च प्राथमिक स्तर में बालक वर्ग से दौड़ में संपूर्णानगर के आशिंक, कृष्ण भार्गव तथा भानपुरी के नितीश सैनी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बसही के लक्की, खजुरिया के शिवा आर्या, रानीनगर के विमलेश द्वितीय स्थान पर रहे। लंबी कूद में नितीश प्रथम, विमलेश द्वितीय रहे। गोला क्षेपण एवं चक्र क्षेपण में बसही के अभय प्रथम, लक्की व विमलेश द्वितीय रहे।

खो-खो में रानीनगर विजेता व संपूर्णानगर उपविजेता, जबकि कबड्डी में प्रतापनगर विजेता व कृष्णानगर उपविजेता रहा। बालिका वर्ग में संपूर्णानगर की अमृता, काजल, पूजा ने दौड़ में प्रथम स्थान पाया। काजल, संध्या राय, पिंकी और अर्चना द्वितीय स्थान पर रहीं। लंबी कूद में भानपुरी की पिंकी प्रथम व रानीनगर की अर्चना द्वितीय रहीं। गोलाक्षेपण व चक्रक्षेपण में बसही की संजना प्रथम, रेखा व संध्या द्वितीय रहीं। खो-खो में रानीनगर विजेता, संपूर्णानगर उपविजेता रहा। कबड्डी में कृष्णानगर विजेता, रानीनगर उपविजेता रहा। कार्यक्रम में आसपास के सभी विद्यालयों के छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक मौजूद रहे। प्रधानाध्यापिका हरविंदर कौर, शिक्षक कपिल कुमार, उमा कनौजिया, विवेक, चंद्रशेखर सिंह, संजय गुप्ता आदि रहे। संचालन सुनील सिंह ने किया।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	85,186.47	26,052.65
बढ़त	513.45	142.60
प्रतिशत में	0.61	0.55

सोना 1,27,300 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,60,000 प्रति किलो

अमृत विचार
बरेली, गुरुवार, 20 नवंबर 2025
www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1790, फ़ॉर्चून कि. 2225, रविन्द्रा 2455, फॉर्चुन 13 किग्रा 1955, जय जवान 1975, सचिन 2020, सूरज 1975, अवसर 1890, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1885, क्लासिक (किग्रा) 2130, मोर 2170, चक्र टिन 2315, ब्लू 2115, आशीर्वाद मस्टर्ड 2360, स्वास्तिक 2505

किराना : निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000–18000, धनिया 9000–11000, अजवायान 13500–20000, मेथी 6000–8000 सौंफ 9000–13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि0) लौंग 800–1000, बादाम 780–1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300–400, मखाना 800–1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5050, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000–13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250–7450 मलका दाल 7550–8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000–9000, मसूर दाल छोटी 10000–11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800–10400, चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8000, चना अकोला 6800, डबरा 6900–8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 10400, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000–10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4320, द्वारकेश 4300,

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 4100, मसूरी- 1000, बासमती- 8200, परमल- 2400

दाल दलहन : काला चना- 5100, साबुत चना दाल- 5100, मूंग साबुत- 7000, राजमा- 10100–12300, दाल उड़द- 7000, साबुत मसूर दाल- 5700, मसूर दाल- 4000, उड़द साबुत- 7000, काबुली चना- 10100, अरहर दाल- 10000, लोबिया/करमानी- 4400

आयातकों-निर्यातकों को नई सूचना देगा टीआईए

केंद्रीय उद्योग मंत्री बोले- ये मंच भारत की ओर से क्रियान्वित एफटीए की बेहतर समझ प्रदान करेगा

- वाणिज्य विभाग के तैयार टीआईए मंच वैश्विक एवं राष्ट्रीय डेटाबेस को करता है एकीकृत

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि ट्रेड इंटेलिजेंस एंड एनालिटिक्स (टीआईए) मंच देश के आयातकों, निर्यातकों, स्टार्टअप और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) को नई जानकारियां उपलब्ध कराएगा।

केंद्रीय उद्योग मंत्री ने कहा कि यह मंच निर्यातकों को भारत द्वारा अब तक क्रियान्वित मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की बेहतर समझ प्रदान करेगा। वाणिज्य विभाग द्वारा तैयार 'टीआईए' मंच छोटे व्यवसायों के साथ-साथ कई वैश्विक एवं राष्ट्रीय 'डेटाबेस' को एकीकृत विश्लेषणात्मक मॉडल में एकीकृत करता है। यह 270 से अधिक विश्लेषण प्रदान करता है। यह मंच भारत और वैश्विक व्यापार, वस्तुओं व क्षेत्रीय विश्लेषण, निर्यात अवसरों सहित बाजार आसूचना एवं प्रतिस्पर्धी विश्लेषण पर वास्तविक समय, 'इंटरैक्टिव' अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। इसमें पीएलआई (उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन) और महत्वपूर्ण खनिजों से संबंधित विनिर्माण क्षेत्रों के लिए स्वचालित व्यापार रिपोर्ट और व्यापार प्रवृत्तियों पर नजर रखना भी शामिल है।

जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है मंच

वित्त विभाग के आर्थिक सलाहकार वनलालराम सांगा ने कहा कि मंच को हितधारकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि उनके सुझावों के आधार पर इसे आगे और विकसित किया जाएगा। यह मंच एक केंद्रीकृत 'डिजिटल हब' के रूप में भी काम करेगा जो विविध व्यापार डेटाबेस (वैश्विक (यूएन कॉमट्रेड) एवं द्विपक्षीय) को एक एकीकृत प्रणाली में समेकित करेगा।

तेल अवीव की यात्रा के दौरान भारत-इजराइल एफटीए की समीक्षा करेंगे केंद्रीय उद्योग मंत्री

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की इस सप्ताह तेल अवीव की तीन दिवसीय यात्रा के दौरान प्रस्तावित भारत–इजराइल मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की प्रगति की समीक्षा किए जाने की उम्मीद है। बुधवार को जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, गोयल, इजराइल में 60 सदस्यीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। वहां वे द्विपक्षीय व्यापार, निवेश एवं नवाचार को बढ़ावा देने के तरीकों पर नेताओं और व्यवसाय जगत के लोगों के साथ चर्चा करेंगे। यह यात्रा 22 नवंबर को संपन्न होगी। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा, प्रस्तावित भारत–इजराइल मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर प्रगति की भी समीक्षा की जा सकती है। भारत और इजराइल मई 2010 से इस समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। अब तक आठ दौर की बातचीत हो चुकी है। दोनों देशों ने अक्टूबर 2021 में बातचीत फिर से शुरू करने पर सहमति व्यक्त की थी। वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान उस देश को भारत का निर्यात 2023–24 के 4.52 अरब डॉलर से 52 प्रतिशत घटकर 2.14 अरब डॉलर और आयात भी 26.2 प्रतिशत घटकर 1.48 अरब डॉलर रह गया। भारत, एशिया में इजराइल का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। द्विपक्षीय व्यापार में मुख्य रूप से हीरे, पेट्रोलियम उत्पाद और रसायन शामिल हैं, लेकिन हाल के वर्ष में इलेक्ट्रॉनिक मशीनरी और उच्च प्रौद्योगिकी वाले उत्पादों, संचार प्रणालियों एवं चिकित्सकीय उपकरणों जैसे क्षेत्रों में भी व्यापार में वृद्धि देखी गई है।

सेवा संबंधी कॉल श्रृंखला 1600 को जल्द अपनाएं वित्तीय संस्थान : ट्राई

नई दिल्ली, एजेंसी

ट्राई ने बुधवार को बैंकों, एनबीएफसी, म्यूचुअल फंड और अन्य विनियमित संस्थाओं के सेवा और लेनदेन संबंधी कॉल करने के लिए 1600 नंबरिंग श्रृंखला को चरणबद्ध तरीके से अपनाने के लिए समयसीमा तय की। यह कदम वॉयस कॉल से होने वाले धोखाधड़ी पर रोक को उठाया गया है।

ट्राई ने कहा कि सार्वजनिक और निजी के साथ विदेशी तथा वाणिज्यिक बैंकों को 1 जनवरी, 2026 तक इसे अपनाना होगा। दूरसंचार नियामक ने कहा कि ट्राई से जारी निर्देश में आरबीआई, सेबी और पेंशन कोष नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) द्वारा विनियमित संस्थाओं द्वारा 1600 नंबरिंग श्रृंखला को अपनाने की अंतिम तिथियां बताई गई हैं। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के अनुसार, सभी म्यूचुअल फंड और परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों (एएमसी) इसे 15 फरवरी 2026 तक अपनाए। पात्र स्टॉक ब्रोकर (क्यूएसबी) 15 मार्च तक इसे लागू करें। बड़े आकार के एनबीएफसी, भुगतान बैंक और लघु वित्त बैंकों को 1 फरवरी तक इसमें शामिल होने को कहा गया है और एनबीएफसी, सहकारी बैंक, ग्रामीण बैंक और छोटी संस्थाओं के लिए एक मार्च तय किया है।

- श्रृंखला को चरणबद्ध अपनाने के लिए निर्धारित की समयसीमा

आरबीआई ने अनधिकृत विदेशी मुद्रा व्यापार मंच की चेतावनी सूची में सात नए नाम जोड़े

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को अनधिकृत विदेशी मुद्रा व्यापार मंच की अपनी 'चेतावनी सूची' में सात नए नाम जोड़े और इनकी कुल संख्या 95 हो गई है।

केंद्रीय बैंक ने कहा कि चेतावनी सूची में उन इकाइयों के नाम शामिल हैं जो विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 (फेमा) के तहत विदेशी मुद्रा में लेनदेन करने के लिए अधिकृत नहीं हैं और जो विदेशी मुद्रा लेनदेन के लिए इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म (ईटीपी) संचालित करने को भी अधिकृत नहीं हैं। सूची में शामिल किए नए नामों में स्टारनेट एफएक्स, कैपप्लेस, मिररॉक्स, फ्यूजन मार्केट्स, ट्राइव, एनएक्सजी मार्केट्स और नॉर्ड एफएक्स है। आरबीआई ने कहा कि सूची में उन संस्थाओं, मंचों, वेबसाइट के नाम भी हैं, जो अनधिकृत इकाइयों या ईटीपी को बढ़ावा दे रही हैं। यह सूची संपूर्ण नहीं है।

गैर-पंजीकृत ऑनलाइन बॉण्ड मंच को लेकर बरतें सावधानी : सेबी

नई दिल्ली। सेबी ने बुधवार को निवेशकों से गैर–पंजीकृत ऑनलाइन बॉण्ड मंच को लेकर सावधानी बरतने और लेनदेन से बचने का आग्रह किया। नियामक ने कहा कि इन मंचों पर नियामकीय निगरानी का अभाव है और निवेशकों की सुरक्षा के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने निवेशकों से कहा कि वे लेनदेन से पहले ऑनलाइन बॉण्ड मंच प्रदाताओं (ओबीपीपी) की पंजीकरण स्थिति का जांच कर लें और अपने हितों की रक्षा के लिए केवल सेबी–पंजीकृत इकाइयों के साथ ही लेनदेन करें। इसके अलावा, सभी बाजार सहभागियों को ओबीपीपी के रूप में कोई भी सेवा प्रदान करने से पहले लागू नियामक ढांचे का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए आगाह किया गया है। यह कदम तब उठाया गया जब सेबी ने पाया कि वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) कंपनियों और शेयर ब्रोकर सहित कुछ संस्थाएं, शेयर बाजारों से अनिवार्य पंजीकरण प्राप्त किए बिना ऑनलाइन बॉण्ड मंच प्रदाताओं के रूप में सेवाएं प्रदान कर रही हैं। इसमें कहा गया, ऐसे गैर–पंजीकृत मंच पर नियामक या पर्यवेक्षी निगरानी का अभाव है और ये निवेशक सुरक्षा या शिकायत निवारण के लिए कोई व्यवस्था प्रदान नहीं करते हैं।

आईटी शेयरों में लिवाली से बाजार में तेजी लौटी

- सेंसेक्स 513 अंक चढ़ा, निफ्टी फिर 26,000 के पार

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजार में बुधवार को तेजी लौटी और बीएसई सेंसेक्स 513 अंक चढ़ गया जबकि एनएसई निफ्टी फिर 26,000 अंक के पार पहुंच गया। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर उम्मीद बंधने के साथ आईटी शेयर में लिवाली और घरेलू संस्थागत निवेशकों की लगातार खरीदारी से बाजार में तेजी आई।

बीएसई का सेंसेक्स 513.45 अंक चढ़कर 85,186.47 अंक पर बंद हुआ। वहीं एनएसई का निफ्टी 142.60 अंक यानी 0.55 प्रतिशत चढ़कर 26,052.65 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में एचसीएल टेक, इन्फोसिस, टीसीएस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, सन फार्मा और टाइटन लाभ में रहीं। वहीं, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, मारुति, अदाणी पोर्ट्स और बजाज फाइनेंस नुकसान में रहे। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के मंगलवार को कहा था कि भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते पर 'आप अच्छी खबर सुनेंगे' जब यह समझौता निष्पक्ष, न्यायसंगत एवं संतुलित होगा। इस बयान से भी बाजारों को थोड़ा समर्थन मिला। लेमन मार्केट्स डेस्क के शोध विश्लेषक गौरव गर्ग ने कहा कि मंगलवार की गिरावट के बाद बुधवार को शेयर बाजारों में तेजी लौटी। बाजार को मुख्य रूप से आईटी शेयरों में मजबूत लिवाली से समर्थन मिला। उन्होंने कहा, इस तेजी की अगुवाई इन्फोसिस और एचसीएल टेक्नोलॉजीज जैसी आईटी कंपनियों ने किया। इन्फोसिस की 18,000 करोड़ रुपये के शेयर पुनर्खरीद की घोषणा के बाद धारणा में सुधार हुआ। संभावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर उम्मीदों ने भी धारणा को मजबूत किया...। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद बढ़ने के चलते आईटी क्षेत्र में तेजी आई।

सोना 1,500 और चांदी 4,000 रुपये मजबूत

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में तेजी के चलते बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 1,500 रुपये बढ़कर 1,27,300 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार 99.5% शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,500 रुपये बढ़कर 1,26,700 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) पर पहुंच गई। चांदी की कीमतों में भी तेजी आई और यह 4,000 रुपये बढ़कर 1,60,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर पहुंच गई। इससे स्थानीय सर्राफा बाजार में तीन दिन की गिरावट थम गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, बुधवार को सोने में तेजी आई, जिसे नए सिरे से सुरक्षित निवेश की मांग का समर्थन मिला, जबकि अमेरिकी श्रम बाजार में लगातार कमजोरी के संकेतों ने संभावित ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों को बनाए रखा।

उच्च न्यायिक सेवा में पदोन्नत जजों के लिए आरक्षण नहीं

सीजेआई गवई की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने की सुनवाई

- कोर्ट ने कहा- देश में असमान प्रतिनिधित्व की साझा व्याधि नहीं है

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को उच्चतर न्यायिक सेवा (एचजेएस) में पदोन्नत जजों के लिए आरक्षण देने से इन्कार करते हुए कहा कि देश में असमान प्रतिनिधित्व की साझा व्याधि नहीं है, जिसके लिए ऐसी व्यवस्था की जरुरत हो। शीर्ष अदालत ने कहा कि कथित असंतोष और नाराजगी से किसी कैडर के सदस्यों का कृत्रिम वर्गीकरण नहीं किया जा सकता।

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने कहा कि एचजेएस में चयन ग्रेड व सुपर टाइम स्केल में निर्धारण कैडर में योग्यता-सह-वरिष्ठता पर आधारित है और यह न्यायपालिका के निचले स्तर पर सेवा की अवधि या प्रदर्शन पर निर्भर नहीं हो सकता है। पीठ में न्यायमूर्ति सूर्यकांत, विक्रम नाथ, के. विनोद चंद्रन व जॉयमाल्या बागची शामिल थे। पीठ ने कहा कि सांख्यिकीय आंकड़े भिन्न हैं और एचजेएस में नियमित पदोन्नत व्यक्तियों (आरपी) के असंतोष और नाराजगी को उचित ठहराने के लिए कोई ठोस आधार प्रदान नहीं करते हैं। सेवारत न्यायिक अधिकारियों के पास जिला जजों के रूप में उन्नति के अवसर हैं, जिससे उन्हें सीधी भर्ती की अनुमति मिलती है। पीठ ने कहा कि एचजेएस के तहत चयन ग्रेड और सुपर टाइम स्केल में नियुक्ति, संवर्ग में योग्यता-सह-वरिष्ठता पर है और निचले स्तरों पर सेवाकाल या प्रदर्शन पर निर्भर नहीं हो सकती, आरपी और सीमित विभागीय प्रतियोगी परीक्षाएं के एचजेएस में आने के बाद, यह अपना महत्व खो देता है।

प्रदूषण को ध्यान में रख खेल स्पर्धाएं कराए सीएक्यूएम

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) से कहा कि वह वायु प्रदूषण के स्तर को ध्यान में रखते हुए दिल्ली–एनसीआर के स्कूलों को नवंबर और दिसंबर में प्रस्तावित खेल स्पर्धाओं को सुरक्षित महीनों तक के लिए स्थगित करने पर विचार करे। सीजेआई बीआर गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि दिल्ली–राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में गंभीर वायु प्रदूषण संकट के मुद्दे पर सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने की जरुरत है और शीर्ष अदालत को इस मामले की निगरानी के लिए मासिक आधार पर सुनवाई करनी चाहिए। सीएक्यूएम को यह निर्देश तब दिया गया जब वरिष्ठ अधिवक्ता एवं न्यायमित्र अपराजिता सिंह ने पीठ से कहा कि जब वयस्क लोग 'एयर प्यूरीफायर' चालू करके बंद जगहों पर बैठे हैं, तो ऐसे में बच्चे खुले गैस चैंबर में खेलकूद की तैयारी कर रहे हैं। बच्चे सबसे ज्यादा असुरक्षित हैं। अभी खेल प्रतियोगिताएं आयोजित करना उन्हें गैस चैंबर में डालने जैसा है। सीजेआई ने कहा कि हम सीएक्यूएम से अनुरोध करते हैं कि वह इसे ध्यान में रखे और ऐसी खेल प्रतियोगिताओं को सुरक्षित महीनों में स्थानांतरित करने के लिए निर्देश जारी करे।

अंग प्रतिरोपण पर राष्ट्रीय नीति व समान नियम बनाए केंद्र

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केंद्र को अंगदान और आवंटन के लिए पारदर्शी एवं सक्षम प्रणाली बनाने के लिए राज्यों के परामर्श से राष्ट्रीय नीति और समान नियम बनाने के संबंध में कई निर्देश जारी किए। सीजेआई बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने इंडियन सोसायटी ऑफ ऑर्गन ट्रांसप्लांटेशन की याचिका पर ये निर्देश पारित किए। सीजेआई ने अपने आदेश में केंद्र से अनुरोध किया कि वह आंध्र प्रदेश को मानव अंग प्रतिरोपण अधिनियम, 1994 में 2011 के संशोधनों को अपनाने के लिए राजी करे। उन्होंने निर्देश दिया कि कर्नाटक, तमिलनाडु और मणिपुर जैसे राज्य, जिन्होंने अब तक मानव अंग एवं ऊतक प्रतिरोपण नियम, 2014 को नहीं अपनाया है, इस मुद्दे के महत्व पर जोर देते हुए इसे शीघ्रता से अपनाएं। पीठ ने केंद्र से अंग प्रतिरोपण के लिए आदर्श आवंटन मानदंड वाली राष्ट्रीय नीति विकसित करने को कहा। पीठ ने कहा कि इस नीति में लिंग और जातिगत पूर्वाग्रह के मुद्दों पर ध्यान दिया जाना चाहिए और राज्य–वार विसंगतियों को समाप्त करने के लिए देश भर के अंगदाताओं के लिए एक समान मानदंड स्थापित किए जाने चाहिए। शीर्ष अदालत ने इस बात का संज्ञान लिया कि मणिपुर, नगालैंड, अंडमान निकोबार और लक्षद्वीप जैसे राज्यों में राज्य अंग एवं ऊतक प्रतिरोपण संगठन (एसओटीटो) का अभाव है। पीठ ने केंद्र से राज्यों से परामर्श के बाद अंग प्रतिरोपण कार्यक्रम के तहत निकायों का गठन करने को कहा।

जीवनसाथी को बार-बार आत्महत्या की धमकी देना क्रूरता : हाईकोर्ट

मुंबई, एजेंसी

मुंबई हाईकोर्ट ने एक व्यक्ति को तलाक देते हुए कहा कि जीवनसाथी द्वारा बार-बार आत्महत्या करने की धमकी देना क्रूरता है। मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखड की पीठ ने आदेश में कहा कि जब ऐसा आचरण दोहराया जाता है, तो पति या पत्नी के लिए वैवाहिक संबंध जारी रखना असंभव हो जाता है।

यह आदेश उस व्यक्ति की दायर याचिका पर पारित हुआ, जिसने पारिवारिक अदालत के 2019 के आदेश को चुनौती दी थी। पारिवारिक अदालत ने व्यक्ति की तलाक की अर्जी खारिज की थी। याचिका के मुताबिक व्यक्ति की शादी 2006 में हुई थी, लेकिन वैवाहिक विवाद के कारण वह 2012 से पत्नी से अलग रह रहा था। व्यक्ति ने दावा किया कि अलगाव और संदेह के साथ धमकी और आत्महत्या का प्रयास करना हिंदू विवाह अधिनियम के तहत तलाक देने के आधार हो सकते हैं। पीठ ने कहा कि पति-पत्नी एक दशक से अधिक समय से अलग-अलग रह रहे हैं और उनके बीच न तो कोई सौहार्द्रपूर्ण समझौता हो पाया है और न ही मेल-मिलाप संभव हो पाया। व्यक्ति ने क्रूरता के कई उदाहरणों का उल्लेख किया था, लेकिन पारिवारिक अदालत ने उन पर विचार नहीं किया।

पीठ ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला दिया जिसमें कहा गया था कि जीवनसाथी द्वारा आत्महत्या की धमकी देना क्रूरता है। हाईकोर्ट ने कहा, जब ऐसा आचरण दोहराया जाता है, तो दंपती के लिए शांतिपूर्ण वातावरण में वैवाहिक संबंध जारी रखना असंभव हो जाता है।

- कोर्ट ने कहा- ऐसा आचरण जब दोहराया जाता है, तो वैवाहिक संबंध रखना असंभव हो जाता है

न्यायपालिका की आलोचना से आपत्ति नहीं, लेकिन व्यापक आरोप न लगाए

- पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के न्यायाधीशों पर लगाए आरोप पर सुप्रीम कोर्ट ने की टिप्पणी

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि उसे न्यायपालिका की आलोचना से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन व्यापक आरोप नहीं लगाए जाने चाहिए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, उज्ज्वल भुइयां और एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने सामाजिक कार्यकर्ता प्रदीप शर्मा को आगाह किया, जिन्होंने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के न्यायाधीशों पर कुछ आरोप लगाए हैं।

पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा कि आपने कई अच्छे मुद्दे उठाए हैं, लेकिन आप किसी पर भी व्यापक आरोप नहीं लगा सकते। हमें न्यायपालिका की आलोचना से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन यह उचित तरीके से होनी चाहिए। वकील ने पीठ को बताया कि हाईकोर्ट ने शर्मा द्वारा बिना शर्त माफी मांगने पर अवमानना का आरोप हटाते हुए, पौधरोपण का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने टिप्पणी की कि चंडीगढ़ को हरियाली की जरूरत है और यह अच्छी बात है कि हाईकोर्ट ने ऐसा आदेश दिया। आदेश में कहा गया कि याचिकाकर्ता के वकील ने सूचित किया है कि 15 सितंबर 2025 के आदेश पर याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट के समक्ष बिना शर्त माफ़ी और शपथपत्र पेश किया था। उदारता का परिचय देते हुए, हाईकोर्ट ने माफी स्वीकार कर ली और याचिकाकर्ता को अवमानना की कार्यवाही से मुक्त कर दिया है। शीर्ष अदालत ने उस याचिका का निस्तारण कर दिया, जिसमें शर्मा ने हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। 15 सितंबर को, शीर्ष अदालत ने वरिष्ठ अधिवक्ता देवदत्त कामत की इस दलील पर गौर किया कि शर्मा को अपने परिजनों द्वारा हाईकोर्ट के समक्ष हलफनामे के माध्यम से दिये वचन का उल्लंघन करते हुए 2023 से 25 के बीच ईमेल भेजने की गलती का पछतावा है। पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय ने 29 मई 2023 के अपने आदेश में इस वचन को विधिवत रूप से पुनः प्रस्तुत किया था।

निकाय चुनावों में वीवीपीएटी का उपयोग अनिवार्य नहीं : ईसी

नागपुर। महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग ने बुधवार को मुंबई हाईकोर्ट को बताया कि निकाय चुनावों के लिए वीवीपीएटी मशीनों का उपयोग अनिवार्य नहीं है और यह तकनीकी रूप से भी व्यावहारिक नहीं है। आयोग ने नागपुर पीठ के समक्ष कांग्रेस नेता प्रफुल्ल गुडाधे की याचिका का विरोध करते हुए हलफनामा दायर किया। याचिका में महाराष्ट्र में निकाय चुनावों में वीवीपीएटी का उपयोग नहीं करने के उसके फैसले को चुनौती दी गई थी।

- मुंबई हाईकोर्ट में आयोग याचिका का विरोध करते हुए दिया हलफनामा

गुडाधे ने याचिका में कहा कि पारदर्शी चुनाव के लिए वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) प्रणाली जरूरी है। बुधवार को सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति अनिल किलोर की पीठ ने वीवीपीएटी मशीनों का उपयोग न करने का कारण जानना चाहा, खासकर तब जब सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि वीवीपीएटी का उपयोग अनिवार्य है। आयोग के वकील ने अदालत को बताया कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला केवल आम चुनावों पर लागू होता है, निकाय चुनावों पर नहीं। आयोग ने हलफनामे में कहा कि नगरपालिका चुनावों को नियंत्रित करने वाले अधिनियमों में वीवीपीएटी के उपयोग को अनिवार्य नहीं किया गया है।

प्रदूषण से नहीं मिली राहत एक्यूआई बेहद खराब

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 391 दर्ज किया गया। इसी के साथ दिल्ली में लगातार छठे दिन वायु गुणवत्ता 'बेहद खराब' श्रेणी में रही।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के समीर एप से यह भी पता चला है कि 38 में से 18 निगरानी केंद्रों ने एक्यूआई का स्तर गंभीर श्रेणी में दर्ज किया है। चांदनी चौक, डीटीयू, बवाना, आनंद विहार, मुंडका, नरेला और वजीरपुर स्थित केंद्रों ने एक्यूआई 400 से ऊपर दर्ज किया है। मौसम की बात करें तो न्यूनतम तापमान 10.2 डिग्री रहा जो औसत से 2.1 डिग्री कम है। अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्षिक आर्द्रता 97 प्रतिशत दर्ज की गई है।

एसआईआर से परेशान व्यक्ति ने पी लिया कीटनाशक, मौत

- परिजनों का दावा, 2002 की मतदाता सूची में था मृतक का नाम अन्य सदस्यों के नहीं थे नाम

कोलकाता, एजेंसी

प. बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में 58 वर्षीय व्यक्ति की कीटनाशक पीने से मौत हो गई। परिजनों ने दावा किया है कि व्यक्ति मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े मुद्दों को लेकर परेशान था।

पुलिस ने बताया कि मृतक बदुरिया पुलिस थाना क्षेत्र के जदुरहाटी पुरबा निवासी सफीकुल मंडल है। उसने एसआईआर शुरू होने के बाद 2002 की मतदाता सूची की जांच की थी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि परिजनों का दावा है कि मंडल का नाम मतदाता सूची में था, लेकिन परिवार के कई अन्य सदस्यों के नाम नदारद थे। इससे बड़ी मुश्किल आने की आशंका से वह घबरा गया। मंडल ने मंगलवार को कीटनाशक पी लिया था और परिजन उसे बेहोशी की हालत में अस्पताल ले गए थे।

अधिकारी ने बताया कि बाद में मंडल को कोलकाता के आरजीकर चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल भेजा गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। टीएमसी के बदुरिया से विधायक काजी अब्दुर रहीम दिलू ने बुधवार सुबह परिवार से मुलाकात की और हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। हाल के हफ्तों में, उत्तर 24 परगना, मुर्शिदाबाद, बीरभूम और नादिया सहित कई जिलों से एसआईआर को लेकर चिंता से जुड़ी मौतों की खबरें आई हैं। निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल सहित विभिन्न 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर अभियान शुरू किया है।

वर्ल्ड ब्रीफ

ऑस्ट्रेलिया: सड़क हादसे में भारतीय मूल की गर्भवती महिला की मौत

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर में कार की चपेट में आने से भारतीय मूल की एक गर्भवती महिला की अपने अजन्मे बच्चे के साथ मौत हो गयी। आठ महीने की गर्भवती समन्विता धारेश्वर (33) तकनीकी विशेषज्ञ थी। पिछले शुक्रवार की रात को स्थानीय समयानुसार आठ बजे के कुछ देर बाद धारेश्वर अपने पति और तीन साल के बेटे के साथ सिडनी में जॉर्ज स्ट्रीट, हॉर्न्सबी पर सैर कर रही थीं तभी एक 'किआ' कार, उन्हें रास्ता देने के लिए एक कार पार्किंग के प्रवेश द्वार पर धीमी हो गई थी। पुलिस के हवाले से 7न्यूजडॉटकॉम की एक रिपोर्ट के अनुसार, कुछ ही पल के बाद एक बीएमडब्ल्यू ने किआ को पीछे से टक्कर मारी, जिसके चलते वह (किआ) आगे बढ़ी और महिला को टक्कर मार दी।

भारत में हत्या के मामले में वांछित युवक अमेरिका में गिरफ्तार

न्यूयॉर्क। भारत में हत्या के मामले में वांछित और अमेरिका में अवैध रूप से प्रवेश करने वाले 22 वर्षीय एक युवक को यहां सीमा सुरक्षा अधिकारियों ने गिरफ्तार कर लिया। विशद कुमार को अमेरिकी सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा अधिकारियों ने 16 नवंबर को उस वक्त पोर्ट ऑफ बफैलो, पीस ब्रिज सीमा पर गिरफ्तार किया, जब उसे कनाडा में प्रवेश देने से मना कर दिया गया था। सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा के बयान के अनुसार, कुमार के खिलाफ इंटरपोल का 'रेड नोटिस' जारी है और वह हत्या के एक मामले में भारत में वांछित है।

जयशंकर ने किया रूस में दो नए भारतीय वाणिज्य दूतावासों का उद्घाटन

मॉस्को। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को रूस में दो नए भारतीय वाणिज्य दूतावासों का उद्घाटन किया और कहा कि इनकी स्थापना से दोनों देशों के बीच व्यापार, पर्यटन, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी, शैक्षणिक और सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा मिलेगा। रूस में अपनी राजनयिक उपस्थिति का विस्तार करते हुए, भारत ने येकातेरिनबर्ग और कजान शहरों में नए महावाणिज्य दूतावास खोले हैं। समारोह में रूस के उप विदेश मंत्री आंद्रे रुडेंको और रूस में भारत के राजदूत विनय कुमार भी उपस्थित थे।

टेक्सास में दो मुस्लिम समूहों को घोषित किया आतंकवादी संगठन

ह्यूस्टन, एजेंसी

- राज्य में नहीं खरीद सकेंगे जमीन कानूनी कार्रवाई का रास्ता साफ

टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने दो मुस्लिम समूहों को विदेशी आतंकवादी और अंतरराष्ट्रीय आपराधिक संगठन घोषित किया है। इसके तहत उन पर राज्य में जमीन खरीदने पर रोक लगा दी गई है तथा सरकार के लिए उनसे जुड़ी किसी भी गतिविधि को बंद करने को कानूनी कार्रवाई का रास्ता साफ हो गया है।

एबॉट ने मंगलवार को अपने कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा कि 'मुस्लिम ब्रदरहुड' और 'काउंसिल ऑन अमेरिकन-इस्लामिक रिलेशंस' (सीएआईआर) दुनिया भर में आतंकवाद का समर्थन करते हैं और हिंसा, धमकी तथा उत्पीड़न के माध्यम से हमारे कानूनों को तोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि इन दोनों समूहों को आतंकवादी संगठन घोषित करने का उद्देश्य टेक्सास के लोगों को उन चरमपंथी नेटवर्कों से बचाना है जो लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रतिकूल एजेंडे थोपने की कोशिश कर रहे हैं। एबॉट ने कहा, इन कट्टरपंथी चरमपंथियों का हमारे राज्य में स्वागत नहीं है। सीएआईआर की स्थापना अमेरिकी मुस्लिमों के नागरिक अधिकारों को आगे बढ़ाने के लिए की गई थी और यह गाजा संघर्ष में अमेरिकी सरकार की नीतियों का मुखर आलोचक रहा है, जबकि मुस्लिम ब्रदरहुड मिस्र में स्थापित एक अंतरराष्ट्रीय सुन्नी इस्लामी आंदोलन है।

हजारों खौफनाक मौतों का जरिया

आत्मघाती हमलावर

दुनिया में आत्मघाती हमलों का इतिहास 1980 के दशक से तब शुरू हुआ जब आतंकी संगठन एलटीटीई (लिट्टे) ने इन्हें अपान एक प्रमुख हथियार बनाया। समय के साथ ऐसे हमले श्रीलंका के साथ इराक, अफगानिस्तान, पाकिस्तान और फिलीस्तीन जैसे देशों में भी आम हो गए। एक रिपोर्ट के अनुसार, 1981 से जून 2008 तक दुनिया भर में हुए 1,944 आत्मघाती हमले हुए जिनकी 51 संगठनों ने जिम्मेदारी ली। इन हमलों में कुल मिलाकर 70,884 लोग हताहत हुए। इनमें से 21,167 लोग मारे गए और 49,717 घायल हुए। इस अवधि में आत्मघाती हमलों में औसतन लगभग 11 लोग मारे गए और 25 से 26 लोग घायल हुए। भारत भी इन हमलों से अछूता नहीं रहा। हाल ही में दिल्ली में हुआ विस्फोट भारत में आत्मघाती हमले की ताजा घटना है जिसमें 15 लोग मारे जा चुके हैं और कई लोग जिंदगी और मौत के बीच झूल रहे हैं।

हमलों के मास्टरमाइंड

- लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) ने 1987 में पहला आत्मघाती हमला कर इसकी शुरुआत की।
- लिट्टे ने कुल मिलाकर 170 से अधिक हमलों को अंजाम दिया, यह ऐसा करने वाला सबसे बड़ा संगठन बना।
- अन्य प्रमुख संगठनों में अल-क़ायदा, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान, हमास, और बोको हराम शामिल हैं।
- इन हमलों में ज्यादातर विदेशी सेनाओं को निशाना बनाया गया था, बाद में नागरिक भी निशाने पर आने लगे।

इन देशों में सबसे ज्यादा हमले

इराक, अफगानिस्तान, फिलीस्तीन, पाकिस्तान और श्रीलंका सबसे अधिक हुए आत्मघाती हमले।

ऐसे बनते हैंआत्मघाती

- आतंकी संगठन इस्लामिक शहादत जैसी धार्मिक और राष्ट्रवादी विचारधाराओं को बढ़ावा देते हैं।
- आत्मघाती हमलावरों को अक्सर धोखे से या दबाव से भी इस काम के लिए तैयार किया जाता है।
- संगठन अक्सर मनोवैज्ञानिक युद्ध का इस्तेमाल करके आत्मघाती हमलों के लिए प्रेरित करते हैं।
- विभिन्न संगठन धार्मिक या राष्ट्रवादी उद्देश्य प्राप्त करने के लिए आत्मघाती हमले अंजाम देते हैं।

इसलिए ज्यादा कामयाब

- आत्मघाती हमले लक्षित आबादी में डर पैदा करते हैं और उन्हें असुरक्षित महसूस कराते हैं।
- अक्सर सेना और सरकार को निशाना बनाया जाता है, ताकि राजनीतिक अस्थिरता पैदा हो।
- इन हमलों में हताहतों की संख्या ज्यादा होती है जो आतंकियों के लिए एक प्रभावी हथियार है।
- इन हमलों में कोई पारंपरिक बचाव प्रणाली नहीं होती, जिससे ये हमले बहुत प्रभावी होते हैं।

सबसे घातक हमले

- अमेरिका : 11 सितंबर 2001 को अल कायदा आतंकवादियों ने चार विमानों से वर्ल्ड ट्रेड सेंटर और पेंटागन पर हमला किया। इस हमले में लगभग 3,000 से अधिक लोग मारे गए।
- रूस : सितंबर 2004 में रूस के बेसलान शहर के एक स्कूल में आतंकवादियों ने तीन दिन हमला किया। इसमें करीब 330 लोगों की मौत हुई, जिनमें अधिकांश बच्चे थे।
- ईराक : 14 अगस्त 2007 को ईराक में एक कार में विस्फोट हुआ जिसमें 756 लोग मारे गए। यह इराक में हुआ एक बेहद घातक आत्मघाती हमला था।
- भारत : 22 जून 1985 को कनाडा-नई दिल्ली उड़ान भरने वाले एअर इंडिया के विमान में विस्फोट हुआ जिसमें 307 यात्री और 22 क्रू मेंबर मारे गए।
- भारत : मुंबई में 26 नवंबर 2008 को पाकिस्तानी आतंकियों द्वारा किया गया हमला जिसमें 167 मारे गए। कई जगह आतंकियों ने नागरिकों पर गोली चलाईं।

ट्रंप पर बढ़ा यौन अपराधी एपस्टीन से संबंधित फाइलें जारी करने का दबाव

अमेरिकी संसद के दोनों सदनों में बिल पारित, मत विभाजन रोकने के प्रयास विफल

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी संसद के दोनों सदन प्रतिनिधि सभा और सीनेट ने मंगलवार को निर्णायक रूप से एक विधेयक पारित कर न्याय विभाग पर दोषी यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से संबंधित उसकी फाइलें सार्वजनिक करने के लिए दबाव बढ़ा दिया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रिपब्लिकन नेतृत्व के विरोध से पार पाने के लिए कई महीने तक संघर्ष के बाद अमेरिकी संसद अपने इस प्रयास में कामयाब हो सकी।

संसद के एक छोटे व द्विदलीय समूह को जुलाई में प्रतिनिधि सभा में विधेयक को लाने के लिए मशक्कत करनी पड़ी। तब ट्रंप ने अपने समर्थकों से इसे खारिज करने को कहा था, लेकिन ट्रंप और प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष माइक जॉनसन दोनों मत विभाजन रोकने के अपने प्रयासों में विफल रहे। अब राष्ट्रपति ने विधेयक को लेकर बढ़ती लामबंदी के बीच इस पर अपना रुख नरम कर लिया है और यहां तक कहा है कि वह इस पर हस्ताक्षर करेंगे। निचले सदन द्वारा विधेयक पारित करने के कुछ घंटे बाद सीनेट ने आम-सहमति से विधेयक को पारित करने की मंशा जाहिर कर दी। प्रतिनिधि सभा ने 427-1 वोट से इस बिल को भारी मंजूरी दे दी, वहीं सीनेट ने औपचारिक वोट के बिना सर्वसम्मति से इसे तेजी से पास कर दिया। मंगलवार को कांग्रेस में हुए निर्णायक, द्विदलीय मत विभाजन ने सांसदों और ट्रंप प्रशासन पर लंबे समय से चली आ रही मांगों को पूरा करने के लिए बढ़ते दबाव को और स्पष्ट कर दिया कि न्याय विभाग एपस्टीन से संबंधित अपनी केस फाइलें जारी करे।

एपस्टीन एक प्रभावशाली फाइनेंसर था, जिसने 2019 में नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण और तस्करी के आरोपों में मुकदमे का इंतजार करने के दौरान मैनहट्टन जेल में आत्महत्या कर ली थी। एपस्टीन फाइल्स स्कैंडल यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन और उसके साथियों की जांच से जुड़े हजारों पन्नों के दस्तावेज हैं। एपस्टीन पर आरोप लगे थे कि वह अपने पैसे और प्रभावशाली व्यक्तियों यानी राजनेताओं, मशहूर हस्तियों और राजघरानों के साथ अपने संबंधों का इस्तेमाल करके लड़कियों की तस्करी का गिरोह चलाता था। वह इन हस्तियों के लिए पार्टी भी करवाता था। इनमें कई लड़कियों को यौन शोषण हुआ। एपस्टीन से संबंधों लेकर ट्रंप पर भी आरोप लग चुके हैं।

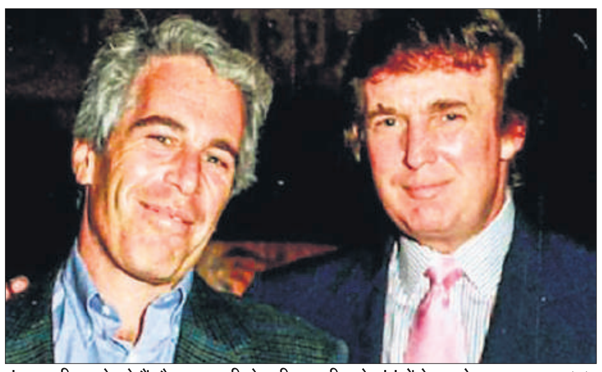

ट्रंप पर भी लगते रहे हैं यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से संबंधों के आरोप। - फाइल फोटो

पूर्व वित्तमंत्री लैरी समर्स ने एपस्टीन ईमेल लीक होने के बाद ओपनएआई बोर्ड से इस्तीफा दिया

न्यूयॉर्क। अमेरिका के पूर्व वित्तमंत्री लैरी समर्स ने ओपनएआई के निदेशक मंडल से इस्तीफा देने का फैसला किया है। समर्स का बोर्ड से इस्तीफा ऐसे ईमेल के लीक होने के बाद हुआ है, जिससे खुलासा हुआ था कि जेफरी एपस्टीन द्वारा 2008 में एक नाबालिग लड़की से वेश्यावृत्ति कराने का अपराध स्वीकार किए जाने के बाद भी उन्होंने उसके साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखा था। बोर्ड ने एक बयान में कहा, लैरी ने ओपनएआई निदेशक मंडल से इस्तीफा देने का फैसला किया है और हम उनके फैसले का सम्मान करते हैं। हम उनके योगदान और बोर्ड में उनके द्वारा लाए गए दृष्टिकोण की सराहना करते हैं। समर्स के इस्तीफे की जानकारी उनके द्वारा सार्वजनिक प्रतिबद्धताओं से पीछे हटने की घोषणा के एक दिन बाद की गई।

यूक्रेन के रिहायशी इलाकों में बरसीं रूस की मिसाइलें, 16 लोगों की मौत, 37 घायल

कीव, एजेंसी

यूक्रेन में मंगलवार रात रूसी ड्रोन और मिसाइल हमले में 16 लोगों की मौत हो गई और 37 लोग घायल हो गए। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की रूस पर दबाव बनाने के प्रयासों के तहत तुर्किये में वार्ता करने वाले हैं।

गृह मंत्री इहोर क्लिमेंको के अनुसार, पश्चिमी यूक्रेन के शहर टेरनोपिल में नौ मंजिला दो अपार्टमेंट ब्लॉक पर रात में हमले हुए। हमले में लगभग 37 लोग घायल बताए जा रहे हैं, जिनमें 12 बच्चे भी शामिल हैं। यूक्रेन की वायुसेना ने कहा कि रूस ने रात भर 476 यूक्रेनी ठिकानों पर डिकॉय ड्रोन से हमले किए और विभिन्न प्रकार की 48 मिसाइलें दागीं। जेलेंस्की ने मैसेजिंग ऐप 'टेलीग्राम' पर लिखा, आम जीवन के खिलाफ हर बेशर्म हमला यह दर्शाता है कि रूस पर युद्ध रोकने के लिए दबाव अपर्याप्त है। जेलेंस्की ने कहा कि वह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को कूटनीतिक रूप से अलग-थलग करने और उनपर अधिक अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाने के अपने प्रयासों के तहत बुधवार को तुर्किये के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन से मुलाकात करेंगे।

यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर उत्तर-पूर्वी खारकीव में, रूसी ड्रोन हमलों में दो लड़कियों समेत 46 लोग घायल हो गए।

रूसी हमले के बाद एक इमारत से बुजुर्ग महिला को निकालकर ले जाते यूक्रेनी बचावकर्मी।

खशोगी की हत्या में सऊदी के क्राउन प्रिंस शामिल नहीं

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के उन निष्कर्षों को खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि 2018 में 'वाशिंगटन पोस्ट' के पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की कुछ हद तक संलिप्तता हो सकती है। ट्रंप ने सात साल में पहली बार व्हाइट हाउस आए सऊदी अरब के शासक का गर्मजोशी से स्वागत किया।

सऊदी अरब की नीतियों के कटु आलोचक रहे खशोगी की हत्या से एक समय के लिए अमेरिका-सऊदी अरब के रिश्तों में भारी तनाव आ गया था, लेकिन सात साल बाद ट्रंप क्राउन प्रिंस को पश्चिम एशिया के भविष्य को आकार देने वाला अहम नेता बता रहे हैं। ट्रंप ने खशोगी को 'बेहद विवादित व्यक्ति' बताया। प्रिंस मोहम्मद ने खशोगी की हत्या में संलिप्तता से इनकार किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने प्रिंस मोहम्मद की उपस्थिति में ओवल ऑफिस में एक पत्रकार के सवाल पर कहा, पसंद करें या न करें, ऐसी बातें हो जाती हैं, लेकिन क्राउन प्रिंस को इसके बारे में कुछ पता नहीं था।

- ट्रंप ने अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट को किया खारिज

तीखे सवाल पूछने पर रिपोर्टर को धमकाया

न्यूयॉर्क। ट्रंप ने तीखे सवाल पूछने पर 'एबीसी न्यूज' की पत्रकार मैरी ब्रूस पर निशाना साधते हुए उन्हें बेहद खराब रिपोर्टर बताया और समाचार संगठन के प्रसारण का लाइसेंस रद्द करने की धमकी दी। ब्रूस ने ट्रंप से पूछा कि क्या राष्ट्रपति पद पर रहते हुए उनके परिवार का सऊदी अरब में व्यापार करना उचित है। ब्रूस ने क्राउन प्रिंस से पूछा, अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने निष्कर्ष निकाला कि आपने एक पत्रकार की हत्या की साजिश रची। 9/11 पीड़ितों के परिजन आपके यहां आने से नाराज हैं। अमेरिकी आप पर क्यों भरोसा करें। इन सवालों के बाद ट्रंप ने एबीसी को 'फेक न्यूज' बताया और ब्रूस की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने प्रिंस से बेहद खराब प्रश्न पूछा। यौन अपराधी एपस्टीन पर एक सवाल पूछे जाने पर ट्रंप ने ब्रूस से कहा, आप एक खराब रिपोर्टर हैं।

नेपाल : जेन जी की ओली की पार्टी के कार्यकर्ताओं से झड़प बारा जिले में कर्फ्यू

काठमांडू। भारत से सटे नेपाल के बारा जिले के कुछ हिस्सों में जेन जी युवाओं और अपदस्थ प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली की पार्टी सीपीएन-यूएमएल के कार्यकर्ताओं के बीच हुई झड़प के बाद बुधवार को इलाके में कर्फ्यू लगा दिया गया।

बारा जिला प्रशासन ने बताया कि सिमारा हवाई अड्डे के 500 मीटर के दायरे में अपराह्न 12:30 बजे से रात 8:00 बजे तक कर्फ्यू लागू रहेगा, क्योंकि वहां सैकड़ों जेनरेशन जी युवा नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के खिलाफ नारे लगाते हुए एकत्र हुए थे। पुलिस ने बताया कि यह झड़प उस समय हुई जब बुद्ध एयर का विमान पार्टी महासचिव शंकर पोखरेल और पार्टी के युवा नेता महेश बसनेत को लेकर काठमांडू से सिमारा के लिए उड़ान भरने वाला था, जहां उन्हें सरकार विरोधी रैली को संबोधित करना था।

सीपीएन-यूएमएल नेताओं के सिमारा जाने की खबर जैसे ही फैली जेन जी के प्रदर्शनकारी उनके आगमन का विरोध करने के लिए हवाई अड्डे पर एकत्र हो गए। जहां उनकी स्थानीय सीपीएन-यूएमएल कार्यकर्ताओं के साथ झड़प हो गई।

ताकाइची को चीन की धमकी, ताइवान पर टिप्पणी वापस न ली तो कार्रवाई

- जापान के साथ बढ़ा तनाव, बीजिंग में बैठक के बाद भी मतभेद कायम

बीजिंग/टोक्यो। चीन ने बुधवार को जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची से ताइवान पर की गई गलत टिप्पणियां वापस लेने को कहते हुए चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर जवाबी कदम उठाए जाएंगे।

दोनों देशों के अधिकारियों के बीच बीजिंग में तनाव कम करने के लिए हुई बैठक के एक दिन बाद चीन ने यह चेतावनी जारी की। चीन-जापान के बीच हुई बैठक में हालांकि मतभेदों को दूर करने पर बात नहीं बनी। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने यहां कहा कि ताकाइची ने हाल ही में ताइवान के बारे में गलत टिप्पणियां कीं, जो चीन के आंतरिक मामलों में घोर हस्तक्षेप है और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। उन्होंने युद्धोत्तर अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को चुनौती दी और चीन के लोगों में आक्रोश को भड़काया है।

उन्होंने कहा, म जापान से आग्रह करते हैं कि वह अपनी गलत टिप्पणियों को वापस ले, समस्याएं उत्पन्न करना बंद करे और द्विपक्षीय संबंधों की नींव को बनाए रखने के लिए ठोस कदम उठाए। माओ ने कहा, अगर जापान अपनी टिप्पणियों को वापस लेने से इन्कार करता है, तो चीन के पास गंभीर जवाबी कार्रवाई करने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा और इसके सभी परिणाम जापान को भुगतने होंगे। माओ ने एक प्रश्न का उत्तर देते हुए यह भी कहा कि जापान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थाई सदस्यता पाने के लिए पूरी तरह से अयोग्य है।

एसआईआर के बीच सीमा पार करने की कोशिश कर रहे अवैध बांग्लादेशियों की संख्या बढ़ी

कोलकाता, एजेंसी

- बीएसएफ का खुलासा, अचानक संख्या बढ़ने से सीमा पर दबाव

बीएसएफ के अधिकारियों के अनुसार हाल के सप्ताहों में दक्षिण बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा पार करने का प्रयास करने वाले अवैध बांग्लादेशी नागरिकों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है तथा इस वृद्धि को एसआईआर से जोड़ा जा रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा किउत्तरी 24 परगना और मालदा जिलों में बिना बाड़ वाले इलाकों से घर लौटने की कोशिश कर रहे बिना दस्तावेज वाले बांग्लादेशी प्रवासियों की संख्या में पिछले दो वर्षों की तुलना में 'बड़ी वृद्धि' देखी गई है।

बीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, पहले ऐसी घटनाएं बमुश्किल दोहरे अंक में पहुंचती थीं। अब यह आंकड़ा हर दिन लगातार तीन अंकों में पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ रिपोर्टों में प्रतिदिन लगभग 500 की संख्या बताई गई है, जबकि वास्तविक संख्या थोड़ी कम है, लेकिन पर्याप्त है 100, 150 या इससे अधिक। उत्तरी 24 परगना में सीमा पर तैनात बीएसएफ कर्मियों ने कहा कि चौकियों पर छोटे बैग और सामान ले जाने वाले लोगों की कतार देखी जा रही है, जो खुले तौर पर स्वीकार कर रहे हैं कि वे बांग्लादेशी नागरिक हैं जो काम की तलाश में वर्षों पहले अवैध रूप से भारत आए थे। उनमें से एक, आयशा बीबी, जिसने खुद को खुलना जिले का निवासी बताया, ने कहा कि वह गरीबी के कारण भारत आई थी और बिना कागजात के यहां रह रही थी।

उन्होंने कहा, मेरे पास कोई दस्तावेज नहीं है। अब मैं खुलना लौटना चाहती हूं। मैं यहां वापस जाने का ही इंतजार कर रही हूं। एक अन्य बांग्लादेशी सतखिरा के अमीर मिर्जा ने कहा कि वह रोजगार की तलाश में भारत आया था और बिराती में रह रहा था। उन्होंने कहा, मेरे जैसे कई लोग हैं। अब हम सभी वापस जाना चाहते हैं। बांग्लादेशी प्रवासियों के लौटने की संख्या में अचानक हुई वृद्धि से बीएसएफ और राज्य पुलिस पर दबाव बढ़ गया है, जिन्हें सीमा के दोनों ओर पकड़े गए प्रत्येक व्यक्ति का बायोमेट्रिक सत्यापन, पूछताछ और आपराधिक पृष्ठभूमि की जांच करनी होती है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 20 नवंबर, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, अमावस्या 12.16 तक तत्पश्चात प्रतिपदा।

आज का पंचांग

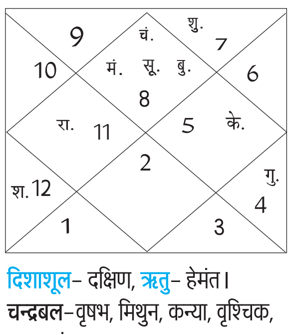

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल-वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-विशाखा 10.58 तक तत्पश्चात अनुराधा।

मेष — आज स्वास्थ्य समस्या है, तो तुरंत अपने डॉक्टर से मिलें। आर्थिक कारणों से आपका मन विचलित रहेगा। सिरदर्द और बुखार की समस्या हो सकती है। आडंबर युक्त व्यवहार के कारण लोग आपकी आलोचना कर सकते हैं।

वृष — आज परिवार में सुख-शांति रहेगी। आप जैसी अपेक्षा कर रहे थे काम वैसे ही होंगे। व्यापार में बड़ी डील हो सकती है। नया काम भी शुरू कर सकते हैं। अचानक बड़ा धन लाभ हो सकता है। शुभ समाचार मिलने से उत्साह में वृद्धि होगी।

मिथुन — आज कार्यक्षेत्र में विदेशी लोगों से आपको समर्थन मिल सकता है। अपनी गलतियों को सुधारने का प्रयास करें। विवाहोत्सुक जातकों को प्रस्ताव मिल सकते हैं। विद्यार्थी अपने करियर को लेकर तनाव में आ सकते हैं।

कर्क — आज आध्यात्मिक विषयों के प्रति आपकी जिज्ञासा बढ़ सकती है। घरेलू कलह से बचने के लिए स्वयं शांत रहें। अपने भाग्य को दोष देने के बजाय मजबूती से चुनौतियों का सामना करें, सफलता शीघ्र ही मिलेगी। संतान के व्यवहार से निराशा हो सकती है।

सिंह — आज जीवनसाथी आपकी भावनाओं को समझ नहीं पा रहे हैं, लेकिन यदि कहीं आप इसके लिए जिम्मेदार हैं, तो इस मामले को शीघ्रता से सुलझा लें। वरना आप काफी अकेलापन महसूस करेंगे। कार्यक्षेत्र में आपका मन नहीं लगेगा।

कन्या — आज व्यवसाय में आशा से बेहतर परिणाम मिलेंगे। सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। अधीनस्थ कर्मचारी विद्रोही रूख व्यक्त कर सकते हैं। नाराज लोगों को मनाने के लिए दिन बेहतर है।

तुला — आज मान-सम्मान में कमी आ सकती है। किसी जरूरी कार्य के बाधित होने के कारण कुंठाग्रस्त हो सकते हैं। छोटे बच्चों या अध्यात्मिक लोगों के साथ समय बिताना लाभकारी होगा। सुख-सुविधाओं पर अधिक धन खर्च कर सकते हैं।

वृश्चिक — आज मानसिक रूप से काफी मजबूत रहेंगे। कमीशन आदि से लाभ हो सकता है। व्यवसाय में नए अनुबंध हो सकते हैं, किंतु काम शुरू नहीं हो पाएगा। आप अपनी जिम्मेदारियों को लेकर अत्यंत संवेदनशील रहेंगे।

धनु — आज आपको बहुत परिश्रम करने से बचना चाहिए। कानूनी उलझनों में फंस सकते हैं। बेमतलब के कार्यो में आपका समय बर्बाद होगा। अनिर्णय की स्थिति उत्पन्न होगी। मेहनत का उत्तम परिणाम प्राप्त नहीं होगा। भाई-बहनों को कोई स्वास्थ्य समस्या हो सकती है।

मकर — आज कार्यक्षेत्र में आपका दबदबा बढ़ेगा। नौकरीपेशा लोगों की आय में वृद्धि हो सकती है। नई जॉब ढूंढ रहे हैं, तो दिन बेहद अनुकूल है। प्रियजनों से आपको उत्तम सलाह व उचित सहायता मिल सकती है। बच्चे माता-पिता की आशाओं पर खरे उतरेंगे।

कुंभ — आज व्यवसाय में प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है। वैवाहिक जीवन में प्रेम भावनाओं का आधिक्य रहेगा। कृषि कार्यों से जुड़े लोगों के लिए दिन शुभ है। किसी से अधिक अपेक्षा न करें, क्योंकि आप जैसा सोचेंगे वैसा होगा नहीं। संतान को लेकर थोड़े विचारशील हो सकते हैं।

मीन — आज यात्राओं के कारण स्वास्थ्य समस्या हो सकती है। पुरानी गलतियों का भुगतान करना पड़ सकता है। क्रोध व उत्तेजित प्रतिक्रिया से बचें। धर्म के प्रति मन में शंका हो सकती है। संपत्ति विवाद गहरा सकते हैं।

सुडोकू-166

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1								
				3				
7								
		2		8				
						4		
		9						
					3			
								1
	5							

सुडोकू - 165 का हल

1	6	5	7	8	2	3	9	4
2	7	8	9	3	4	5	1	6
3	4	9	5	1	6	7	8	2
6	8	7	4	9	3	1	2	5
5	9	3	6	2	1	8	4	7
4	2	1	8	5	7	9	6	3
9	5	2	3	6	8	4	7	1
8	1	4	2	7	5	6	3	9
7	3	6	1	4	9	2	5	8

" घरेलू प्रतियोगिता के व्यस्त कार्यक्रम पर हमेशा मिश्रित राय होगी, लेकिन व्यक्तिगत रूप से मुझे इससे कोई आपत्ति नहीं है। घरेलू सत्र के दौरान लाल गेंद के मैचों के बीच कुछ सीमित ओवरों के मैच खेलने से खिलाड़ियों को मानसिक रूप से तरोताजा रहने में मदद मिलती है।

-शार्दुल ठाकुर

हाईलाइट

न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल बने नंबर एक वनडे बल्लेबाज

दुबई : भारत के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा कुछ समय तक शीर्ष पर रहने के बाद बुधवार को जारी आईसीसी की एकदिवसीय बल्लेबाजों की रैंकिंग में दूसरे स्थान पर खिसक गए जबकि न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल ने शीर्ष स्थान हासिल किया। वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार शतक की बदौलत मिचेल एकदिवसीय बल्लेबाजों की सूची में नंबर एक स्थान हासिल करने वाले न्यूजीलैंड के दूसरे बल्लेबाज बन गए। उन्होंने कैरेबियाई टीम के खिलाफ श्रृंखला के शुरुआती मैच में अपना सातवां एकदिवसीय शतक लगाया और यह फॉर्म में चल रहे इस दाएं हाथ के बल्लेबाज के लिए रोहित को पछाड़कर अपने करियर में पहली बार शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए पर्याप्त साबित हुआ। मिचेल के वर्तमान में 782 रेटिंग अंक हैं जो रोहित से एक अंक अधिक है।

बुमराह टेस्ट गेंदबाजों की शीर्ष रैंकिंग पर

दुबई : भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने ईडन गार्डन्स में पहले टेस्ट में छह विकेट लेकर नंबर एक टेस्ट गेंदबाज का स्थान बरकरार रखा है। उनके साथी कुलदीप यादव (दो स्थान के फायदे से करियर के सर्वश्रेष्ठ 13वें स्थान पर) और रविंद्र जडेजा (चार स्थान के फायदे से 15वें स्थान पर) की गेंदबाजी रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। दक्षिण अफ्रीका के मार्को यानसेन (एक स्थान के फायदे से 11वें स्थान पर) और साइमन हार्मर (20 स्थान ऊपर चढ़कर 24वें स्थान पर) भी भारत के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन के बाद टेस्ट गेंदबाजों की सूची में आगे बढ़े हैं। यानसेन टेस्ट ऑलराउंडर की नवीनतम रैंकिंग में भी एक स्थान ऊपर चढ़कर पांचवें स्थान पर आ गए हैं।

हिमांशु ने पैरा तैराकी में जीते तीन स्वर्ण

हैदराबाद : हिमांशु नंदल ने राष्ट्रीय पैरा तैराकी चैम्पियनशिप में एस11 वर्ग में तीन स्वर्ण के साथ सर्वश्रेष्ठ तैराक का पुरस्कार भी जीता। यह टूर्नामेंट यहां 15 से 18 नवंबर के बीच खेला गया था। नंदल ने एस11 श्रेणी में रफ्तार, अनुशासन और नियंत्रण का प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण अपने नाम किये। उन्होंने 50 मीटर फ्रीस्टाइल, 100 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक और 100 मीटर बैकस्ट्रोक में सोना जीता।

फिडे विश्व कप में भारत की चुनौती समाप्त

पणजी : ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी को बुधवार को यहां क्वार्टर फाइनल के टाईब्रेक में चीन के वेई यी के खिलाफ 1.5-2.5 से हार का सामना करना पड़ा जिससे फिडे शतरंज विश्व कप में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई। रेपिड टाईब्रेक बाजियों में भाग्य ने एरिगेसी का साथ नहीं दिया। चीन के खिलाड़ी ने एरिगेसी पर लगातार दबाव बनाए रखा। दोनों खिलाड़ियों के बीच पहली टाईब्रेक बाजी ड्रॉ रही लेकिन दूसरी बाजी में एरिगेसी ने नियंत्रण गंवाने के साथ मुकाबला भी गंवा दिया। एरिगेसी दूसरी बाजी में सफेद मोहरों से खेल रहे थे लेकिन इसके बावजूद फायदा उठाने में नाकाम रहे। आंद्रे इसिपेंको ने टाईब्रेकर की शुरुआती दो बाजियां ड्रॉ रहने के बाद अगली दोनों बाजियां जीतकर अमेरिका के सैम शेंकलैंड को 4-2 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

विस्फोटक रिंकू सिंह ने खेली करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी

कोयंबटूर, एजेंसी

टी-20 क्रिकेट में फिनिशर की भूमिका के लिए मशहूर रिंकू सिंह ने बुधवार को यहां प्रथम श्रेणी क्रिकेट में करियर की सर्वश्रेष्ठ 176 रन की पारी खेली जिससे उत्तर प्रदेश ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप ए के मैच के चौथे और अंतिम दिन बुधवार को यहां तमिलनाडु के खिलाफ पहली पारी के आधार पर बढ़त हासिल करके तीन अंक जुटाए।

तमिलनाडु के पहली पारी के 455 रन के जवाब में उत्तर प्रदेश ने 460 रन बनाकर ड्रॉ हुए मैच में तीन अंक हासिल किए। तमिलनाडु को एक अंक मिला। उत्तर प्रदेश को बढ़त दिलाने में रिंकू की अहम भूमिका रही जिन्होंने 247 गेंद की अपनी पारी में 17 चौके और छह छक्के मारे। निचले क्रम में शिवम मावी ने भी 54 रन की उपयोगी पारी खेली। भारत की राष्ट्रीय टीम जब स्वदेश में टेस्ट मैच में स्पिनरों का सामना करने में जूझ रही है तब रिंकू ने इस पारी से टीम में जगह बनाने की अपनी मजबूत दावेदारी पेश की है। नागपुर में पूर्व चैंपियन विदर्भ ने तेज गेंदबाज दर्शन नालकंडे (15 रन पर पांच विकेट) के करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी से बड़ौदा को 144 रन से हराया। विदर्भ को

- **तमिलनाडु के खिलाफ ड्रॉ मैच से यूपी ने बटोरे तीन अंक**

इस जीत से छह अंक मिले जिससे उसने तालिका के शीर्ष पर अपनी स्थिति और मजबूत की। विदर्भ के 276 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बड़ौदा ने मंगलवार को 73 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे और अंततः उसकी पूरी टीम 50.4 ओवर में 131 रन पर सिमट गई। विदर्भ के पहली पारी के 169 रन के जवाब में बड़ौदा ने 166 रन बनाए थे। विदर्भ की जीत में नालकंडे की अहम भूमिका रही जिन्होंने अपने प्रथम श्रेणी पदार्पण के सात साल बाद पहली बार पारी में पांच विकेट चटकाए।

बड़ौदा की ओर से दूसरी पारी में सुकीर्त पांडे 37 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। जमशेदपुर में झारखंड ने आंध्र को पारी और 81 रन से हराया। झारखंड के 328 रन के जवाब में आंध्र ने पहली पारी छह विकेट पर 567 रन बनाकर घोषित की। इसके बाद झारखंड की टीम दूसरी पारी में 158 रन पर सिमट गई और उसे पारी के अंतर से हार का सामना करना पड़ा। आंध्र की ओर से सौरभ कुमार ने 47 रन पर पांच जबकि त्रिपुराना विजय ने 39 रन पर तीन विकेट चटकाए। आंध्र को इस जीत से बोनस अंक सहित सात अंक मिले। भुवनेश्वर में ओडिशा ने नगालैंड को 299 रन से हराया।

ओडिशा के 465 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए नगालैंड की टीम गोविंदा पोद्दार (69 रन पर पांच विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने 165 रन पर सिमट गई। नगालैंड की ओर से देगा निश्चल ने सर्वाधिक 52 रन बनाए।

गिल पूरी तरह फिट नहीं, पर खेलने को बेताब

टीम के बाकी सदस्यों के साथ बुधवार को पहुंचे गुवाहाटी, बीसीसीआई सचिव बोले- उनकी प्रगति को देखकर लिया जाएगा फैसला

गुवाहाटी, एजेंसी

भारतीय कप्तान शुभमन गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए टीम के बाकी सदस्यों के साथ बुधवार को गुवाहाटी पहुंच गए, लेकिन उनकी गर्दन की चोट शनिवार को यहां शुरू होने वाले मैच से पहले पूरी तरह ठीक होने की संभावना नहीं है। पूरी संभावना है कि गिल गुरुवार और शुक्रवार को होने वाले अभ्यास सत्रों के दौरान खुद को फिट साबित करने की पूरी कोशिश करेंगे।

भारतीय टीम के सूत्रों की मानें तो 26 वर्षीय गिल अभी शतप्रतिशत फिट नहीं हैं। उनकी गर्दन में दर्द अभी भी बना हुआ है, हालांकि यह पहले की तुलना में काफी कम है। इससे पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने दिन में कहा था कि गिल टीम के साथ गुवाहाटी जाएंगे। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने एक बयान में कहा शुभमन पर उपचार का अच्छा असर हो रहा है और वह 19 नवंबर 2025 को टीम के साथ गुवाहाटी जाएंगे। उन्होंने कहा बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी निगरानी करती रहेगी और दूसरे टेस्ट में उनकी भागीदारी पर फैसला उनकी प्रगति को देखकर लिया जाएगा।

इस तरह से बीसीसीआई के सचिव ने भी गिल के दूसरे टेस्ट में खेलने को लेकर संशय बरकरार रखा। कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन 26 वर्षीय गिल की गर्दन में अकड़न आ गई थी। वह पहली पारी में चार रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हो गए थे और इसके बाद मैच में आगे नहीं खेल पाए थे। गिल को इस चोट के कारण अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। गिल की अनुपस्थिति में भारतीय टीम यह मैच 30 रन से हार गई थी।

गिल को चिकित्सकीय रूप में फिट घोषित किया जा सकता है लेकिन पांच दिन की क्रिकेट की चुनौती अलग तरह की होती है जिसके कारण समस्या बढ़ सकती है और उन्हें लंबे समय तक बाहर रहना पड़ सकता है। पहले टेस्ट मैच में भारतीय बल्लेबाजों की स्पिनरों को खेलने की कमजोरी का खुलासा हो गया।

कोलकाता टेस्ट के बाद ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर एक बड़ा खतरा बन गए हैं, ऐसे में स्पिन का सामना करने में सक्षम दाएं हाथ के बल्लेबाज की टीम को सख्त जरूरत है। मौजूदा कोचिंग स्टाफ और चयन समिति को सरफराज खान, करुण नायर या अभिमन्यु ईश्वरन जैसे खिलाड़ियों पर ज्यादा भरोसा नहीं है, जबकि ये तीनों स्पिन को अच्छी तरह से खेलते हैं। उनका सीधा तर्क यह है कि भले ही साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल दोनों बाएं हाथ के खिलाड़ी हैं, लेकिन किसी अन्य खिलाड़ी को शामिल करने पर युवा खिलाड़ियों की दबाव झेलने की क्षमता पर विश्वास की कमी का संकेत मिलेगा। सुदर्शन का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं रहा है और कुछ लोगों का मानना है कि ध्रुव जुरेल अपनी बेहतर तकनीक के साथ तीसरे नंबर पर बेहतर विकल्प हो सकते हैं।

भारतीय टीम की वर्तमान स्थिति को देखते हुए ही गिल बल्लेबाजी के लिए पर्याप्त रूप से फिट होना चाहते हैं, क्योंकि आधा फिट कप्तान भी सुदर्शन, ईश्वरन या सरफराज से अधिक प्रभावी माना जाता है। इसके अलावा गिल का टेस्ट कप्तान के रूप में यह शुरुआती दौर है और वह किसी मैच से बाहर नहीं बैठना चाहेंगे। गिल के चोटिल होने के कारण ऑलराउंडर नितीश रेड्डी को राजकोट में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ चल रही भारत ए की सीरीज से वापस बुला दिया गया है।

गुवाहाटी के गोपीनाथ बोरदोलोई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भारत और दक्षिण अफ्रीकी टीमों के खिलाड़ी व स्टाफ के सदस्य। एजेंसी

एकदिवसीय मुकाबलों से बाहर रह सकते हैं हार्दिक और बुमराह

गुवाहाटी। अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप को देखते हुए जांघ की चोट से उबर रहे ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के 30 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में खेलने की संभावना नहीं है और उम्मीद है कि वह फिलहाल केवल सबसे छोटे प्रारूप (टी20) पर ही ध्यान केंद्रित करेंगे। मुख्य तेज गेंदबाजों के काम के बोझ के प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भी तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला से आराम दिए जाने की संभावना है क्योंकि इसका टी20 विश्व कप की तैयारी में कोई खास महत्व नहीं है। हार्दिक को सितंबर में दुबई में एशिया कप टी20 के दौरान जांघ में चोट लगी थी और वह पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल में भी नहीं खेल पाए थे। बीसीसीआई के एक सूत्र ने नाम नहीं छापने की शर्त पर पीटीआई को बताया हार्दिक इस समय अपनी जांघ की चोट से उबर रहे हैं। वह सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपनी आरटीपी ट्रेनिंग कर रहे हैं। फिलहाल जांघ की चोट से वापसी के बाद उन्हें धीरे-धीरे अपना कार्यभार बढ़ाने की जरूरत है और सीधे 50 ओवर के मैच खेलना जोखिम भरा होगा।

लक्ष्य सहित पांच भारतीय दूसरे दौर में

सिडनी, एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई ओपन

लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय सहित पांच भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार शुरुआत करते हुए बुधवार को यहां 475,000 डॉलर इनामी आस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के दूसरे दौर में प्रवेश किया।

विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने चीनी ताइपे के सु ली यांग को 21-17, 21-13 से हराया, जबकि इस प्रतियोगिता में 2023 के उपविजेता प्रणय ने खराब शुरुआत से उबरते हुए पहले दौर के मैच में दुनिया के 85वें नंबर के खिलाड़ी योहानेस सौत मार्सेलिनो को 57 मिनट में 6-21, 21-12, 21-17 से हराया।

विश्व के 32वें नंबर के खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने कनाडा के सैम युआन को 33 मिनट में 21-11, 21-15 से पराजित किया। मकाऊ ओपन के सेमीफाइनलिस्ट थारुण मन्नेपल्ली ने डेनमार्क के मैग्नस योहानसन को 66 मिनट तक चले मुकाबले में 21-13, 17-21, 21-19 से हराया।

विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता अनुभवी किदांबी श्रीकांत भी 64 मिनट तक चले मुकाबले में चीनी ताइपे के ली चिया हाओ को 21-19, 19-21, 21-15 से हराकर अगले दौर में पहुंच गए।

इस बीच किरण जॉर्ज को कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद जापान के छठी वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोतो से 21-11, 22-24, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा।

मोहित जगलान और लक्षिता जगलान की भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी को एक अन्य मैच में कनाडा के नाइल याकुरा और क्रिस्टल लाई ने 12-21, 16-21 से हराकर बाहर कर दिया।

भारत ए पर जीत दर्ज करने के बाद जश्न मनाते दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाड़ी। एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका ए बचा क्लीन स्वीप होने से

राजकोट, एजेंसी

- **सीरीज के तीसरे व अंतिम मैच में भारत ए को 73 रनों से हराया**

युवा बल्लेबाज हुआन ड्रे प्रिटोरियस के शानदार शतक की मदद से दक्षिण अफ्रीका ए ने तीसरे अनधिकृत वनडे में भारत ए को 73 रन से हराकर सीरीज में सूपड़ा साफ होने से बचाया। भारत ए ने पहले दोनों मैच जीते थे।

प्रिटोरियस (98 गेंद में 123 रन)के अलावा सलामी बल्लेबाज रिवाल्डो मूनसामी (130 गेंद में 107 रन) ने भी शतक लगाया और दोनों ने 241 रन की साझेदारी करके दक्षिण अफ्रीका को 50 ओवरों में छह विकेट पर 325 रन तक पहुंचाया। भारत के लिये हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा और खलील अहमद ने दो दो विकेट लिये। जवाब में भारत ए टीम 49.1 ओवर में 252 रन पर आउट हो गई। भारत ए के लिये सिर्फ आयुष बडोनी 66 गेंद में 66 रन बना सके। ईशान किशन ने 67 गेंद में 53 रन बनाए जबकि बाकी बल्लेबाज नाकाम रहे।

विश्व चैंपियनशिप

पूरे आत्मविश्वास और नियंत्रण के साथ लड़ते हुए विश्व चैंपियन जैस्मीन ने कजाकिस्तान की सरसेनबेक को हराया

दस भारतीय मुक्केबाज स्वर्ण पदक के लिए उतरेंगे

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी

विश्व चैंपियन जैस्मीन लैम्बोरिया (57 किग्रा) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में कजाकिस्तान की उल्जान सरसेनबेक, जो एशियाई युवा चैंपियनशिप की पूर्व स्वर्ण पदक विजेता हैं, को 5-0 से हराकर विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल 2025 के फाइनल में प्रवेश किया।

जैस्मीन और अन्य भारतीय मुक्केबाजों के साथ, जो गुरुवार को शीर्ष सम्मान के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे, जदुमणि सिंह और पवन बर्तवाल भी अपने प्रतिद्वंद्वियों पर सर्वसम्मति से जीत हासिल करने के बाद शामिल हुए। पूरे आत्मविश्वास और नियंत्रण के साथ लड़ते हुए, जैस्मीन ने शुरुआत में ही अपने शानदार संयोजनों से अपनी धाक जमाई, ब्लॉक और स्लिप के

महिलाओं के 70 किग्रा सेमीफाइनल में भारत की अरुंधति चौधरी (लाल रंग में) ने जर्मनी की लियोनी मुलर के खिलाफ जमकर वार किया। एजेंसी

बावजूद अपनी रक्षात्मक रक्षापंक्ति को मजबूत बनाए रखा और तीसरे राउंड के आखिर में अपनी प्रतिद्वंद्वी के आक्रामक रुख को शांतचित्त होकर झेलते हुए एक बेहतरीन जीत दर्ज की। विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025 की स्वर्ण पदक विजेता, अपने वर्ग की सबसे प्रतिष्ठित मुक्केबाजों में से एक, पेरिस ओलंपिक पदक विजेता चीनी ताइपे की वू-शिह यी के खिलाफ एक धमाकेदार खिताबी मुकाबले के लिए तैयार हैं। भारत का फाइनल में पहुंचने का अभियान पवन (55 किग्रा) और जदुमणि (50 किग्रा) के माध्यम से जारी रहा, दोनों ने शानदार जीत हासिल कर मेज़बान देश की गति को बढ़ाया। इस सप्ताह की शुरुआत में मिली सफलता के शिखर पर पहुंचे पवन ने शुरुआती कड़े मुकाबले से उबरते हुए इंग्लैंड के एलिस ट्रोब्रिज पर गति, सटीकता और पलटवार के दो शानदार राउंड के साथ 5-0 से जीत हासिल की। जदुमणि ने ऑस्ट्रेलिया के ओमर इज़ाज-जो अस्ताना विश्व कप पदक विजेता हैं-को लगातार दबाव, तीखे हुक और चतुराई भरे फुटवर्क से परास्त किया, जिससे उनसे लंबे मुक्केबाज पूरे समय रस्सियों पर बने रहे। इससे पहले, जुगनू (85 किग्रा) 5:0 से हारकर बाहर हो गए, जबकि नीरज फोगाट (65 किग्रा) ने ओलंपिक पदक विजेता चेन निएन-चिन के खिलाफ जोशीला और निडर प्रदर्शन किया, पर 3:2 के विभाजित निर्णय से हार गए। छठे सत्र के परिणामों के बाद, गुरुवार के फाइनल में दस भारतीय मुक्केबाजों के भाग लेने की पुष्टि हो गई है।

अरुंधति फाइनल में उज्बेकिस्तान की अजीजा से भिड़ेंगी

लियोनी मुलर के खिलाफ अपनी जीत के बाद, अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) फाइनल में उज्बेकिस्तान की अजीजा ज़ोकिरोवा से भिड़ेंगी, जो 2022 एशियाई युवा चैंपियन और 2024 एशियाई रजत पदक विजेता हैं। नूपुर (80 किग्रा) का मुकाबला उज्बेकिस्तान की सोतिम्बोएवा ओल्टिनोय से होगा, जबकि पूजा (80 किग्रा) को पोलैंड की अगाता काजमारस्का, जो 80 किग्रा वर्ग में मौजूदा विश्व चैंपियन हैं, के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। पुरुषों की लाइनअप में, अंकुश फंगल (80 किग्रा) 2024 विश्व मुक्केबाजी कप चैंपियन, इंग्लैंड के शिट्टू ओलादिमेजी के खिलाफ फाइनल में प्रवेश करेंगे।

स्पेन, बेल्जियम, स्विट्ज़रलैंड और स्कॉटलैंड ने विश्व कप में जगह बनाई

ग्लास्गो, एजेंसी

स्कॉटलैंड ने डेनमार्क को हराकर 28 साल के इंतजार के बाद विश्व कप फुटबॉल में अपनी जगह सुरक्षित की जबकि ऑस्ट्रिया भी 1998 के बाद पहली बार इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहा।

स्पेन ने यूरोप में प्रतिस्पर्धी प्रतियोगिताओं में 31 मैच तक अजेय रहने के इटली के रिकॉर्ड की बराबरी करके अगले साल अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले विश्व कप में अपनी जगह सुरक्षित की। मंगलवार को यूरोपीय क्वालीफाइंग समाप्त होने के साथ ही बेल्जियम और स्विट्ज़रलैंड ने भी विश्व कप 2026 में अपनी जगह पक्की कर ली। इस तरह यूरोप से 12 टीमों ने अपने ग्रुप में विजेता बनकर क्वालीफाई कर लिया है।

विश्व कप फुटबॉल में अपनी जगह सुरक्षित करने के बाद बेल्जियम के खिलाड़ी।

डेढ़ लाख की आबादी वाले देश कुराकाओ ने विश्व कप में जगह बनाकर रचा इतिहास

किंग्सटन, जमैका : कुराकाओ की जनसंख्या लगभग डेढ़ लाख है, लेकिन इसके बावजूद उसने अगले साल होने वाले फुटबॉल विश्व कप में जगह बनाकर नया इतिहास रच दिया। कुराकाओ ने जमैका के साथ गोलरहित ड्रॉ खेलकर पहली बार विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया। इस तरह से वह फुटबॉल विश्व कप में जगह बनाने वाला सबसे कम आबादी वाला देश बन गया है। कुराकाओ के केंद्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के अनुसार पिछली जनवरी तक देश की जनसंख्या 156,115 थी। इससे पहले विश्व कप फुटबॉल में जगह बनाने वाला सबसे कम आबादी वाला देश आइसलैंड था। उसने जब 2018 में रूस ने खेले गए विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया था तब उसकी जनसंख्या लगभग 350,000 थी।